हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, रविवार 12 अक्टूबर 2025

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

राज्य का दर्जाः केंद्र से मांगा 4 हफ्ते में जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग

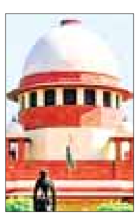

वाली याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने के लिए चार हफ्ते का समय दिया है। सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने सालिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलील दर्ज की कि पिछले साल इस क्षेत्र में शांतिपूर्ण चुनाव हुए थे।

डीजीपी की गिरफ्तारी पर अड़ा परिवार

नई दिल्ली। आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार ने आत्महत्या के मामले में मृतक के भाई अमित रतन नेपत्रकारों से कहा, एडीजीपी

लेवल के अधिकारी की मृत्यु हो गई है। पांच दिन बाद भी इंसाफ नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत सिंह कपूर और रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारनिया की गिरफ्तारी हर हाल में होना ही चाहिए।

मप्र में टूरिज्म को मिलेगी नई उड़ान, निवेशकों और फिल्मी हस्तियों के साथ मुख्यमंत्री ने किया 'मंथन'

मप्र को फिल्म शूटिंग और वेडिंग डेस्टीनेशन बनाने पर भी फोकस

मुख्यमंत्री ने प्रमुख फिल्मी हस्तियों से वन-टू-वन चर्चा की

◆ उच्च-स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने उद्योग जगत के विभिन्न दिग्गजों के साथ प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उनका फोकस मप्र को फिल्म शूटिंग और वेडिंग डेस्टीनेशन बनाने है। उन्होंने सभी निवेशकों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य को पर्यटन और फिल्म निर्माण के लिए देश का सबसे आकर्षक केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उनका मुख्य उद्देश्य पर्यटन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और मप्र को एक प्रमुख फिल्म-शूटिंग गंतव्य के रूप में बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री डॉ.

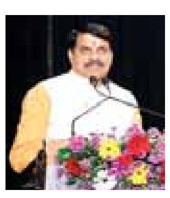

यादव शनिवार को मप्र में पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और निवेश को आकर्षित करने के लिए मप्र ट्रैवल मार्ट के अवसर पर पर्यटन क्षेत्र के निवेशकों, प्रमुख फिल्म निर्माताओं और प्रसिद्ध अभिनेताओं के साथ कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस मौके पर केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, मप्र के संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी और पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण एवं विमुक्त घुमन्तू और अर्द्धघुमन्तू कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर भी उपस्थित थीं।

मप्र ट्रैवल मार्ट के अवसर पर कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक इस मौके पर केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद रहे

सरकार राज्य को पर्यटन और फिल्म निर्माण के लिए देश का सबसे आकर्षक केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध

पर्यटन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना उद्देश्य

इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रमुख फिल्मी हस्तियों से वन-टू-वन चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम व वन टू वन चर्चा का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में पर्यटन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और मप्र को एक प्रमुख फिल्म-शूटिंग गंतव्य के रूप में बढ़ावा देना है। इस उच्च-स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने उद्योग जगत के विभिन्न दिग्गजों के साथ प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री से फिल्म जगत से प्रसिद्ध फिल्म निर्माता सुश्री एकता कपूर, जाने-माने अभिनेता गजराज राव और रघुवीर यादव ने भेंट की। स्पेनिश फिल्म कमीशन से सुश्री लारा मोलिना एवं फिल्म निर्माता श्रीमती अन्ना सौरा ने भी चर्चा में भाग लिया।

ट्रैवल वेडिंग प्लानिंग और इवेंट मैनेजमेंट क्षेत्र के विशेषज्ञों से भी चर्चा

मप्र में वेडिंग डेस्टिनेशन को प्रचारित और प्रसारित करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ ट्रैवल वेडिंग प्लानिंग और इवेंट मैनेजमेंट क्षेत्र के विशेषज्ञों ने भी अपने विचार साझा किए। इस समूह में पर्यटन फ्यूचर्स के नवीन कुंडू, यात्रा डॉट कॉम के राकेश कुमार राणा, इंडियन गोल्फ टूरिज्म एसोसिएशन (आईजीटीए) के राजन सहगल, प्रसिद्ध शेफ मंजीत गिल, लाफ्लोरेंस वेडिंग के विक्रमजीत शर्मा, वेडिंग एंड ट्रैवल जर्नलिस्ट सुश्री श्रुति सिंह, ईएसएल इवेंट्स की सुश्री एकता सहगल लुल्ला, वेडिंग चैप्टर्स की सुश्री ईशा अग्रवाल, कर्ली टेल्स डिजिटल मीडिया प्रालि के समर ओम प्रकाश वर्मा, डिलिजेंस सॉल्यूशन्स प्रालि के अनुज मदान, जू मीडिया के प्रतीक गुप्ता, इंडियन एग्जीबिशन इंडस्ट्री एसोसिएशन के सूरज धवन और लोटस एग्जीबिशन्स एंड मार्केटिंग सर्विसेज के राजीव मल्होत्रा ने भेंट की।

होटल और हॉस्पिटैलिटी उद्योग की नामचीन हस्तियां मौजूद रहीं

कार्यक्रम में होटल और हॉस्पिटैलिटी उद्योग के कई बड़े नामचीन हस्तियां मौजूद थी। सभी ने मप्र में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। इनमें इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) के ईवीपी परवीन चंदर कुमार, जेट सर्व एविएशन के राम ओला, एटमॉस्फियर कोर के प्रबंध निदेशक सौभाग्य मोहापात्रा, पोस्ट कार्ड होटल्स के सह-संस्थापक अनिरुद्ध कांडपाल, ट्रेज़र ग्रुप के प्रबंध निदेशक विनायक कलानी, एमआरवीएच रिज़ॉर्ट्स प्रालि के निदेशक जीतेंद्र सिंह, द मालवा क्लब एंड रिज़ॉर्ट के संस्थापक सुमरध्वज ब्रह्मभट्ट, सेरेनडिपिटी लेक्स एंड रिज़ॉर्ट्स प्रालि के प्रबंध निदेशक डॉ. सुश्रुत सुधीर बाबुलकर और ऑर्बिट रिज़ॉर्ट्स के संदीप खन्ना और मनोज सिंह शामिल थे।

इस संयंत्र की क्षमता 30 लाख टन

प्रधानमंत्री ने इंदौर में अत्याधुनिक दुग्ध चूर्ण संयंत्र का शुभारंभ किया

सीएम डॉ. यादव प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्म-निर्भरता मिशन कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देशभर के किसानों के लिए दो बड़ी योजना - प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्म-निर्भरता मिशन की घोषणा की है। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पीएम धन-धान्य कृषि योजना देश के कृषि विकास और इससे जुड़े सेक्टर्स में आमूल-चूल परिवर्तन लाने की दिशा में एक नया अध्याय लिखेगी। देश में अब तक 10 हजार एफपीओ के तहत 50 लाख किसान सदस्यता ले चुके हैं।

कृषि विकास में नया अध्याय लिखेगी प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना

राष्ट्रीय ग्रामीण कृषि मिशन में एक लाख किसानों का प्रमाणन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण कृषि मिशन में एक लाख किसानों का प्रमाणन, 4275 मैत्रीय का प्रमाणन, कंप्यूटराइजेशन में 10 हजार से अधिक बहुउद्देशीय पैक्स को मंजूरी, डेयरी, मत्यपालन, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण जैसे कई प्रकार के कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है।

मुख्यमंत्री आज 1.26 करोड़ लाड़ली बहनों के बैंक खातों में भेजेंगे लाड़ली बहना योजना की राशि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 12 अक्टूबर को श्योपुर जिले में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से लाड़ली बहना योजना के तहत प्रदेश की लगभग एक करोड़ 26 लाख 86 हजार लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 29 वीं किस्त 1541 करोड़ की राशि का अंतरण करेंगे। मेला ग्रांउड पर आयोजित कार्यक्रम से श्योपुर जिले के 98.87 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 460.40 करोड़ के निर्माण तथा विकास कार्यों का शिलान्यास करेंगे।

पीएम कीर स्टार्मर बोले

एआई और फिनटेक में ब्रिटिश निवेश से भारत में पैदा होंगी हजारों नौकरियां

ब्रिटेन की फिनटेक कंपनी टाइड भारत में 2026 से पांच वर्षों में 500 मिलियन पाउंड का निवेश करेगी और अगले 12 महीनों में 800 पेशेवरों को जोड़कर अपने भारतीय कार्यबल को 2,300 तक बढ़ाएगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत यात्रा से लौटे ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और फिनटेक के क्षेत्रों में ब्रिटेन के बड़े निवेश से भविष्य में हजारों नौकरियां पैदा होंगी। ब्रिटेन की कई कंपनियों ने एआई और फिनटेक क्षेत्रों में 3.6 अरब पाउंड के निवेश की पुष्टि की है। बता दें, कीर स्टार्मर ने गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी के साथ कई मुद्दों पर विस्तृत बातचीत की थी। साथ ही उन्होंने पीएम मोदी के साथ कई कार्यक्रमों में भी शिरकत की थी। देर शाम वह लंदन के लिए रवाना हुए थे।

कई फिनटेक कंपनियां अगले पांच वर्षों में 500 मिलियन पाउंड खर्च करने की योजना बना रही

फाइल फोटो

भारत और ब्रिटेन के बीच समझौते

भारत और ब्रिटेन के बीच टेक्नोलॉजी और इनोवेशन सेक्टर में चार प्रमुख समझौते हुए हैं। शिक्षा क्षेत्र में दो, क्लाइमेट टेक्नोलॉजी स्टार्टअप फंड में एक ज्वाइंट इन्वेस्टमेंट समझौता हुआ है। इसके अलावा, क्लाइमेट, हेल्थ और रिसर्च सेक्टर में भी तीन महत्वपूर्ण पहलें हुईं, जिनमें बायो-मेडिकल रिसर्च करियर प्रोग्राम के फेज-थर्ड का शुभारंभ और ऑफशोर विंड टास्कफोर्स की स्थापना शामिल है। भारत के आईसीएमआर और ब्रिटेन के एनआईएचआर के बीच हेल्थ रिसर्च पर 'लेटर ऑफ इंटेंट' पर हस्ताक्षर शामिल हैं।

व्यापार साझेदारी मजबूत कर रहे

स्टार्मर ने अपनी भारत यात्रा के समापन पर एक बयान में कहा कि हमने भारत के साथ हुए व्यापार सौदे से उत्पन्न अवसरों का पूरा लाभ उठाया है। हमने ब्रिटेन में नए निवेश सुनिश्चित किए हैं और देशभर में 10,600 नई नौकरियां बनाई हैं, जो हमारे सबसे प्रमुख उद्योगों में हैं। उन्होंने कहा कि हम भारत में ब्रिटिश व्यापार की अपनी साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं।

एफटीए से दोनों देशों को मिलेगा लाभ

पीएम स्टार्मर ने कहा कि भारत यात्रा ने ब्रिटेन को जुलाई में हुए व्यापक व्यापार और आर्थिक समझौते (सीईटीए) से उत्पन्न अवसरों का लाभ उठाने में मदद की है। उन्होंने यह भी वादा किया कि वह भारत में ब्रिटिश व्यवसायों के लिए अधिक दरवाजे खोलेंगे। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) होने के बाद से दोनों देशों के बीच शुल्कों घटेगें जो व्यापार को तेज, सस्ता और सुगम बनाएंगे।

बेंगलुरु में एक अरब पाउंड तक का निवेश

स्टार्मर ने बताया कि सॉफ्टबैंक ग्रुप का हिस्सा ग्राफकोर बेंगलुरु में एक नई एआई इंजीनियरिंग कैंपस में 1 अरब पाउंड तक का निवेश करेगा। इससे भारत के सेमीकंडक्टर उद्योग में 500 उच्च-स्किल्ड नौकरियां बनेंगी। ब्रिटेन की फिनटेक कंपनी टाइड भारत में 2026 से पांच वर्षों में 500 मिलियन पाउंड का निवेश करेगी और अगले 12 महीनों में 800 पेशेवरों को जोड़कर अपने भारतीय कार्यबल को 2,300 तक बढ़ाएगी।

भारतीय बैंकों के साथ पेमेंट गेटवे सुविधा

रेवोल्ट भारत में अगले पांच वर्षों में 500 मिलियन पाउंड खर्च करने की योजना बना रही है। वहीं ब्रिटेन स्थित पेमेंट्स ऑर्केस्ट्रेशन कंपनी पेसेक्योर ने कहा कि उसने भारत में शीर्ष भारतीय बैंकों और पेमेंट गेटवे के साथ एकीकरण के जरिये स्मूथ पेमेंट्स सक्षम कर ब्रिटिश व्यापारों के लिए 370 मिलियन पाउंड के निर्यात को पांच वर्षों में बढ़ाने का लक्ष्य रखा है।

अत्यधिक भीड़ के कारण दारुल उलूम से बिना संबोधन लौटे मुत्ताकी, कहा

अफगानिस्तान से कोई आतंकी भारत नहीं आएगा, रिश्ते भविष्य में और मजबूत होंगे

एजेंसी ▶▶ सहारनपुर

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री मौलाना अमीर खान मुत्ताकी शनिवार को भारत के सबसे प्रतिष्ठित इस्लामी शिक्षण संस्थान दारुल उलूम देवबंद पहुंचे। संस्था प्रशासन ने उनकी अगवानी के लिए 15 प्रमुख उलमा लगाए। मुत्ताकी का काफिला दिल्ली से सुबह साढ़े आठ बजे रवाना हुआ और वे तकरीबन 12 बजे देवबंद पहुंचे। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे क्षेत्र में कड़े इंतजाम किए हुए थे। मुत्ताकी का स्वागत दारुल उलूम की विशालकाय गोलाकार लाइब्रेरी में किया गया। मौलाना अमीर खान मुत्ताकी अफगानिस्तान में तालिबान शासन के प्रमुख नेताओं में शामिल हैं।

वर्ष 2021 में सत्ता संभालने के बाद यह उनकी भारत की पहली यात्रा है। वे छह दिवसीय दौरे पर भारत आए हैं और शुक्रवार को दिल्ली में कई अधिकारियों से मुलाकात कर चुके हैं। दारुल उलूम देवबंद में उनका स्वागत कार्यक्रम संस्था के मोहतमिम मौलाना मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी की देखरेख में तैयार किया गया। मुत्ताकी का काफिला देवबंद पहुंचा। 2 बजकर 30 मिनट पर उन्हें लाइब्रेरी में छात्रों को संबोधित करना था लेकिन अत्यधिक भीड़ के कारण उन्होंने संबोधन का फैसला निरस्त कर दिया और दिल्ली के लिए वापस लौट गए।

मुत्ताकी से जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने मुलाकात की। मदनी ने कहा कि इस बैठक के बाद यह साफ हो गया है कि अब अफगानिस्तान की ओर से भारत में कोई आतंकवादी नहीं आएगा।

नाम के आगे मौलाना और कासमी लिख सकेंगे

नए राजनयिक भेजेंगे मुत्ताकी काबुल आने का दिया न्यौता

दिल्ली ने अच्छा स्वागत किया

वहीं, अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने शनिवार को कहा कि भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते भविष्य में और मजबूत होंगे। उन्होंने दारुल उलूम देवबंद में मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए भारत के लोगों का आभार जताया। सहारनपुर पहुंचे मुत्तकी ने कहा कि हम यहां नए राजनयिक भेजेंगे और उम्मीद है कि आप लोग भी काबुल आएंगे। दिल्ली में मुझे जिस तरह का स्वागत मिला, उससे मुझे भरोसा है कि आने वाले समय में भारत-अफगानिस्तान संबंध और घनिष्ठ होंगे। ऐसे दौरे भविष्य में और भी बढ़ सकते हैं।

विदेशी सेना को स्वीकार नहीं करेंगे

अफगानिस्तान के महत्वपूर्ण बगराम एयरबेस को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फिर से अपने अधिकार क्षेत्र में लेने की घोषणा को लेकर आमिर खान मुत्ताकी ने कहा, अफगानिस्तान के लोग विदेशी सेना को कभी भी स्वीकार नहीं करेंगे। अगर कोई हमारे साथ संबंध रखना चाहता है तो उसे कूटनीतिक मिशन के जरिए ही हमारे पास आना पड़ेगा।

हदीस का सबक पढ़ा और पढ़ाने की इजाजत ली

इस दौरान मुत्तकी ने संस्था के मोहतमिम मौलाना मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी से हदीस का सबक पढ़ा और उसे पढ़ाने की इजाजत ली, मोहतमिम ने उन्हें हदीस-ए-सनद दी। हदीस की इजाजत मिलने के बाद अब मुत्तकी के नाम के आगे कासमी जुड़ गया है। जिसके बाद वह अपना पूरा नाम 'मौलाना आमिर खान मुत्ताकी कासमी' लिख सकेंगे।

सिंधु जल संधि निलंबन के बीच केंद्र का महत्वपूर्ण फैसला

चार दशक से रुकी हुई सावलकोट जलविद्युत परियोजना को मंजूरी, 31380 करोड़ की लागत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सिंधु जल संधि के निलंबन के बीच जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर 1,856 मेगावाट की सावलकोट जलविद्युत परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी दे दी है।

चार दशकों से रुकी हुई यह परियोजना चिनाब बेसिन में भारत की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में से एक है। इसका उद्देश्य भारत को 1960 की संधि के तहत पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब से अपने हिस्से का पूरा जल उपयोग करने में सक्षम बनाना है।

चिनाब नदी की भंडारण क्षमता बढ़ाएगी

सावलकोट परियोजना क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बढ़ाने के अलावा, भारत की चिनाब नदी के जल का प्रबंधन और भंडारण करने की क्षमता को भी बढ़ाएगी। इस योजना में जलग्रहण क्षेत्र उपचार, मलबा निपटान, जैव विविधता संरक्षण और वायु, जल, मृदा एवं जलीय पारिस्थितिकी तंत्र की दीर्घकालिक निगरानी शामिल है।

दो चरणों में बनेगी परियोजना

यह एक नदी-आधारित परियोजना है, जो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के रामबन, रियासी और उधमपुर जिलों में चिनाब नदी के पानी का उपयोग करेगी। इसका निर्माण दो चरणों में (चरण 1 के लिए 6×225 मेगावाट और 1×56 मेगावाट, और चरण 2 के लिए 2×225 मेगावाट) 1,401 हेक्टेयर क्षेत्र में 31,380 करोड़ की अनुमानित लागत से किया जाएगा। इस परियोजना में 192.5 मीटर ऊँचा कंक्रीट का बाँध, एक अपस्ट्रीम छोटा जलमार्ग, एक भूमिगत बिजलीघर होगा।

सोनिया गांधी ने पूरन की पत्नी को लिखी चिट्ठी

सोनिया- सत्ता में बैठे लोग पक्षपाती दोषी कोई भी हो बख्शेंगे नहीं: सैनी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की पत्नी नौकरशाह अमनीत पी कुमार को पत्र लिखा है।

पत्र में उन्होंने कहा है कहा कि आपके पति और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी, वाई पूरन कुमार की दुखद मृत्यु की खबर चौंकाने वाली और बेहद दुखद है। इस कठिन समय में आपको और आपके पूरे परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। वाई. पूरन कुमार का निधन हमें याद दिलाता है कि आज भी सत्ता में बैठे लोगों का पूर्वाग्रही और पक्षपातपूर्ण रवैया, वरिष्ठतम अधिकारियों को भी सामाजिक न्याय से वंचित रखता है। मैं और देश के लाखों लोग न्याय के इस मार्ग पर आपके साथ खड़े हैं। ईश्वर आपको इस कठिन परिस्थिति में धैर्य, साहस और शक्ति प्रदान करे। वहीं, सीएम सैनी ने इसे 'बहुत दुखद हादसा' बताते हुए कहा कि सरकार इसकी गहन जांच कराएगी और दोषियों को सजा दिलाएगी।

जबलपुर

रविवार, 12 अक्टूबर 2025

कार्तिक मास कृष्ण पक्ष–6

वर्ष : 20, अंक : 165

पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम

अधि. 29

न्यून. 19

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

13

महिला वनडे वर्ल्ड कप में 47 साल में....

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कड़ा संदेश दिया- कानून सबके लिए बराबर, अपराध करने वाला कोई भी हो, बख्शा नहीं जाएगा

दोनों पुलिसकर्मियों को अपनी बर्बरता की मिलेगी माकूल सजा

पीएम रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज और बयानों के बाद दोनों पुलिसकर्मियों पर हत्या का केस, बर्खास्तगी तय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित इंद्रपुरी में अमन सरिया के पास गार्डन के पास युवक से मारपीट करने वाले दोनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या और मारपीट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया गया है।

उक्त प्रकरण पीएम रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज और मृतक के दोस्तों के बयानों के बाद दर्ज किया

इंद्रपुरी में पुलिसकर्मियों की मारपीट से गई थी उदित की जान पुलिस से डरकर भागा उदित खड़ी गाड़ी से टकराकर था गिरा

फुल पीएम रिपोर्ट का इंतजार, अभी पुलिस ने नहीं की दोनों आरक्षकों की गिरफ्तारी, जांच का दिया हवाला

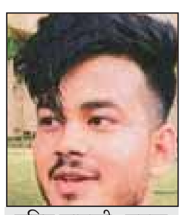

उदित गायकी , मृतक

लोहे के पाइप से किए ताबड़तोड़ वार, सूखे नशे में थे पुलिसवाले

पुलिस के अनुसार उदित गायकी पिता राजकुमार गायकी (21) बैंक कॉलोनी में रहता था। वीआईटी कॉलेज सीहोर से उसने बीटेक की पढ़ाई पूरी की थी। उसे आगे की पढ़ाई बेंगलुरु में करनी थी। वह बेंगलुरु से चार दिन पहले भोपाल लौटा था। अपने दोस्तों के साथ वीआईटी कॉलेज सीहोर से वह डिग्री लेकर रात करीब आठ बजे भोपाल लौटा। सभी लोग अमन सरिया के पास इंद्रपुरी में इकट्ठा हुए थे। वहां वे कार का म्युजिक तेज कर डांस कर रहे थे। समय अधिक होने के कारण बाकी के दोस्त घर चले गए थे। कार में दीपेश, उदित और एक अन्य मौजूद थे। इसी बीच रात करीब डेढ़ बजे के आसपास दो पुलिसकर्मी संतोष बामनिया और सौरभ आर्य कार के पास पहुंचे। उन्होंने कार की खिड़की से अंदर झांककर देखा और पूछताछ करने लगे। उन्होंने कार्रवाई करने की बात कही। डर के कारण उदित कार से उतरकर भागने लगा। उदित को भागता देख एक पुलिसकर्मी उसके पीछे दौड़ा और उसे पकड़ लिया। उस पर लोहे के पाइप से तोबड़तोड़ वार किए।

कार में बैठे-बैठे हो गई थी मौत

उदित गायकी के दोस्त मारपीट के बाद उसे टीआईटी कॉलेज की तरफ लेकर पहुंचे थे। इसके बाद आनंद नगर चौकी के पास एक परिचित पुलिसकर्मी के पास पहुंचे। वहां पता चला कि उदित गायकी की हालत गंभीर हो गई है। उदित गायकी की पल्स नहीं चल रही थी। वह उसे लेकर निजी अस्पताल पहुंचे, वहां से एम्स जाने की सलाह दी गई। एम्स पहुंचने पर पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है।

पुलिसकर्मियों ने कहा कि हमें वे लोग संदिग्ध लगे थे

आरक्षक संतोष बामनिया और सौरभ आर्य का कहना है कि वह अपनी ड्यूटी कर रहे थे। अमन सरिया के पास गार्डन किनारे उन्हें एक संदिग्ध आईटेन कार खड़ी दिखी। कार में तीन युवक थे और शराब के नशे में धुत थे। हमने उन्हें जाने का कहा। इस पर एक युवक ने कहा कि अपना काम करें। हमने उनसे कहा कि यहां से निकल जाओ नहीं तो तुम्हारे खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान एक युवक कार से निकलकर भागा। सौरभ आर्य को भागने वाला युवक संदिग्ध लगा। सौरभ उसके पीछे दौड़ा तो वह खड़ी गाड़ी से टकरा गया। सौरभ ने उसकी टीशर्ट पकड़ी और उठाने का प्रयास किया। इससे उसकी टीशर्ट फट गई। वह गुस्से में कहने लगा तेरी कारण मैं गिर गया और चोट लग गई। लिहाजा, बल का प्रयोग करना पड़ा। बाद में उसके दोस्त आ गए और सभी को समझाइश देकर घर जाने का कहा था।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पैदल जा रहीं छात्राओं को वैन ने रौंदा, 7 घायल, 2 गंभीर

कुक्षी। धार में आदिवासी छात्रावास की छात्राओं को वैन ने टक्कर मार दी। हादसे में सात छात्राएं घायल हुई हैं। सभी को कुक्षी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। इनमें दो की हालत गंभीर है। 42 छात्राएं शासकीय आदिवासी सीनियर बालिका छात्रावास से अलग-अलग ग्रुप में पैदल स्कूल जा रही थीं।

दुष्कर्म पीड़िता ने की आत्महत्या की कोशिश

सतना। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा के खिलाफ दुष्कर्म और धमकी देने की शिकायत करने वाली महिला ने जान देने की कोशिश की। महिला ने शुक्रवार रात नींद की ज्यादा गोलियां खा ली थी। पुलिस ने समय रहते पीड़िता को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है।

यह टैरिफ पहले से लगे 30 फीसदी टैरिफ के अतिरिक्त होगा

रेयर अर्थ एलिमेंट्स के एक्सपोर्ट पर चीन ने प्रतिबंध लगाया तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐसे निकाली खुन्नस

चीन पर ठोक दिया 100 फीसदी टैरिफ अब कुल 130 प्रतिशत टैरिफ की 'मार'

- **ट्रंप का चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात का प्रोग्राम भी कैंसिल**
- **चीन ने रेयर अर्थ एलिमेंट्स, टंगस्टन और मोलिब्डेनम के व्यापार पर कंट्रोल और बढ़ा दिया**
- **17 रेयर अर्थ एलिमेंट्स से इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, सैन्य उपकरण, सेमीकंडक्टर बनाए जाते हैं**

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को टैरिफ का फिर झटका दे दिया है। रेयर अर्थ एलिमेंट्स पर छिड़े विवाद के बीच ट्रंप ने चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। उन्होंने चीन को रेयर अर्थ एलिमेंट्स पर प्रतिबंध के बाद कड़ी जवाबी कार्रवाई करने की चेतावनी दी थी, जिसे सही साबित करके दिखाया। टैरिफ एक नवंबर 2025 से लागू हो जाएगा।

ट्रंप ने अचानक आयात-निर्यात की पूरी अवधारणा बदलकर दुनिया को चौंका दिया है और किसी को इस बारे में पता तक नहीं है

अमेरिकी ने टैरिफ चीन से आने वाले सॉफ्टवेयर्स पर लगाया है, जिसका असर ग्लोबल ट्रेड पर देखने को मिल सकता है

टैरिफ का पासा पलटने वाला है अब

क्या हैं चीन के रेयर अर्थ एलिमेंट्स?

रेयर अर्थ एलिमेंट्स में 17 रासायनिक तत्व आते हैं, जिनसे इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, सैन्य उपकरण, सेमीकंडक्टर बनाए जाते हैं। इन रासायनिक तत्वों पर चीन का कंट्रोल है, यानी 80 से 90 प्रतिशत रासायनिक तत्व चीन में पैदा होते हैं, लेकिन चीन ने साल 2000 में इनके उत्पादन में विदेश निवेश को सीमित कर दिया और इनका निर्यात भी कम कर दिया।

ग्लोबल मार्केट पर ऐसा असर

टैरिफ से ट्रिलियन फुर्र, क्रिप्टो मार्केट भी दहला

अमेरिका की ओर से चीन पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने के फैसले के बाद अमेरिका, चीन के शेयर बाजारों से क्रिप्टो करेंसी मार्केट तक में भारी तबाही आई है। क्रिप्टो मार्केट में सिर्फ 560 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। एनवीडिया, टेस्ला और अमेजन जैसे शेयरों पर भारी दबाव दिखा है।

भारत पर ये होगा असर?

भारतीय निर्यातकों को अमेरिका के बाजार में अपना निर्यात बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। भारत ने 2024-25 में अमेरिका को 86 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया। अमेरिका इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा, जूते, सफेद वस्तुओं और सौर पैनलों के लिए चीन पर बहुत अधिक निर्भर है। यह मांग भारत की ओर मुड़ सकती है। भारत पहले से ही 'चाइना प्लेस 1' रणनीति का लाभ उठा रहा है जबकि वैश्विक कंपनियां चीन का विकल्प तलाश रही हैं।

ट्रंप बोले- जिनपिंग से क्यों मिलना चाहूंगा?

बीते 9 अक्टूबर को चीन ने रेयर अर्थ एलिमेंट्स, टंगस्टन और मोलिब्डेनम के व्यापार पर कंट्रोल और बढ़ा दिया। अमेरिका ने चीन के इस फैसले को सीधे-सीधे खुद पर दबाव माना और राष्ट्रपति ट्रंप ने एक लंबी चौड़ी पोस्ट लिखकर चीन को चेतावनी दी। साथ ही उन्होंने अपने एशिया टूर के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात का प्रोग्राम भी कैंसिल कर दिया। हालांकि उन्होंने मीडिया के द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में यह भी कहा कि मीटिंग कैंसिल की नहीं है, लेकिन मौजूदा विवाद के चलते इसे कैंसिल ही समझा जाए, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि हम दोनों एक दूसरे से मिलना चाहेंगे। उन्होंने अचानक आयात-निर्यात की पूरी अवधारणा बदलकर दुनिया को चौंका दिया है और किसी को इस बारे में पता तक नहीं है।

अफगान विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने भारत में आकर भी महिलाओं के अधिकारों को ठेस पहुंचाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एक दिन पहले ही अफगान विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने नई दिल्ली स्थित अफगान दूतावास में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इस दौरान केवल कुछ चुनिंदा पत्रकारों को आमंत्रित किया गया था और महिला पत्रकारों को बुलाया नहीं गया था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों की एंट्री पर लगे प्रतिबंध को लेकर विवाद बढ़ चुका है। प्रियंका गांधी वाड्रा, महुआ मोइत्रा और पी. चिदंबरम सरीखे नेताओं के बाद अब कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा।

राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

शहीद संजय मीणा का पार्थिव शरीर गांव पहुंचा

सीएम डॉ. यादव ने श्रद्धांजलि अर्पित की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ देवास

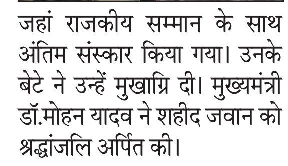

जिले के संवरसी निवासी नायक संजय मीणा अरुणाचल प्रदेश में देश की सेवा करते हुए शहीद हो गए। शनिवार को उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव संवरसी पहुंचा, जहां राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनके बेटे ने उन्हें मुखाग्नि दी। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने शहीद जवान को श्रद्धांजलि अर्पित की।

पत्नी बच्चों संग हुई गायब, पति ने की आत्महत्या

सीहोर। करवा चौथ की रात जब हर पत्नी अपने पति की लंबी उम्र की कामना कर रही थी, उसी रात सीहोर में एक पति ने दुख और अकेलेपन से टूटकर फांसी लगाकर जान दे दी। यह घटना शहर के गणेश मंदिर रोड स्थित एक कॉलोनी की है, जहां धर्मेंद्र कुशवाह नाम के युवक ने अपने घर में आत्महत्या कर ली।

सागर में डंपर ने मारी थी टक्कर

विभाग कार्यवाह और पत्नी की मौत, पोटली में उठाने पड़े शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सागर

सागर में एक तेज रफ्तार डंपर ने एक बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सागर विभाग के कार्यवाह और उनकी पत्नी की मौत हो गई। टक्कर की वजह से महिला के पैर और सिर धड़ से अलग हो गया।

शरीर के बाकी हिस्से पर डंपर चढ़ गया। पति-पत्नी दोनों के शव को पोटली में भरकर ले जाया गया। आरएसएस सागर विभाग के विभाग कार्यवाह और शासकीय शिक्षक अशोक दुबे (45) पत्नी राधा दुबे के साथ बाइक से अपने पैतृक गांव नाहरमऊ जा रहे थे। तभी नेशनल हाईवे-44 पर सुरखी के पास बन रहे ओवरब्रिज के नीचे सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर की वजह से पति-पत्नी उछलकर सड़क पर जा गिरे और डंपर ऊपर से निकल गया। बाइक, डंपर के नीचे फंस गई। परिचितों ने बताया कि शिक्षक अशोक दुबे के बच्चे सागर में रहकर पढ़ाई करते हैं। वे एक दिन पहले ही सागर आए थे। शुक्रवार को पत्नी के साथ उन्होंने करवा चौथ की पूजा की। जिसके बाद शनिवार सुबह वे पत्नी राधा के साथ गांव जा रहा रहे थे।

श्री नितीन शर्मा, दुर्ग

प्र. मेरी बेटी की उम्र 19 वर्ष है, उसे एक सप्ताह से बुखार है, गले में खराश भी है। कृपया उपचार बतायें।

उ. **बैद्यनाथ महासुदर्शन घन बटी** 1–1 टॅबलेट दिन में दो बार पानी के साथ भोजन के बाद दे, साथ में **बैद्यनाथ सितोपलादि चूर्ण** एक चम्मच सुबह–शाम शहद के साथ दे।

श्री शरद ओक, धमतरी

प्र. मेरी उम्र 39 वर्ष है। शारीरिक कमजोरी आयी है। इस कारण शारीरिक संतुष्टी नही हो पाती। इस कारण बहुत परेशान हूँ।

उ. **बैद्यनाथ वीटा एक्स गोल्ड प्लस कॅप्सूल** 1–1 कॅप्सूल सुबह – शाम भोजन के बाद दूध के साथ लें। साथ में बैद्यनाथ धातुपौष्टिक चूर्ण 1 से 2 चम्मच समान भाग मिश्री और दुध के साथ लें।

श्रीमती कुसुम तिवारी, बिलासपुर

प्र. मेरी उम्र 52 वर्ष है, मुझे चलते समय घुटनों में बहुत दर्द होता है। उठते–बैठते कमर दर्द भी रहता है, कृपया उपचार बतायें।

उ. **बैद्यनाथ महारास्नादि काढ़ा** 3–3 चम्मच समभाग पानी के साथ सुबह–शाम भोजन के बाद लें। साथ में **बैद्यनाथ पेन क्विट टॅबलेट** 1–1 टॅबलेट सुबह–शाम पानी के साथ लें। **बैद्यनाथ पेन क्विट ऑईल** की दर्द के जगह हलकी मालिश करें।

श्री गीरधर जोगी, रायपुर

प्र. मुझे 5 साल से डायबिटीज है। आँखें के सामने अंधेरा छा जाता है व दिनभर के काम से रात में अत्याधिक थकान महसूस करता हूँ।

उ. **बैद्यनाथ च्यवनफिट (शुगरफ्री)** 1–1 चम्मच दुध के साथ सुबह शाम भोजनबाद लेवें। **बैद्यनाथ मधुमेहारि ग्रेन्युल्स** 1 से 2 चाय के चम्मच पानी के साथ लेवें।

वैद्य रमेश शर्मा, एम. डी. (आयु.)
प्रधान वैद्य

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : 844 844 4935 | www.baidyanath.co

67 दुर्लभ जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक निम्न समस्याओं में विशेष सहायक है।

Helps in:
- कठिन दर्द
- चिड़चिड़ापन
- थकान
- कमजोरी
- कमर कटना
- इम्यूनिटी

सच्ची सहेली®

24x7 Helpline: 77106 44444 | www.sachisaheli.in | Available at all medical & general stores

एनडीए में सीट बंटवारे का काम 95 फीसदी पूरा, भाजपा-जदयू 100 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेंगे

बिहार विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में बातचीत का दौर अब अंतिम चरण है। भाजपा और जदयू ने अपने कई पुराने चेहरों को हरी झंडी भी दे दी है। लेकिन, अब तक औपचारिक रूप से घोषणा नहीं की है। जल्द सूची जारी होने की बात कही जा रही है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में बातचीत का दौर अब अंतिम चरण है। भाजपा और जदयू ने अपने कई पुराने चेहरों को हरी झंडी भी दे दी है। लेकिन, अब तक औपचारिक रूप से घोषणा नहीं की है। यह घोषणा जल्द संभावित है। लेकिन, इससे पहले भारतीय जनता पार्टी की कोर कमेटी के सदस्य दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर पर जुटे हैं। गृह मंत्री अमित शाह, बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय समेत भाजपा के वरिष्ठ नेता सीट शेयरिंग समेत कई मुद्दों पर बातचीत की। एनडीए में सीट बंटवारे का काम 95 फीसदी तक हो चुका है। भाजपा और जदयू दोनों 100 से अधिक पर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं।

दिल्ली में भाजपा की महाबैठक, दिग्गजों ने किया विचार विमर्श

शाह, बिहार चुनाव प्रभारी प्रधान, केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद समेत भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे शामिल

चिराग, मांझी और कुशवाहा की मांगों पर हो रही देरी

नड्डा के घर पर जुटे भाजपा के नेतागण

केंद्रीय चिराग पासवान की पार्टी को 28, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को 8 और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को करीब 5सीटें भाजपा और जदयू देना चाहती है। लेकिन, चिराग और मांझी मानने को तैयार नहीं। चिराग 35 से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। मांझी का तर्क है कि राज्य स्तर की पार्टी बनने के लिए 8 विधायक चाहिए। 15 सीटों से कम पर चुनाव हम लोग नहीं लड़ कसते हैं। कुशवाहा ने 24 सीटों की मांग की है। तीनों पार्टी के नेताओं ने चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से मिलकर अपनी-अपनी बात रख दी है।

भाजपा की 41 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम लगभग तय

एनडीए में अब तक सीट बंटवारे का एलान नहीं हुआ है। लेकिन, सोशल मीडिया पर भाजपा के कई संभावित उम्मीदवारों की सूची सामने आई है। दावा किया जा रहा है कि भाजपा आलाकमान की ओर से करीब 41 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम मुहर लगा दी गई है। इस सूची में भाजपा मौजूदा विधायक, मंत्री और संगठन से जुड़े वरिष्ठ नेता शामिल हैं। आलाकमान ने इन्हें सर्वे और समीकरण में फिट पाया है। हालांकि, भाजपा ने इस सूची की पुष्टि नहीं की है। सूची में शामिल कई नाम मौजूदा भाजपा विधायकों के हैं जिन्हें पार्टी ने दोबारा मौका देने का फैसला किया है।

जेडीयू से 31 प्रत्याशियों के नाम आए

नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर अपने उम्मीदवारों की संभावित सूची लगभग तैयार कर ली है। जदयू ने 31 से ज्यादा सीटों पर नाम लगभग तय कर दिए हैं। इसमें कई मौजूदा विधायक, कुछ नए चेहरे और परिवारिक राजनीतिक विरासत वाले नाम शामिल हैं। पार्टी की रणनीति 'ग्राउंड कनेक्शन' और 'विनिंग फैक्टर' पर आधारित मानी जा रही है। सूची में कई बड़े नामों के अलावा युवा चेहरों को भी मौका दिया जा रहा है।

पवन ने पार्टी का सच्चा सिपाही बताया

भोजपुरी सुपरस्टार और हाल में भाजपा में शामिल हुए पवन सिंह ने स्पष्ट कहा है कि मैं इस बार का चुनाव नहीं लड़ रहा हूं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है कि मैं अपने भोजपुरीया समाज से कहना चाहता हूं कि मैंने बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए पार्टी ज्वाइन नहीं किया था मैं पार्टी का एक सच्चा सिपाही हूं और हमेशा रहूंगा।

महागठबंधन में भी बैठकों का दौर

कांग्रेस - आरजेडी में आखिरी वक्त में 5 सीटों पर मामला फंस गया

महागठबंधन में सीटों के समझौते को लेकर लगातार बैठकें हो रही हैं। नेता लोग माथापच्ची में लगे हैंष फिर भी कुछ सीटों पर मामला फंसा हुआ है। खासकर बायसी, बहादुरगंज, रानीगंज, कहलगांव और सहरसा। सहरसा में पिछली बार भौजपा के आलोक रंजन ने आरजेडी के लवली आनंद को 20 हजार मतों से हराया था। उसी तरह कहलगांव की सीट पर कांग्रेस का दावा है, क्योंकि यह सीट परंपरागत रूप से कांग्रेस की है और लगातार सदानंद सिंह ये सीट जीतते रहे हैं। पिछली बार यहां से भाजपा जीती थी। अब आरजेडी इस सीट पर दावा कर रही है, मगर कांग्रेस इस सीट को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। पिछली बार भी ये सीट कांग्रेस ने ही लड़ी थी. सीमांचल की बायसी और बहादुरगंज भी कांग्रेस लड़ना चाहती है, क्योंकि कांग्रेस का कहना है कि सीमांचल में कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

रोहतास में ग्रामीणों ने राजद विधायक का किया विरोध, धक्कामुक्की की

यहां कई जगहों पर आरजेडी विधायकों को विरोध का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि विधायक 5 साल तक गायब रहे और अब चुनाव के समय उनके बीच पहुंच रहे हैं। रोहतास में जनसंपर्क के दौरान राजद विधायक फतेह बहादुर का ग्रामीणों ने जोरदार विरोध किया। इस दौरान विधायक समर्थकों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। डेहरी व के चिलबिला गांव में राजद विधायक फतेह बहादुर की जनसंपर्क यात्रा के दौरान हड़कंप मच गया। विधायक गांव में पहुंचे ही थे कि ग्रामीणों ने उनका जमकर विरोध शुरू कर दिया।

मैं लड़ा तो राहुल की तरह तेजस्वी को दो सीट से लड़ना होगा: पीके

राघोपुर सीट चर्चा का सबसे बड़ा केंद्र बन गई है। जन सुराज के संस्थापक और चुनाव रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर ने इस सीट को लेकर बड़ा संकेत दे दिया है। उन्होंने कहा है कि अगर वे राघोपुर से चुनाव लड़ते हैं तो तेजस्वी यादव को दो सीटों से मैदान में उतरना ही पड़ेगा। अब तेजस्वी को दूसरी सीट तलाशनी पड़ेगी। उनका हाल भी वही होगा जो राहुल गांधी का अमेठी में हुआ था। जब उन्हें वायनाड जाना पड़ा।

तेज प्रताप बोले- मैं महुआ से चुनाव लड़ूंगा

जनशक्ति जनता दल के संस्थापक तेज प्रताप यादव ने कहा कि आप देख सकते हैं कि मेरी पार्टी को किस तरह का समर्थन मिल रहा है। इतने सारे लोग बिना बुलाए भी आ रहे है। मैं जल्द उम्मीदवारों की घोषणा करूंगा। मैं महुआ से चुनाव लड़ूंगा।

विधायक मिश्रीलाल ने भाजपा से किया किनारा

दरभंगा जिले की अलीनगर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक मिश्रीलाल यादव ने पार्टी से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा अब पिछड़ों का सम्मान नहीं करती। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व घमंड में चूर हो गया है। इस बात जनता उनको जान चुकी है।

खबर संक्षेप

गुजरात पहुंचीं राष्ट्रपति द्वारकाधीश के किए दर्शन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने द्वारका का भ्रमण किया। राष्ट्रपति ने द्वारका में भगवान द्वारकाधीश के चरणों में शीश नवाया और इस दिव्य दर्शन से धन्य महसूस किया। राष्ट्रपति ने शास्त्रीय विधि-विधान से भक्तिपूर्वक भगवान के चरणों की पूजा करके अपनी संतुष्टि भी व्यक्त की। राष्ट्रपति ने देशवासियों की सुख, शांति,समृद्धि की कामना की।

दिल्ली में ग्रीन पटाखों पर 5 दिन की छूट

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की हवा में दिवाली के दौरान फिर पटाखों की आवाज गूंजने वाली है। सुप्रीम कोर्ट ने 5 दिनों के लिए पटाखे फोड़ने और बेचने की सशर्त अनुमति दे दी है। ये फैसला कई सालों बाद दिल्ली में पटाखों वाली दिवाली की वापसी का संकेत है। अदालत ने कहा कि ये सिर्फ एक ट्रायल बेसिस छूट दी गई है।

दिवाली पर हिंदू दुकानों से करें खरीदी, नोटिस

मुंबई। दिवाली की खरीदारी को लेकर एनसीपी विधायक संग्राम जगताप की तरफ से दिए गए बयान पर सियासी घमासान तेज हो गया है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इस संज्ञान लेते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस भेजने की बात कही। जगताप पर सिर्फ हिंदू दुकानदारों से खरीदारी की अपील करने का आरोप है। इस पर अजित ने कार्रवाई की बात कही है।

11 कोरोना योद्धाओं के परिवार को 1-1 करोड़

नई दिल्ली। दिल्ली की मसीएम रेखा गुप्ता ने शनिवार को कोविड महामारी के दौरान अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए जीवन गंवाने वाले 11 सरकारी कर्मियों के परिजनों को 1-1करोड़ की सहायता राशि के चेक प्रदान किए। मुख्यमंत्री रेखा ने कहा कि यह केवल आर्थिक सहायता नहीं है, बल्कि उन पर हमारी गहरी कृतज्ञता और विनम्र श्रद्धांजलि भी है।

पीएम मोदी ने 42 हजार करोड़ की कृषि परियोजनाओं का किया उद्घाटन

दिवाली के पहले दिया किसानों को तोहफा

दलहन में सुधार और उत्पादकता के विस्तार के साथ नुकसान को कम करने का लक्ष्य

11,440 करोड़ के परिव्यय के साथ 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' को लॉन्च किया

हम कुछ उपलब्धियों से ही संतुष्ट नहीं हो सकते, पीएम धन-धान्य कृषि योजना दी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम मोदी ने शनिवार को रिमोट दबाकर 42 हजार करोड़ रुपए से अधिक की कृषि परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने 24,000 करोड़ रुपए के परिव्यय वाली प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य 100 आकांक्षी जिलों में कृषि उत्पादन, सिंचाई, क्रेडिट, क्रॉप डायवर्सिफिकेशन और पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट में सुधार है। 11,440 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' को लॉन्च किया गया। इसका उद्देश्य दलहन उत्पादकता के स्तर में सुधार, दलहन की खेती के रकबे का विस्तार, सप्लाई चेन को मजबूत करना और नुकसान को कम करना सुनिश्चित करना है। उन्होंने प्रधानमंत्री कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में 5,450 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन किया। लगभग 815 करोड़ रुपए की अतिरिक्त परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी गई।

पीएम मोदी ने कार्यक्रम में संबोधन के दौरान कहा कि आज देश का मिजाज कुछ इस तरह बन गया है कि हम कुछ उपलब्धियों से ही संतुष्ट नहीं हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें विकसित बनने के लिए हर क्षेत्र में लगातार बेहतर करना होगा। सुधार करना ही होगा। इसी सोच का प्रमाण पीएम धन-धान्य कृषि योजना है। इस योजना की प्रेरणा आकांक्षी जिला योजना का सफलता बनी है। उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिले अब कई पैरामीटर्स में दूसरे जिलों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

रिमोट का बटन दबाकर दी सौगातें

इस योजना में हम 36 सरकारी योजनाओं को एक साथ जोड़ रहे

उन्होंने बताया कि इस योजना के लिए 100 जिलों का चयन बहुत सोच-समझकर किया गया है। खेत से होने वाली पैदावार, एक खेत में कितनी बार खेती होती है, किसानों को लोन या निवेश की सुविधा कितनी मात्रा में है, तीन पैरामीटर के आधार पर जिलों का चयन किया गया है। पीएम मोदी ने कहा कि इस योजना में हम 36 सरकारी योजनाओं को एक साथ जोड़ रहे हैं। इस योजना के तहत पशुधन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस योजना को लेकर युवा अधिकारियों पर भी जिम्मेदारी होगी। दलहन आत्मनिर्भरता मिशन केवल दाल उत्पादन नहीं, बल्कि भावी पीढ़ी को सशक्त बनाने का अभियान है

यह देश के 100 जिलों में खेती की तस्वीर बदलेगी

प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे विश्वास है कि युवा साथी किसानों के साथ मिलकर देश के 100 जिलों में खेती की तस्वीर बदल देंगे। जैसे ही किसी गांव में खेती की तस्वीर बदली, पूरे गांव की इकोनॉमी बदल जाएगी। 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि यह केवल दाल उत्पादन बढ़ाने का मिशन नहीं है, बल्कि हमारी भावी पीढ़ी को सशक्त बनाने का भी अभियान है। इस मिशन से देश के 2 करोड़ दाल किसानों को सीधा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि बीते 11 वर्षों में खेती का बजट करीब 6 गुना बढ़ गया है और इस बढ़े हुए बजट का सबसे अधिक फायदा हमारे छोटे किसानों को हुआ है।

हमने कृषि के प्रति पिछली सरकारों के लापरवाह रवैए को बदला

कृषि योजनाओं के लॉन्च के बाद अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि आज 11 अक्टूबर का दिन बहुत ऐतिहासिक है। आज भारत माता के दो महान रत्नों की जयंती है जिन्होंने इतिहास रचा। भारत रत्न जयप्रकाश नारायण और भारत रत्न नानाजी देशमुख, ये दोनों महान सपूत ग्रामीण भारत की आवाज थे, लोकतांत्रिक क्रांति के अग्रदूत थे। वे किसानों और गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित थे। आज इस ऐतिहासिक दिन पर देश की आत्मनिर्भरता और किसानों के कल्याण के लिए दो महत्वपूर्ण नई योजनाओं का शुभारंभ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खेती और किसानी हमेशा से हमारी विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। यह जरूरी है कि सरकार बदलते समय के साथ कृषि और खेती को समर्थन देती रहे। दुर्भाग्य से, पिछली सरकारों ने कृषि को अपने हाल पर छोड़ दिया। सरकार के पास कृषि के लिए कोई दूरदर्शिता या दृष्टिकोण का अभाव था, जिसके कारण भारत की कृषि प्रणाली लगातार कमजोर होती गई। हमने कृषि के प्रति पिछली सरकारों के लापरवाह रवैए को बदल दिया है

बंगाल में ओडिशा की छात्रा से गैंगरेप

फोन छीना... और जंगल ले गए आरोपी, पीड़िता अस्पताल में भर्ती

कानून व्यवस्था पर फिर उठे सवाल

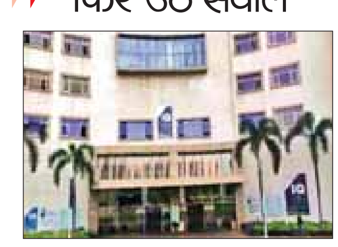

एजेंसी ▶▶ दुर्गापुर

पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह से सवालों के घेरे में है। अभी कुछ दिन पहले ही भाजपा महिला सांसद पर अज्ञात लोगों ने हमला करते हुए घायल कर दिया था। अब एक बार फिर बंगाल से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। दुर्गापुर में एक निजी मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया है। इस घटना ने एक बार फिर बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पश्चिम बर्धमान जिले में ओडिशा की रहने वाली एक मेडिकल कॉलेज छात्रा के साथ अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। वारदात शुक्रवार रात दुर्गापुर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज परिसर के पास हुई।

सहेली के साथ कैंपस से बाहर गई थी वह

पुलिस अधिकारी ने बताया कि छात्रा शुक्रवार रात करीब 8 से 8.30 बजे अपनी सहेली के साथ कैंपस से बाहर गई थी। जब 3 अज्ञात लोग वहां पहुंचे तो उसकी सहेली उसे अकेला छोड़कर भाग गई। उन लोगों ने उसका फोन छीन लिया और उसे कैंपस के बाहर सुनसान इलाके में ले गए, जहां उसके साथ ज्यादती की। उसे धमकी दी गई कि अगर उसने किसी को घटना के बारे में बताया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। आरोपियों ने छात्रा से उसका मोबाइल फोन वापस करने के लिए पैसे भी मांगे। फोरेंसिक टीम घटनास्थल का दौरा करेगी।

खबर सुन, दुर्गापुर पहुंचे माता-पिता

छात्रा के माता-पिता ने कहा कि वे अपनी बेटी के दोस्तों का फोन आने के बाद दुर्गापुर पहुंचे। छात्रा की मां ने आरोप लगाया कि शुक्रवार रात लगभग 10 बजे उनकी बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया, जब वह अपनी एक सहेली के साथ रात के खाने के लिए कॉलेज परिसर से बाहर गई थी।

दुर्गापुर जाएगी एनसीडब्ल्यू की टीम

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की एक टीम पीड़िता और उसके माता-पिता से मिलने दुर्गापुर जा रही है। सदस्य अर्चना मजूमदार ने कहा कि बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। पुलिस ऐसे मामलों में कोई सक्रिय कदम नहीं उठा रही है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

शिवकुमार का फिर छलका दर्द

मुझे सीएम बनने की जल्दी नहीं, मैं नियति जानता हूं

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री बनने की कोई जल्दी नहीं है और वेजानते हैं कि उनकी किस्मत में क्या लिखा है? वे मीडिया के एक वर्ग की उन रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिनमें कहा गया था कि उन्होंने शनिवार सुबह शहर के लालबाग गार्डन में लोगों से बातचीत के दौरान यह बयान दिया था कि सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री के रूप में बदलने का समय निकट आ रहा है। डीके ने कहा कि उन्होंने यह नहीं कहा कि उनके मुख्यमंत्री बनने का समय नजदीक आ रहा है लेकिन मीडिया का एक वर्ग तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर लोगों को गुमराह कर रहा है। उन्होंने कहा कि लालबाग में मैं जिन लोगों से मिला, उनमें से एक ने मुझे मुख्यमंत्री के रूप में देखने की इच्छा व्यक्त की। मैंने जवाब में कुछ नहीं कहा, कुछ चैनल यह खबर चला रहे हैं।

'बालिकाओं की सुरक्षा: भारत में उसके लिए एक सुरक्षित और सक्षम वातावरण की ओर' कार्यक्रम में सीजेआई गवई ने कहा

डिजिटल दौर में लड़कियां असुरक्षित, विशेष कानून बने

सीजेआई ने सुरक्षा पर चिंता जताई, प्रशिक्षण को जरूरी बताया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चीफ जस्टिस बीआर गवई ने डिजिटल युग में लड़कियों की सुरक्षा पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर हमलों, डिजिटल माध्यम से पीछा करने, व्यक्तिगत डाटा के दुरुपयोग और डीपफेक तस्वीरों से लड़कियां गंभीर रूप से असुरक्षित हैं। उन्होंने कानून एवं प्रवर्तन एजेंसियों और नीति निर्धारकों के लिए विशेष कानून और प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। वे'बालिकाओं की सुरक्षा: भारत में उसके लिए एक सुरक्षित और सक्षम वातावरण की ओर' पर राष्ट्रीय वार्षिक हितधारक परामर्श बैठक को संबोधित कर रहे थे। यह सुप्रीम कोर्ट की किशोर न्याय समिति के तत्वावधान में यूनिसेफ इंडिया के सहयोग से किया गया था।

आजकल असुरक्षा के मामले बढ़े

इसके लिए कठोर कानून हों

शरीर की रक्षा नाकाफी, आत्मा को भी आजाद करना होगा

जस्टिस गवई ने कहा कि उनकी (बालिकाओं) सुरक्षा केवल उसके शरीर की रक्षा करना नहीं है, बल्कि उनकी आत्मा को आजाद करना भी है। एक ऐसा समाज बनाना है जहां वह गरिमा के साथ सिर ऊंचा करके खड़ी हो सके और जहां उसकी आकांक्षाएं शिक्षा और समानता से पोषित हों। हमें उन गहरी जड़ें जमा चुकी पितृसत्तात्मक रीति-रिवाजों का सामना करना होगा और उन्हें दूर करना होगा, जो लड़कियों को उनका सही स्थान देने से रोकते हैं।

टैगोर की कविता को किया याद

रविंद्रनाथ टैगोर की कविता 'व्हेयर द माइंड इज विदाउट फियर' को याद करते हुए सीजेआई ने कहा कि यह कविता उस भावना को पूरी तरह से व्यक्त करती है, जिसे बालिका की सुरक्षा के लिए हासिल करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह सपना अधूरा रहेगा, जब तक हमारे देश की कोई भी लड़की डर के साए में रहे।

देश की कई बालिकाएं अब भी बुनियादी जरूरतों से वंचित

उन्होंने कहा कि संविधान और कानूनी संरक्षण के बावजूद देश की कई बालिकाओं को अब भी दुर्भाग्य से उनके मौलिक अधिकारों और यहां तक कि जीवित रहने के लिए जरूरी बुनियादी जरूरतों से वंचित रखा जाता है। यह असुरक्षा उन्हें यौन शोषण, उत्पीड़न और अन्य हानिकारक प्रथाओं जैसे कि महिलाओं के शरीर के अंगों को चोट पहुंचाना, कुपोषण, लिंग का चयन कर गर्भपात, तस्करी और उनकी मर्जी के खिलाफ बाल विवाह के अधिक जोखिम में डाल देती है।

पाटन में बिना लाइसेंस खाद्य पदार्थ का विक्रय करने वाले दुकान दरों पर लगाया गया 20 हजार का जुर्माना

खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने जिले भर में की गई कार्यवाही

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार शनिवार को जबलपुर, पाटन, पनागर, सिहोरा सहित जिले भर में मिठाई दुकानों की जाँच का अभियान चलाया गया। इस दौरान राजस्व, पुलिस एवं खाद्य सुरक्षा प्रशासन एवं नापतौल विभाग की टीमों ने मिठाई दुकानों से खाद्य पदार्थों खास तौर पर खोवा से बनी मिठाइयों के सेंपल परीक्षण हेतु लिये।

हरिभूमि जबलपुर।

खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने चलाये जा रहे इस विशेष अभियान में खोवा और खोवा से बनी मिठाइयों पर खास ध्यान दिया जा रहा है। राजस्व, पुलिस और खाद्य विभाग की टीमों ने खोवा मंडी जबलपुर एवं पाटन के खोवा विक्रय प्रतिष्ठानों का भी निरीक्षण किया तथा जाँच के लिये सेंपल भी लिये गये।

खाद्य पदार्थो में मिलावट रोकने एसडीएम पाटन मानवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गरुड़ दल ने शनिवार को पाटन में खाद्य पदार्थों के कई विक्रय केंद्रों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थो के नमूने परीक्षण हेतु एकत्रित किये तथा अशुध्द पदार्थो के विनिष्टीकरण की कार्यवाही की।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी जयश्री चौहान के अनुसार निरीक्षण के दौरान बालाजी बीकानेर निर्माण स्थल, संदीप मिष्ठान भंडार, अनूप नेमा मिष्ठान भंडार, नेमा जी स्वीट्स, बड्डू खोबा वाले, जुगल मिष्ठान, धनीराम मिष्ठान, मदन मिष्ठान, राजू मिष्ठान भंडार, पवन मोबाईल एण्ड इलेक्ट्रिक एवं नेमा मिष्ठान भंडार से एक्सपायरी डेट के 21 किलो नमकीन, 57 किलो मीठा एवं 15 किलो खोबा, एसेंस एवं कलर की 5 बोतल जब्त कर विनिष्टीकरण की कार्यवाही की गई। साथ ही खोवा, रसगुल्ला, नमकीन, बर्फी, कलाकंद, पेड़ा, खोवा से बनी कलर वाली मिठाई, बर्फी एवं पेड़ा आदि के नमूने लेकर जांच हेतु भेजे गये। जिन दुकानों के लाइसेंस नहीं पाये गये उन दुकानदारों पर 20 हजार रुपये का जुर्माने लगाया गया।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि गरुड़ दल की इस कार्यवाही में गंदगी फैलाने, सड़क पर दुकान लगाने, नो पार्किंग में वाहन एवं दुकान लगाने वाले दुकानदारों को चेतावनी देते हुये समझाइश दी गई कि निर्धारित स्थल पर ही दुकान लगाएं एवं पार्किंग में ही वाहन खड़े करें। डस्टबीन का उपयोग करें कचरा फेंकने वाले एवं जिस दुकान तथा व्यवसायिक प्रतिष्ठान के सामने कचरा फैला हुआ पाया जायेगा उन पर चालानी कार्यवाही की जायेगी। इस दौरान पथ विक्रेताओं, चाय, नास्ता, चाट-फुल्की तथा फल एवं सब्जी विक्रेताओं पर पॉलीथीन तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने के कारण 7 हजार 200 रुपये जुर्माना लगाया गया। कार्यवाही में तहसीलदार सच्चिदानन्द त्रिपाठी, खाद्य अधिकारी अमित गुप्ता एवं विनोद धुर्वे, नायब तहसीलदार जय सिंह धुर्वे, सहायक राजस्व निरीक्षक दीपक बबेले तथा नगर परिषद पाटन के अधिकारी कर्मचारी भी शामिल थे।

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक

प्रतिबंधित कोल्ड सीरप का उपयोग या बिक्री न हो : कलेक्टर राघवेंद्र सिंह

हरिभूमि जबलपुर।

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड सहित सभी राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में उपार्जन, सिकमी प्रकरणों, तहसील स्तरीय आदेश अनुपालन रिपोर्ट और फार्मर रजिस्ट्री रजिस्ट्रेशन की प्रगति की समीक्षा की गई। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा बताया गया कि वर्तमान में तहसीलों से 1 लाख 65 हजार 270 प्रविष्टियाँ उपलब्ध हैं, जिसे जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अवैध कॉलोनियों की स्थिति पर भी चर्चा की गई। प्रत्येक तहसील से यह रिपोर्ट ली गई कि उनके क्षेत्र में कितनी अवैध कॉलोनियां पाई गई हैं और उन पर की गई कार्यवाही की स्थिति क्या है। उन्होंने जनसुनवाई और सीएम हेल्पलाइन से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की और अधिकारियों को लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि प्रत्येक स्तर पर समय-सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित की जाए ताकि नागरिकों को त्वरित राहत मिल सके।

इसके अलावा, कोल्ड सिरप से संबंधित जांच के लिए भी टीम गठित की गई है। यह टीमें घर-घर जाकर आशा कार्यकर्ताओं की मदद से यह सुनिश्चित करेगी कि कहीं भी प्रतिबंधित या संदिग्ध कोल्ड सिरप का उपयोग या बिक्री न हो। बैठक में यह भी समीक्षा की गई कि जिले में अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध चल रही विभागीय जांचों की वर्तमान स्थिति क्या है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि लंबित जांचों को प्राथमिकता से निपटाया जाए और पारदर्शिता के साथ कार्यवाही की जाए। उन्होंने विभिन्न विभागीय मुद्दों पर चर्चा करते हुए कहा कि सभी अधिकारी जिम्मेदारी और समयबद्धता के साथ कार्य करें। शासन की योजनाओं और निर्देशों का पालन सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने घर-घर दी दस्तक

कोलड्रिफ कफ सिरप की तलाश करने शनिवार को आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में घर-घर जाकर दस्तक दी। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास सौरभ सिंह ने बताया कि कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार घर-घर दस्तक देकर प्रतिबंधित कोलड्रिफ कफ सिरप की तलाश करने का जिले में यह अभियान को लगातार जारी रहेगा। इस दौरान अभिभावकों को कफ सिरप के इस्तेमाल के बारे में जागरुकता भी किया जायेगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी के मुताबिक अभियान में आज शनिवार को कहीं भी कोलड्रिफ कफ सिरप प्राप्त नहीं हुआ।

पुलिस की कार्रवाई : अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

खण्डहरनुमा मकान में मिला शराब का जखीरा

हरिभूमि, जबलपुर।

बेलखेड़ा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर खेरमाई मोहल्ला में एक खण्डहर मकान के पास 15 कार्टूनों में रखी 750 पाव देशी शराब जब्त की है। अज्ञात आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

बेलखेड़ा थाना प्रभारी लवकेश उपाध्याय ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर खेरमाई मोहल्ला में एक खंडहर मकान के पास सूनसान जगह पर दबिश दी, यहां 15 कार्टून रखे मिले। कार्टूनो को खोलकर चैक करने पर 15 कार्टून के अंदर कुल 750 पाव देशी शराब निकली। शराब की अनुमानित कीमत 75 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये आरोपी की पतासाजी की जा रही है।

सेवानिवृत्त कर्मी को दो समयमान वेतनमान का लाभः हाईकोर्ट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक जबलपुर को निर्देश दिए हैं कि सेवानिवृत्त कर्मी को नत्थूलाल वर्मा के प्रकरण में दिए दिशा-निर्देश के तहत समयमान वेतनमान का लाभ प्रदान करें। जस्टिस एमएस भट्टी की सिंगल बेंच ने इसके लिए 60 दिन की मोहलत दी है। कटनी निवासी शिव नाथ तिवारी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि याचिकाकर्ता वन विभाग से लेखा अधीक्षक के पद से सेवानिवृत्त हुए। पहले विभाग ने उन्हें समयमान वेतनमान का पात्र मानते हुए उसका लाभ दिया। सेवानिवृत्त होने के बाद यह दलील दी कि याचिकाकर्ता उक्त लाभ का पात्र नहीं था। अतिरिक्त भुगतान बताते हुए रिकवरी भी निकाल दी।

लाखों का हिसाब किताब और 13 हजार नगद बरामद

दरवाजा तोड़कर सट्टे के अड्डे में घुसी पुलिस

हरिभूमि, जबलपुर।

गोरखपुर पुलिस ने कुख्यात सटोरिए कैलाश कुम्हार के तीन मंजिला मकान में शुक्रवार की देर रात छापा मारा, यहां सटोरिए ने दरवाजा बंद कर रखा था। काफी देर तक इंतजार करने के बाद तक दरवाजा नहीं खुला तो दरवाजा तोड़कर पुलिस अंदर घुसी यहां सट्टा पट्टी लिखने के लिए एक गुप्त कमरा बनाकर रखा गया था, जहां से तीन सटोरिए गिरफ्तार किए गए। उनके पास से लाखों के लेनदेन का हिसाब किताब मिला, वहीं नगद मात्र 13 हजार रुपए और टेबल, कुर्सी व केलकुलेटर जब्त किए गए है। नगर पुलिस अधीक्षक गोरखपुर एमडी नागोतिया ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर कुम्हार मोहल्ला में अपने घर के प्रथम तल में सट्टा पट्टी लिखवा रहे कुम्हार मोहल्ला निवासी कैलाश कुम्हार और उसके साथी सोनू चौहान, नारायण प्रसाद चौबे, लखन ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया है। तलाशी लेने पर सोनू चौहान के कब्जे से 8 हजार 500 रूपये, सट्टा पट्टी , पेन, केलकुलेटर, नारायण प्रसाद चौबे के कब्जे से 1 हजार 500 रूपये, सट्टा पट्टी एवं लक्ष्मण ठाकुर के कब्जे से 3 हजार 300 रूपये नगदी, सट्टा पट्टी जब्त की हैं। आरोपी कैलाश कुम्हार से पूछताछ करने पर बताया कि पूर्व में वह शराब का धंधा करता था जिसे बंद करके सट्टा का काम अपने मकान के प्रथम तल में करवाने की बात स्वीकार की। आरोपियों के कब्जेसे सट्टा पट्टी एवं सट्टा की लगवाड़ी रकम 13 हजार रूपये, पेन, केलकुलेटर, टेबल कुर्सी जप्त करते हुये आरोपियों के विरूद्ध धारा 4(क) सट्टा एवं 112(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

ट्रांसको के सबस्टेशन ढीमरखेड़ा में 12 घंटे रही बिजली गोल

हादसा : हाईवा की टक्कर से ट्रांसमिशन लाइन क्षतिग्रस्त

हरिभूमि, जबलपुर।

शनिवार तड़के लगभग 3 बजे 220 केवी सबस्टेशन पनागर से जुड़ी 132 केवी पनागर–ढीमरखेड़ा ट्रांसमिशन लाइन पर पनागर तहसील के सिंगोद गांव के पास भारतमाला सड़क निर्माण कार्य में लगे एक हाईवा ने मुरम खाली करते समय लापरवाही से टक्कर मार दी। हादसे में लाइन का एक कंडक्टर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के 132 केवी सबस्टेशन ढीमरखेड़ा की विद्युत आपूर्ति लगभग 12 घंटे तक बाधित रही।

घटना में हाईवा वाहन भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि चालक और परिचालक बाल-बाल बच गए। मामले की प्राथमिक सूचना दर्ज कराने के लिए एमपी ट्रांसको द्वारा पनागर थाने में आवेदन दिया गया है। एमपी ट्रांसको के सहायक अभियंता पंकज यादव ने बताया कि हाईवा की टक्कर से ट्रांसमिशन लाइन के एक फेज का कंडक्टर टूट गया था। इससे ढीमरखेड़ा सबस्टेशन को पनागर से मिलने वाली बिजली आपूर्ति तत्काल बंद हो गई।

लाइनों की क्रॉसिंग बनी चुनौती

कंडक्टर टूटने के बाद उसकी मरम्मत के लिए कुछ स्पान के कंडक्टर उतारना आवश्यक था, लेकिन इस ट्रांसमिशन लाइन के नीचे से 33 केवी की दो और 11 केवी की पाँच वितरण लाइनें गुजर रही थीं। इन पर शटडाउन मिलने के बाद ही मरम्मत कार्य आगे बढ़ाया जा सका।

3 जिलों की टीमों ने किया सुधार

टक्कर से कंडक्टर व टावर को गंभीर क्षति पहुँची थी। सुधार कार्य में एमपी ट्रांसको की कटनी, दमोह और जबलपुर की ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस टीमें लगाई गईं। लगातार प्रयासों के बाद लगभग 12 घंटे की कड़ी मशक्कत के पश्चात ढीमरखेड़ा सबस्टेशन की आपूर्ति पुनः सामान्य की जा सकी।

जल्द ढलने लगी शाम, देर रात पड़ने लगी ठंड, शनैःशनैः शुष्क हो रहा मौसम, ले रहा करवट

जबलपुर। पिछले एक हफ्ते से मौसम शुष्क हो चला है। इस दौरान तेज धूप के कारण दिन में गर्मी पड रही है उमस भरी गर्मी से बेचैनी का माहौल बना है। जबकि रात के दूसरे पहर हल्की गुलाबी ठंडक महसूस होने लगती है। मौसम अब शुष्क हो गया। शनैः-शनैः रातें ठंडी होंगी दिन अभी गर्म रहेगा। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार आंध्रप्रदेश में बने चक्रवात के प्रभाव से बने बादल छंट गये। मौसम शुष्क हो गया, बारिश की संभावना अब लगभग समाप्त हो गई। सूर्योदय के पूर्व भी ठंड रहने लगी है और शाम जल्दी ढलने लगी। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 29.5 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री कम न्यूनतम तापमान 21.2 सामान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमीं प्रातःकाल 80 प्रतिशत और सायंकाल 56 प्रतिशत आंकी गई।सूर्योदय सुबह 6 बजकर 6 मिनिट पर और सूर्यास्त सायं 5 बजकर 47 मिनिट पर हुआ। उत्तरी हवाएं 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। अगले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

अभिनंदन होटल फायरिंग कांड में बड़ा खुलासा

शिर्डी से पकड़ा गया शूटर 'गोलू कबाड़ी' निकला मोहरा

हरिभूमि, जबलपुर।

बस स्टैंड स्थित अभिनंदन होटल में हुई फायरिंग मामले में पुलिस जांच अब नए और चौंकाने वाले मोड़ पर पहुंच गई है। क्राइम ब्रांच और मदनमहल की संयुक्त कार्रवाई में महाराष्ट्र के शिर्डी से पकड़ा गया शूटर गोलू उर्फ महेश विश्वकर्मा उर्फ कबाड़ी दरअसल सिर्फ मोहरा था जबकि साजिश के सूत्रधार बने सोशल मीडिया के सक्रिय तीन युवक पंकज, लखन और करिया। इन तीनों ने ही गोलू को होटल संचालक के खिलाफ भड़काया था। पुलिस अब इस सोशल मीडिया सर्कल और होटल की दबंगई की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है।

- सोशल मीडिया के 'तीन सूत्रधार' पंकज, लखन और करिया ने रची थी साज़िश
- होटल की दबंगई और सोशल नेटवर्किंग गैंग के गठजोड़ का पर्दाफाश

फायरिंग में पुराना विवाद-और सोशल मीडिया

पुलिस सूत्रों के अनुसार दशहरे के दिन होटल के नौकर से हुए विवाद के बाद संचालक अश्वनी पारिया खुद निशाना बना था, बल्कि गोलू कबाड़ी जैसे असामाजिक तत्वों को अपमान का बदला लेने के लिए उकसाया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि फायरिंग से कुछ घंटे पहले ही इन तीनों में से एक ने गोलू से मोबाइल पर बात की थी। नागरिकों ने पुलिस में शिकायतें की थीं, लेकिन कार्रवाई के अभाव में मनमानी जारी रही।

शिर्डी से दबोचा पिस्टल और मोबाइल घर से जब्त

मदनमहल और क्राइम ब्रांच की टीम ने शिर्डी (महाराष्ट्र) में दबिश देकर गोलू उर्फ महेश विश्वकर्मा और उसके साथी अनुप केवट को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त पिस्टल और मोबाइल बरामद किए गए। पूछताछ में गोलू ने कबूल किया कि उसने सोशल मीडिया पर मिले "इशारों और दबाव" में आकर फायरिंग की थी। दोनों आरोपियों को 12 अक्टूबर 2025 को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

गोलू आदतन अपराधी

गोलू कबाड़ी के खिलाफ पहले से 9 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं जिनमें हत्या के प्रयास, बलवा, मारपीट, जुआ और आबकारी एक्ट शामिल हैं। पुलिस ने अब यह भी जांच शुरू की है कि क्या होटल प्रबंधन और सोशल मीडिया गैंग के बीच कोई पुराना लेनदेन या आपसी सौदा तो नहीं था।

पुलिस की सक्रियता से खुला गठजोड़

इनकी भूमिका सराहनीय रही । गिरफ्तारी में थाना प्रभारी संगीता सिंह, चौकी प्रभारी जगन्नाथ यादव, प्रधान आरक्षक दीपक बकोडे, आरक्षक दीपक, प्रियांश झारिया, तथा क्राइम ब्रांच प्रभारी शैलेष मिश्रा के निर्देशन में संतोष पांडे, अरविंद श्रीवास्तव, जयप्रकाश तिवारी, आशुतोष बघेल की भूमिका अहम रही

दिन दहाड़े डॉक्टर के घर से नगदी व जेवर ले गए चोर

वारदात : सूने मकान और संजीवनी क्लीनिक में चोरी

हरिभूमि, जबलपुर।

विजयनगर और रांझी थाना क्षेत्र में चोरी की दो वारदातें सामने आई हैं। विजयनगर में एक डॉक्टर के सूने घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर सोने चांदी के जेवर, नगद व मोबाइल चोरी कर ले गए। वहीं रांझी में मुंडी टोरिया चौक मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक अस्पताल की बाउंड्रीवॉल कूदकर अज्ञात चोर अस्पताल की खिड़की एवं दरवाजे तथा पानी की टंकी चोरी कर ले गए।

विजयनगर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार योजना क्रमांक 5 विजयनगर निवासी 71 वर्षीय डॉक्टर प्रताप चंद आनंद गत दोपहर लगभग 1.45 बजे अपनी पत्नी रेखा आनंद को मायके जाने के लिए रानीताल में आटो में बैठालकर वहां से अपने क्लीनिक के लिए रवाना हो गए। इस बीच दिन दहाड़े उनके मकान का ताला टूट गया और चोरी हो गई। शाम लगभग 4.30 बजे जब डॉक्टर आनंद अपने घर पहुंचे तो उन्हें दरवाजे का ताला एवं कुंदा टूटा मिला। अंदर रखी तीनों, चारों आलमारियों के दरवाजे खुले थे। आलमारी में रखी सोने की अंगूठी, नगदी 2 हजार रूपये, सेमसंग कम्पनी का मोबाइल एवं 1 पुराना मोबाइल अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331(3), 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

इसी तरह रांझी में टोरिया झंडा चौक के पास मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक अस्पताल रांझी में चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदस्थ महाराजपुर हाउसिंग बोर्ड कालोनी अधारताल निवासी 40 वर्षीय डॉक्टर संदीप शुक्ला गत शाम लगभग 5 बजे अस्पताल बंद करके चले गए थे। दूसरे दिन सुबह 10 बजे अस्पताल आए तो देखा कि एक खिड़की के दोनों लोहे के पल्ले चोरी हो गये, इसके पहले 2 अक्टूबर को भी एक खिड़की के दोनों लोहे के पल्ले चोरी हो गये थे।

शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन कर्मयोगी बनकर करें : कलेक्टर

जबलपुर

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने कुंडम विकासखंड के प्रवास के दौरान ग्राम पड़रिया में आदि कर्मयोगी अभियान को लेकर बैठक की। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक संतोष बरकड़े, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक गहलोत, एसडीएम सुप्रगति गनवीर, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सीके दुबे सहित सभी संबंधित अधिकारी व ग्रामीण जन मौजूद थे। कलेक्टर सिंह ने अभियान अंतर्गत ग्राम विकास की योजनाओं के संबंध में चर्चा कर जनजाति विकास और परिवर्तन के लिए व्यक्तियों और संस्थाओं को सशक्त करने और जनजातीय समुदाय को अंतिम छोर तक सेवा प्रदान कर विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनने के तरीकों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि ग्राम के विकास के लिए सभी की सकारात्मक और सामूहिक जिम्मेदारी है, अतः ग्राम विकास के लिए सुरक्षित और पवित्र वातावरण के निर्माण के लिए आपसी परिचय व मूल्यों की साझेदारी आवश्यक है। इस दौरान उन्होंने ग्राम विकास के लिए ग्रामीणों से उनकी समस्याएं तथा विकास योजनाओं के संबंध में जानकारी लेकर कहा कि गांव के युवाओं को आदि मित्र बनायें। आदि मित्र शासन की जितनी भी योजनाएं संचालित हो रही है उनके लाभ सभी पात्र व्यक्तियों को दिलवाना सुनिश्चित करें। इस दौरान ग्रामीणों ने ग्राम विकास की बहुत सी योजनाओं के बारे में जानकारी दी और उसे पूरा करने की मांग भी की। कलेक्टर ने जिला स्तर पर जितना संभव हो सकता है उसे करने के लिए कहा। ग्रामीणों ने ज्यादातर

रोड़, नाली, सड़क, स्वास्थ सुविधाएं, गौशाला की आवश्यकता, छात्रावासों की सीट बढ़ाने, एमडीएम समय पर सुनिश्चित करने, पीएम किसान, आयुष्मान आदि से संबंधति विषयों पर चर्चा की। कलेक्टर सिंह ने कहा कि इन योजनाओं के अतिरिक्त पात्र व्यक्तियों को समय पर राशन सुनिश्चित हो जाये, स्वास्थ सुविधाएं मिले, पात्र व्यक्तियों के जाति प्रमाण पत्र बन जाये। साथ ही कहा कि शासन की जितनी भी योजनाएं है उनका लाभ आम जन को मिलना सुनिश्चित हो जाये।

कन्या व बालक छात्रावास का निरीक्षण

विधायक संतोष बरकड़े के साथ कलेक्टर सिंह और सीईओ जिला पंचायत गहलोत ने संबंधित अधिकारियों के साथ पडरिया स्थित कन्या और बालक छात्रावास का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास में सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के साथ बच्चों की उपस्थिति भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

क्षेत्रीय विधायक बरकड़े ने कन्या छात्रावास में सीट बढ़ाने के लिए कहा। कलेक्टर सक्सेना ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस दिशा में आवश्यक कार्यवाही करें। वहीं छात्रावास से जुड़े अन्य समस्याओं के समाधान के निर्देश भी उन्होंने दिया। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने विधायक संतोष बरकड़े और सीईओ जिला पंचायत अभिषेक गहलोत के साथ कुंडम विकासखंड के भ्रमण के दौरान तिलसानी में परमाकल्चर और फूड फॉरेस्ट की तकनीक से किया गया पौधारोपण का अवलोकन किया।

विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने तहसील कार्यालय कुंडम में बैठक कर विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत, एसडीएम सुप्रगति गनवीर सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में तहसील व अनुभाग स्तर पर लंबित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करने के साथ फार्मर रजिस्ट्री में प्रगति, जाति प्रमाण पत्र आदि विषयों के साथ राजस्व संबंधी प्रकरणों के निराकरण के संबंध में चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में उन्होंने खाद्यान्न के उठाव व वितरण की समीक्षा करते हुए कहा कि दीपावली के पहले सभी पात्र व्यक्तियों को खाद्यान्न सुनिश्चित हो जाये।

स्कूल व आंगनवाड़ी केन्द्र का किया निरीक्षण

कलेक्टर सिंह, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत के साथ ग्राम पिपरिया में प्राथमिक शाला व आंगनवाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया तथा शिक्षक व बच्चों से शैक्षणिक गतिविधियों के साथ मध्यान्ह भोजन की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि स्कूल में विद्युत कनेक्शन सुनिश्चित करायें। साथ ही साफ-सफाई व पुताई कराने के निर्देश दिये। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ ने बच्चों को बिस्कुट के पैकेट प्रदाय किये। जिसे पाकर बच्चे प्रसन्नता से झूम उठे। आंगनवाड़ी केन्द्र के निरीक्षण के दौरान बच्चों की उपस्थिति व उनके पोषण आदि की भी जानकारी ली गई।

वनमाली सप्रे स्मृति महोत्सव में सुर-ताल की सजीव प्रस्तुति

सितार व तबला वादन से श्रोता हुए मंत्रमुग्ध

जबलपुर। शहीद स्मारक सभागृह में शनिवार शाम आयोजित वनमाली सप्रे स्मृति महोत्सव की संगीतमय संध्या में शास्त्रीय संगीत प्रेमियों ने सुर-ताल की अनुपम अनुभूति की। सभागृह खचाखच भरा रहा और श्रोताओं ने कलाकारों की प्रस्तुतियों पर खूब सराहना जताई।

कार्यक्रम की शुरुआत बेंगलुरु से पधारे 10 वर्षीय बाल कलाकार मास्टर प्रद्युम्न करपूर के तबला वादन से हुई। तालयोगी पं. सुरेश तलवलकर के शिष्य प्रद्युम्न ने झपताल में पेशकार, कायदा, तुकड़े, रेला, परण और चक्करदार तिहाइयों के माध्यम से अद्भुत प्रदर्शन किया। उनके साथ हार्मोनियम पर पुणे से पधारे आकार श्रुती ने सुगठित संगत की।

द्वितीय प्रस्तुति में कोलकाता के आईटीसी संगीत रिसर्च अकादमी से आए अयान सेनगुप्ता ने सितार वादन की प्रस्तुति दी। उन्होंने राग शुद्ध कल्याण में आलाप, जोड़ और झाला के बाद तीनताल में दो बंदिशें प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम का समापन उन्होंने राग हेमंत और एक सुंदर धुन से किया। तबले पर अजिंक्य जोशी ने प्रभावशाली संगत दी।

मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जगदीश चंद्र गौर एवं सुरेश अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापक प्रकाश शिंदे ने किया। आयोजन में श्रीमती माधुरी कानिटकर, संजय सोनी, आदित्य सप्रे और आलोक सप्रे का सहयोग सराहनीय रहा। अंत में प्राध्यापक अखिलेश सप्रे ने सभी का आभार व्यक्त किया।

एपीएन सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित

जबलपुर। वर्तमान युग विज्ञान का युग है, विज्ञान ने हमारे जीवन को इतना सहज और सरल बना दिया है, कि जो कार्य कभी अंसभव से लगते थे, वह आज बहुत ही आसानी से और शीघ्र हो जाते है । विज्ञान हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है, इसके अभाव में हम जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। उक्त आशय के उद्गार ए.पी.एन. सी.बी.एस.ई. सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल के अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव ने विज्ञान प्रदर्शनी का उदघाटन करते हुए व्यक्त किये।

प्रदर्शनी का प्रारंभ माँ सरस्वती के पूजन अर्चन के साथ हुआ तत्पश्चात अध्यक्ष महोदय एवं अभिभावकों द्वारा प्रत्येक मॉडल का निरीक्षण किया गया। अध्यक्ष जी एवं अभिभावकों द्वारा पूछे गये सवालो का जबाव विद्यार्थियों ने विस्तार पूर्वक दिया। उपस्थित अभिभावकों ने विद्यार्थियों के बनाऐ हुए मॉडल्स की प्रशंसा की और इसका श्रेय मॉडल्स बनवाने में मदद करने वाले शिक्षक/ शिक्षिकाओं को दिया और कहा कि उनकी मेहनत का फल है, कि उनके द्वारा विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन दिया गया जिससे उत्कृष्ट मॉडल्स तैयार हुये। प्रदर्शनी में कुल 30 मॉडल्स बनाऐ गऐ थे जिसमें इलेक्ट्रोमेगनेटिक इण्डक्शन, स्मार्ट सस्टेनेबल, ड्रिप इरीग्रेशन, वंताम जू, जिगजेग गेम और चन्द्रयान का वर्किंग मॉडल, इन्डस वेली सिविलाइजेशन प्रमुख थे।

विज्ञान प्रदर्शनी में शाला प्राचार्या स्नेह चर्तुवेदी, प्रायमरी प्रभारी आशिमा लाल सहित अनीता तिवारी, आकृति युनुस, आरती मिश्रा, शायदा परवीन, अभिनव लोधी, अभिलाष खुरासिया, प्रियंका श्रीवास्तव, शरद सिंह सहित सभी शिक्षक/शिक्षिकायें उपस्थित थे।

दुबई के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रखर ने किया प्रतिनिधित्व

सतत विकास के लक्ष्यों पर किया संवाद

जबलपुर। हरि सिंह रूपराह कला, वाणिज्य एवं विधि महाविद्यालय, जबलपुर के अंतिम वर्ष के बीएएलएलबी (ऑनर्स) के विद्यार्थी अधारताल निवासी 'प्रखर गुप्ता' ने हाल ही में दुबई में जबलपुर का परचम लहराया है। 'यूथ डायलॉग फोरम ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स' में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया। उल्लेखनीय है कि यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "राइजअप ऑल" संस्था द्वारा गत दिवस दुबई के रामाडा होटल में आयोजित किया गया। इसमें दुनिया के विभिन्न देशों से युवाओं ने भाग लिया। प्रखर ने अपनी सफलता का श्रेय गुरुजनों और अभिभावकों को दिया है।

स्टूडेंट फंड से पूरा हुआ सपना

प्रखर की ये उपलब्धि इसलिए और भी विशेष है क्योंकि उनका पूरा विदेश दौरा कॉलेज के "स्टूडेंट डेवलपमेंट फंड" के तहत पूर्ण रूप से प्रायोजित रहा। चयन प्रक्रिया बेहद प्रतिस्पर्धात्मक रही, इसमें छात्रों का चयन उनके शैक्षणिक प्रदर्शन, उपस्थिति और पासपोर्ट उपलब्धता के आधार पर किया गया।

शिक्षकों का सहयोग

प्रखर ने बताया कि शिक्षकों के सहयोग से ही यह सफलता उन्हें मिली है। उन्होंने कॉलेज प्रबंधन के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने श्रीमती अमृत कौर रूपराह (अध्यक्ष), नरिंदरपाल सिंह रूपराह (चेयरमैन), कु. हरसिमरन कौर रूपराह (उपाध्यक्ष) तथा नवतेज सिंह रूपराह (निदेशक – प्रशासन) के प्रति आभार व्यक्त किया। धन साथ ही उन्होंने श्रीमती निधि कौर पदम रूपराह (निदेशक – शिक्षा एवं अकादमिक) के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मोटिवेशन से ही छात्रों को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुँचाने की यह पहल शुरू हुई। अभिभावक प्रदीप कुमार गुप्ता और श्रीमती राधा गुप्ता ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया।

वैश्विक मुद्दों पर रखे विचार

सम्मेलन में प्रखर ने विभिन्न देशों के युवा प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया। वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों की गहराई से समझ हासिल की। उन्होंने कहा कि इस अनुभव ने न केवल उनके शोध और संवाद कौशल को निखारा, बल्कि उन्हें यह भी सिखाया कि "विकास तभी टिकाऊ है जब वह सबके लिए हो।"

पमरे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की आठवीं राज्य रैली का शुभारम्भ

जबलपुर । पश्चिम मध्य रेल भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य मुख्यालय द्वारा रेलवे स्टेडियम में आयोजित आठवीं राज्य रैली का उद्घाटन कमल कुमार तलरेजा, मंडल रेल प्रबंधक के द्वारा किया गया। 11 से 15 अक्टूबर तक आयोजित हो रहे 5 दिवसीय राज्य रैली में पश्चिम मध्य रेल के तीनो मंडलों जबलपुर, भोपाल, कोटा एवं मुख्यालय से लगभग 350 स्काउट-गाइड, रोवर-रेंजर एवं यूनिट लीडर भाग ले रहे है। उद्घाटन समारोह में तीनो मंडलों के द्वारा मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक को मार्चपास्ट से सलामी दी गई इसके पूर्व भारत स्काउट-गाइड ध्वज का ध्वजारोहण किया गया। इसके बाद तीनो मंडलों के स्काउट-गाइड के द्वारा रंगारंग प्रस्तुति दी गई जिसमे भोपाल मंडल के द्वारा बुन्देलखंडी, जबलपुर मंडल के द्वारा घूमर तथा कोटा मंडल द्वारा हरियावाणी लोक नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त संध्या काल में भक्तिगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें तीनो मंडलों द्वारा बढ़चढ़ के भाग लिया तथा इस प्रतियोगिता के दौरान इस अवसर पर राज्य सचिव सौरव कुमार, सहायक राज्य सचिव जी.के.नंदनवार, राज्य संगठन आयुक्त/ स्काउट रंजन कुमार सिंह, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त अमीनुद्दीन अंसारी एवं अन्य पदाधिकरिगण उपस्थित रहे।

पत्नी के गम में चल रहा था परेशान, हार्ट अटैक से निधन

डिप्रेशन और बीमारी ने ली सब इंस्पेक्टर की जान

हरिभूमि, जबलपुर। पुलिस विभाग ने एक जांबाज़, संवेदनशील और कर्तव्यनिष्ठ अफसर खो दिया। संजीवनी नगर थाने में पदस्थ 31 वर्षीय सब इंस्पेक्टर प्रभात मुड़िया का शनिवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। बताया जाता है कि दो वर्ष पूर्व पत्नी के असमय निधन के बाद से ही वे गहरे डिप्रेशन में थे। हाल ही में उन्हें पीलिया की शिकायत भी हो गई थी, और बीते एक सप्ताह से वे थाने नहीं आ रहे थे।

घर पर उठा दर्द, अस्पताल में मौत

शनिवार सुबह जब प्रभात मुड़िया गोटेगांव स्थित अपने घर पर थे, तभी अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और सीने में तेज दर्द की शिकायत हुई। परिजनों ने तत्काल उन्हें निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

विभाग में शोक की लहर

उनके निधन की खबर फैलते ही पुलिस विभाग में गहरा सन्नाटा छा गया। संजीवनी नगर थाने के कर्मचारियों की आंखें नम हो गईं। सभी ने प्रभात को एक मिलनसार, मददगार और ईमानदार अधिकारी बताया।

अनदेखी करना पड़ी भारी

उनकी असमय मौत ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया है कि तनाव और मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी किस तरह एक युवा और होनहार अफसर की जिंदगी छीन सकती है। विभाग के लिए यह न सिर्फ भावनात्मक, बल्कि मानवीय संवेदना से जुड़ी अपूर्णीय क्षति है।

गरीबों की थाली में भी परोसे जा रहे हैं स्वादिष्ट भोजन

जबलपुर। नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने दीन दयाल अंत्योदय योजना के तहत संचालित रसोई घरों का निरीक्षण किया और संतोष जनक व्यवस्थाएं पाईं. उन्होंने इस व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के निर्देश दिये. निगमायुक्त ने सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते समय सफाई सैनिकों से भी चर्चा की और उनके काम के प्रति हौसला आफजाई कर उपस्थिति की जानकारी ली तथा बेहतर ढंग से कार्य करने की प्रेरणा भी दी। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निगमायुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी अधिकारी अपने-अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें, अपने कार्यालयों की साफ-सफाई उत्तम रखें। इस अवसर पर अपर आयुक्त अरविन्द शाह, व्ही.एन. बाजपेयी, प्रशांत गोटिया, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी सुश्री अंकिता बर्मन, सहायक यंत्री और स्वच्छता सेल के सहायक नोडल अधिकारी अभिनव मिश्रा, उद्यान अधिकारी आलोक शुक्ला, संभागीय अधिकारी के.के. रावत, दिनेश प्रताप सिंह एवं मुख्य स्वच्छता निरीक्षक आदि उपस्थित रहे।

15 तलवारबाज राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

तलवारबाजी टीम का उत्कृष्ट प्रदर्शन

जबलपुर। राज्य स्तरीय शालेय तलवारबाजी प्रतियोगिता जो भोपाल में 4 से 8 अक्टूबर 2025 को आयोजित हुई थी। जबलपुर के बालक बालिकाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया तथा पदक अर्जित किये 15 बालक बालिकाओं ने राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता हेतु अपना स्थान सुनिश्चित किया अंडर-14 में व्यास सिंह चंदेल (कांस्य पदक), सिमर बुधरानी (रजत पदक) अंडर-17 में नमम साहू (स्वर्ण पदक), यथार्थ दुबे (रजत पदक) हर्षिता सिंह (रजत पदक), हंशिका पटेल (कांस्य पदक), नैन्सी चौधरी (कांस्य पदक), रिया चौहान (कांस्य पदक), अंडर-19 में आयुष लोधी (रजत एवं कांस्य पदक), देवांश लोधी (कांस्य पदक), प्रतीक उपाध्याय (कांस्य पदक), कामना लोधी (कांस्य पदक), दीपाली पटेल (कांस्य पदक), रिद्धि जैन (कांस्य पदक) अर्जित किये टीम प्रतियोगिता में 4 स्वर्ण पदक, 36 रजत पदक, 48 कांस्य पदक जीतकर जबलपुर संभाग का द्वितीय स्थान स्थान रहा। प्रतियोगिता में टीम कोच के रूप में आकाश पटेल एवं अमन लोधी टीम मैनेजर के रूप मैं ऋषिका साहू नेहा ठाकुर उपस्थित रहें। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर अमित जैन अध्यक्ष जबलपुर फेंसिंग एसोसिएशन , डी.के. विद्यार्थी, मोहन बड़कुल, राजकिशोर श्रीवास्तव, संतोष पटेल ने खिलाड़ियों एवं कोच को शुभकामनाएं दी।

मिठाई प्रतिष्ठानों का किया औचक निरीक्षण जांच करने ले गए मावा के सैंपल

संयुक्त टीम ने की कार्रवाई

सिहोरा। कलेक्टर के आदेश एवं एसडीएम सिहोरा के निर्देशन में शनिवार को सिहोरा नगर में संचालित विभिन्न मिठाई प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। कार्यपालिक मजिस्ट्रेट राजेश मिश्रा के नेतृत्व में गठित दल में खाद्य एवं औषधि विभाग की निरीक्षक श्रीमती माधुरी मिश्रा,प्रदूषण नियंत्रण विभाग से संजय वर्मा,राजस्व विभाग एवं पुलिस टीम शामिल रही।

संयुक्त दल ने कामधेनु स्वीट्स,सेवा स्वीट्स,विजय स्वीट्स और अंबे बीकानेर स्वीट्स सहित कई प्रतिष्ठानों और कारखानों की जांच की। निरीक्षण के दौरान मावा एवं मावा से निर्मित मिष्ठानों के सैंपल लिए गए जिन्हें परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजा गया है। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता,खाद्य सामग्री की गुणवत्ता,निर्माण स्थल की सफाई व्यवस्था और कर्मचारियों के स्वच्छ परिधान की भी जांच की गई। प्रशासनिक टीम ने दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि त्यौहारी सीजन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या मिलावट पाई जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी जिसमें लाइसेंस निरस्तीकरण एवं जुर्माने की कार्यवाही भी शामिल हो सकती है।

जीआईएफ कार्य समिति में लाल झंडे का कब्जा

जबलपुर। आयुध निर्माणी जबलपुर जीआईएफ में मजदूर यूनियन कार्यसमिति के चुनाव में लाल झंडा यूनियन में 9 की 9 सीटें जीत लीं, वहीं केंटीन प्रबंधन समिति में दो सीटें जीतकर सभी सीटों पर कब्जा जमा लिया। एआईडीईएफ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री अर्नब दासगुप्ता ने कहा यह जीत कर्मचारियों की जीत है। इस जीत ने एक बार फिर यह साबित कर दिया की लाल झंडे पर कर्मचारियों का विश्वास कायम है.

फैडरेशन के अध्यक्ष एस एन पाठक और राष्ट्रीय महासचिव कॉम सी श्रीकुमार द्वारा कर्मचारियों के हित में लगातार की जा रही मेहनत के परिणाम स्वरूप जबलपुर स्थित सभी निर्माणीयो एवं 506 आर्मी वेश वर्कशॉप ओर सी ओ डी के साथ साथ पूरे देश में अधिकांश स्थानों पर लाल झंडे की सत्ता है, जी आई एफ मजदूर यूनियन के अध्यक्ष एवं महामंत्री राजेश पटेल एवं मनोज साहू ने आभार व्यक्त किया है. सर्वाधिक मत पाने वाले प्रत्याशी राकेश दुबे ने कर्मचारियों के अथक सहयोग और समर्थन पर कहा की सभी प्रत्याशी अपने साथियों के ऋणी रहेंगे।

यूनियन की इस जीत पर फैडरेशन के अध्यक्ष कामरेड एस एन पाठक महामंत्री कामरेड सी श्रीकुमार वरिष्ठ नेता अनिल शर्मा ने सभी को बधाई प्रेषित किया है।

इस अवसर पर आयुध निर्माणी खमरिया से पुष्पेंद सिंह, सुकेश दुबे, सुरेश कन्ना, शिवेंद्र रजक, हरीश चौबे निर्भय पटेल , संजीव कुमार, आशीष श्रीवास्तव व्हीएफजे से अमरीश सिंह, नितेश कुमार जी सी एफ से रोहित यादव, उत्तम विश्वास, सीओडी से पीके तिवारी, नरेंद्र विश्वकर्मा, 506 से विकास यादव, संतोष यादव ने सभी कर्मचारियों का लाल झंडे पर विश्वास जताने के लिए आभार व्यक्त किया है।

श्रीमती कमला गुप्ता- ब्रह्मपुत्र क्वाटर्स पुलिस लाइन निवासी श्री कैलाश चंद्र गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती कमला गुप्ता (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रोचामल होतवानी- दशमेश द्वार मदनमहल स्थित गुरूद्वारा के पीछे निवासी श्री रोचामल होतवानी (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री कैलाश प्रसाद तिवारी- श्रद्धा कॉलोनी संजीवनी नगर निवासी श्री कैलाश प्रसाद तिवारी (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रामदास अहिरवार- हनुमान टोरिया कांचघर निवासी श्री रामदास अहिरवार (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री प्रेम पुष्प श्रीवास्तव- राजुल गार्डन सिटी सालीवाड़ा गौर निवासी श्री प्रेम पुष्प श्रीवास्तव (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती नर्बदा बाई साहू- कृपाल चौक गुप्तेश्वर निवासी श्री मुक्कू साहू की धर्मपत्नी श्रीमती नर्बदा बाई साहू (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री अनूप कुमार उपाध्याय- गली नं. 2 बाई का बगीचा घमापुर निवासी श्री अनूप कुमार उपाध्याय (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री हीरानंद रामानी- चांदमारी रोड लालमाटी निवासी श्री हीरानंद रामानी (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नवीन राव- पचास क्वाटर्स शक्तिनगर निवासी श्री नवीन राव (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री धर्मेंद्र तामिया- भानतलैया बकरा मंडी निवासी श्री गंगाराम तामिया के पुत्र श्री धर्मेंद्र तामिया (34) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री विकास नायर- छापर रामपुर निवासी श्री मनी नायर के पुत्र श्री विकास नायर (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती पार्वती रैकवार- गोरखपुर पटेल मोहल्ला निवासी श्री राम चरण रैकवार की धर्मपत्नी श्रीमती पार्वती रैकवार (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती कमलेश- सुभाष नगर महाराजपुर निवासी श्री केवल कृष्ण की धर्मपत्नी श्रीमती कमलेश (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुनील श्रीवास- ब्यौहारबाग निवासी श्री सुनील श्रीवास (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गोमती पसेरिया- बिलहरी मंडला रोड निवासी श्री मिहीलाल पसेरिया की धर्मपत्नी श्रीमती गोमती पसेरिया (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री घनश्याम रजक- गलगला मुमताज बिल्डिंग के पास निवासी श्री घनश्याम रजक (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मुकेश गोंटिया- शिवाजी नगर शंकरशाह वार्ड रामपुर निवासी श्री कल्लू गोंटिया के पुत्र श्री मुकेश गोंटिया (28) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उर्मिला बेन सूर्यवंशी- पद्म सेठ कम्पाउंड सदर निवासी श्री मदन लाल सूर्यवंशी की धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला बेन सूर्यवंशी (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती राम बाई महोबिया- मस्ताना चौक रांझी निवासी श्री रामफल महोबिया की धर्मपत्नी श्रीमती राम बाई महोबिया (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रम्मो बाई कनौजिया- शिवनगर रीवा कॉलोनी रामपुर निवासी श्री राम विश्वास कनौजिया की धर्मपत्नी श्रीमती रम्मो बाई कनौजिया (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि
संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
रंगीन
रंगीन
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग

पांच पुरुष समेत एक महिला नक्सली गिरफ्तार

जवानों को नुकसान पहुंचाने लगाए आईईडी को किया नष्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दंतेवाड़ा

जिले के बारसूर थाना क्षेत्र के मंगनार में नक्सलियों द्वारा जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए आईईडी लगाया गया था, लेकिन जवानों की सूझबूझ से आईईडी को नष्ट कर दिया गया। साथ ही पांच पुरुष समेत एक महिला नक्सली को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। मामले की जानकारी देते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरके बर्मन ने बताया कि 10 अक्टूबर को मंगनार रोड के पास कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को देखे जाने की सूचना मिली थी। मुखबिर की सूचना पर थाना बारसूर, डीआरजी और सीआरपीएफ का संयुक्त बल मौके पर पहुंचा। जवानों को देखते ही छह संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर छिपने की कोशिश करने लगे। उन्हें घेराबंदी कर हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम बताए और नक्सली गतिविधियों में शामिल होने की बात स्वीकार की।

10 अक्टूबर को मंगनार रोड के पास कुछ संदिग्धों के होने की सूचना मिली थी

ये नक्सली सामग्री हुई बरामद

गिरफ्तार नक्सलियों के पास से पांच किलोग्राम का प्रेशर आईईडी (जिंदा), फावड़ा, सबल व अन्य नक्सली सामग्री बरामद हुआ है। आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने मंगनार रोड पर पुलिस पार्टी को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से आईईडी लगाया था। बरामद आईईडी को सुरक्षा बलों द्वारा मौके पर नष्ट किया गया।

इन नक्सलियों को पुलिस ने पकड़ा

- अनिल उर्फ कचनू सलाम (30 वर्ष) निवासी नेण्डू वाया, जिला कोंडागांव
- जमुना उर्फ जयमती मंडावी (26 वर्ष) निवासी पदनार, थाना बारसूर, जिला बीजापुर
- सन्नुराम कश्यप (20 वर्ष) निवासी कहचनार पटेलपारा, थाना मालेवाही, जिला बस्तर
- मनीष कश्यप (19 वर्ष) निवासी कहचनार नयापारा, थाना मालेवाही, जिला बस्तर
- हरिराम कश्यप (18 वर्ष) निवासी कहचनार कालेपारा, थाना मालेवाही, जिला बस्तर
- सुलाराम कश्यप (22 वर्ष) निवासी कहचनार पटेलपारा, थाना मालेवाही, जिला बस्तर

इन वारदातों में शामिल रहा नक्सली

गिरफ्तार आरोपी अनिल उर्फ कचनू सलाम पूर्व में कई घटनाओं में शामिल रहा है। इनमें डूडमा नाला के पास आईईडी लगाना, दिसंबर 2024 में गुफापारा निवासी सामनाथ कश्यप की हत्या, 2025 में ग्राम तोड़मा जंगल में बामन कश्यप व अनिशराम की हत्या, 2023 में तेंदूपत्ता बोरी जलाना, 2024 में टावर जलाना, 2023 में मंगनार रोड पर आईईडी विस्फोट, 2019 में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ जैसे वारदात शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की उन्हेल क्षेत्र के विकास के लिए कई घोषणाएं, सोयाबीन उत्पादक किसानों को मिलेगा लाभ

सरकार किसानों के साथ, आपदाग्रस्त प्रत्येक किसान को प्रदान की जाएगी सहायता राशि

लाड़ली बहनों को दीपावली के पहले मिलेगी राशि

133 करोड़ 80 लाख रुपए के विकास कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण किया

इमली-मावा उद्योग से जुड़े लोगों के व्यापार विकास के लिए होगा कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार हर परिस्थिति में किसानों के साथ है, आपदा ग्रस्त प्रत्येक किसान को मदद दी जाएगी। विपत्ति में आए हर एक किसान को राहत राशि मिलेगी और एक-एक खेत का सर्वे किया गया है। सोयाबीन उत्पादक किसानों को भावांतर योजना का लाभ भी दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 133 करोड 80 लाख रुपए की लागत के निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया।

इनमें 127. 63 करोड रुपए लागत के 23 किलोमीटर से अधिक लंबाई के इंगोरिया से उन्हेल टू लेन मार्ग निर्माण का भूमि-पूजन सम्मिलित है। साथ ही 1.26 करोड़ के नवीन नगर परिषद कार्यालय भवन निर्माण एवं 2.17 करोड़ के चिड़ी से रावदिया मार्ग निर्माण का भूमि पूजन तथा 2.74 करोड रुपए के करनावद विद्युत उपकेंद्र निर्माण का लोकार्पण भी किया गया। मुख्यमंत्री ने उन्हेल क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई, जिनमें उन्हेल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन, रामगढ़ बिहारिया मार्ग पर नारायण धाम को जोड़ने के लिए पुल का निर्माण तथा उन्हेल में विश्रामगृह का निर्माण सम्मिलित है। उन्हेल में इमली तथा मावा उद्योग से जुड़े हुए व्यक्तियों एवं उनके व्यापार विकास के लिए भी कार्य किया जाएगा।

समाज के सहयोग और सामाजिक संस्थाओं की सक्रियता से संभव हुए हैं सामुदायिक महत्व के कार्य

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि समाजिक संस्थाएं समाज के सहयोग से सामुदायिक महत्व के कार्यों का संपादन और अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करती हैं। समाज के सहयोग से कई स्थानों पर मंदिर, शालाओं और अन्य सामुदायिक महत्व के भवनों का निर्माण और अन्य महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हुए हैं। सरस्वती विद्या मंदिर की ओर से इस दिशा में की जा रही पहल और जनसामान्य का सहयोग सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रतलाम के काटजू नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में नव निर्मित 'संघ शताब्दी सभागार' का लोकार्पण करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में कई देश सैन्य और आर्थिक रूप से मजबूत है, लेकिन भारत दुनिया का इकलौता देश है, जहां सनातन संस्कृति से समाज चल रहा है। हम शक्ति में विश्वास न करते हुए संस्कारों में विश्वास करते हैं और सर्वे भवन्तु सुखिनः के भाव के साथ चलते हैं। भारत हजारों सालों से विश्व गुरू रहा है हमने तक्षशिला, नालंदा, विक्रमादित्य विश्वविद्यालयों के माध्यम से दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई थी।

नवाचार और विकास के कार्य आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री चेतन्य काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री उज्जैन के आधुनिक विश्वकर्मा हैं। उनके नवाचार और विकास के कार्य आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उनके मार्गदर्शन में प्रदेश में नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन हुआ है, हमें इसे विस्तार देना है। कार्यक्रम को विद्या भारती के मध्य क्षेत्र के संगठन मंत्री अखिलेश मिश्रा, विद्यालय के अध्यक्ष वीरेंद्र सखलेचा, विद्या भारती मालवा प्रांत के अध्यक्ष प्रकाश धनखड़ ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर छात्राओं ने स्वागत गीत पर आकर्षक नृत्य एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री हिम्मत कोठारी, महापौर प्रहलाद पटेल, निगम अध्यक्ष मनीषा शर्मा, गोपाल काकानी सहित जनप्रतिनिधि, स्कूल स्टॉफ एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र का मामला

किराएदारी के बहाने युवक पर हमला, जेवरात व सामान लूटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में शनिवार को दो अज्ञात युवकों ने मकान किराए पर लेने का बहाना बनाकर एक युवक पर हमला कर दिया। ऊपर के हिस्से के मकान में जेवरात सहित कुछ सामान लूटने के बाद दोनों फरार हो गए। आसपास के लोगों को पीड़ित के माध्यम से घटना की जानकारी हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि सीमा क्षेत्र के विवाद को लेकर पुलिस की कार्रवाई में विलंब हुआ, जबकि पुलिस अधिकारियों ने इस बात से इनकार कर दिया।

रविशंकर नगर के पास राठौर कॉलोनी नामक क्षेत्र में यह घटना हुई। भगवती राठौर ने बताया कि उनके पास एक युवक आया और अपने गले पर हमला किए जाने की जानकारी दी, जिस पर उन्होंने अन्य लोगों को इसकी सूचना दी। घटना की खबर मिलते ही आसपास का माहौल तनावपूर्ण हो गया। बड़ी संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और पुलिस की गाड़ियां भी वहां पहुंचीं। रायपुर से लौटे सौरभ सिंह ने बताया कि उसका छोटा भाई देवेश सिंह घर पर अकेला था। वह अपनी मां को इलाज के लिए बाहर ले गया हुआ था। फोन पर उसकी बात हुई थी, लेकिन जब वह घर लौटा तो उसे घटनाक्रम की जानकारी मिली। बताया कि जो युवक किराए का मकान देखने के बहाने आया था, उसने ही उसके भाई पर हमला कर दिया और उसकी मां के सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गया। स्थानीय पार्षद अब्दुल रहमान ने बताया कि क्षेत्र में एक युवक पर हमला और लूटपाट की घटना हुई है। जहां घटना हुई, वह किस थाना क्षेत्र में आता है, इसे लेकर पुलिस असमंजस में रही, जिसके कारण कार्रवाई में विलंब हुआ। कोरबा के नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी और जांच जारी है। फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटा रही है।

गौरव दिवस का आयोजन सभी जिलों में हो

मप्र में एससी, एसटी के जिन प्रकरणों में अतिक्रमण हटा लिया गया है, वह सभी मामले लिए जाएंगे वापस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि जनजातीय कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी समुदाय को उपलब्ध कराने के प्रयासों पर विशेष बल दिया जाए। प्रदेश के सभी जिलों में गौरव दिवस का आयोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि जेल विभाग मुक्त बंदियों के लिए सामाजिक स्वीकार्यता और आश्रित परिवारों के पुनर्वास प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए समाज कल्याण विभाग के साथ दायित्वों की नीतिगत व्यवस्था तैयार करें। राज्यपाल पटेल शुक्रवार को राजभवन में गृह, जेल, वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में चर्चा कर रहे थे। बैठक का आयोजन 2 सत्रों में किया गया था। प्रथम सत्र में राज्यपाल ने गृह, जेल और वन विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा की। द्वितीय सत्र में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना और प्रधानमंत्री जन-मन योजना की समीक्षा की।

विधि महाविद्यालय में हुआ राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

भोपाल। राजधानी स्थित शासकीय राज्यस्तरीय विधि महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शुक्रवार को किया गया। जीवन एवं स्वतंत्रता के अधिकार के नए विस्तार एवं आयाम विषय पर आयोजित वेबिनार में प्राचार्य डॉ. रोमा मुखर्जी मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में सचिव एवं कन्वीनर डॉ. बृजेश कुमार चौरसिया सह प्राध्यापक विधि एवं सह कन्वीनर एवं टेक्निकल समिति के संयोजक डॉ. विक्रम सिंह चौधरी भी उपस्थित रहे।

गांव में रात बिताएंगे अफसर, धार्मिक स्थलों के आसपास की जाएगी फूलों की खेती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आम लोगों को सरकार की योजनाओं का जमीनी स्तर पर कितना फायदा मिल रहा है, इसका पता लगाने के लिए सभी विभागों के जिम्मेदारों को गांव में रुककर देखना पड़ेगा। इसके लिए प्लॉन बनाकर रात रुकने का इंतजाम किया जाए। सभी विभागों के जिम्मेदार अफसर अगले दस दिन में नवाचार के बारे में जानकारी पेश करें। जिले के ग्रामीण क्षेत्र में धार्मिक स्थलों के आसपास फूलों की खेती को बढ़ावा दिया जाए। यह बात शुक्रवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने कलेक्टर्स-कमिश्नर कांफ्रेंस में मिले सीएम के निर्देशों को लेकर रखी गई बैठक में कही। कलेक्टर ने कहा कि एक-एक विभाग अपने से जुड़े कामों का फायदा आम लोगों को देने के लिए नए नवाचार अपनाए, जिससे लोगों को आसानी से सरकारी योजनाओं का फायदा मिल सके। कलेक्टर ने कहा कि विभाग मिलकर जिले का इंटीग्रेटेड प्लॉन तैयार करें।

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग

(भंडार आपूर्ति हेतु ई– निविदा सूचना, संख्या/ईपीएस/99/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम रेल भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई– खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाए आमंत्रित करते है। कोई भी हस्तालिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नही किए जाएगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए वेबसाईट "website https://ireps.gov.in" पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की सकती है।

क्र सं.	टेंडर नं.	संक्षिप्त विवरण	निविदा की मात्रा	नियत तारीख
1	81255083	Pre स्ट्रेस्ड मोनो–ब्लॉक कंक्रीट Slpper.	16561 नंबर	31.10.2025
2	38253373	आटोमेटिक Twist लॉक	547 नंबर	06.11.2025
3	20252079	AOH किट कॉमन आइटम/कंपोनेंट्स.	75 सेट	11.11.2025
4	10254562	स्प्रिंग सिंगल Coil.	300 नंबर	12.11.2025
5	30251553A	प्रोक्योरमेंट ऑफ ब्रेक डिस्क फॉर व्हील सेट ऑफ LHB कोचेस	164 नंबर	13.11.2025
6	30251640A	Control ARM असेंबली लेफ्ट Consisting.	530 सेट	20.11.2025

50 लाख रूपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए इच्छुक फर्मो को www.ireps.gov.in. पर जाने की सलाह दी जाती है।

हस्ता.
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक,
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

पश्चिम मध्य रेल

शुद्धिपत्र संख्या 42/2025

निविदा सं 81255196 जिसके खुलने की तिथि 10/10/2025 थी, जो कि इस कार्यालय की निविदा नोटिस सं. EPS/97/2025 के तहत प्रकाशित की गई थी, इसमें निम्न संशोधन किए गए हैं– **Tender No. & short Description : 81255196 Description-manufacture** एंड सप्लाई ऑफ 1 (one) मीटर long फिश प्लेट, **Tender Opening date:** From 10/10/2025, To 21/10/2025, अद्यतन एवं पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट: https://www.ireps.gov.in. देखें

(हस्ता)
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

मोतीबाग कार्यशाला, नागपुर ICF / LHB बोगियों के कार्य के लिए ई-निविदा सूचना

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, मोतीबाग कार्यशाला, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है: **निविदा सूचना सं.:** एमआईबीडब्ल्यू-2025-19-06-09-4 दिनांक: 04.10.2025 **कार्य का विवरण:** मोतीबाग वर्कशॉप, नागपुर में कार्य के दायरे के अनुसार ICF/LHB बोगियों की स्ट्रिपिंग, स्प्रिंग्स की ओवरहालिंग व अन्य गैर-कोर गतिविधियाँ, 01 वर्ष के लिए। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 2,10,99,830/- (रु. दो करोड़ दस लाख निन्यानवे हजार आठ सौ तीस मात्र), सभी करों सहित, **बयाना राशि:** ₹ 2,55,500/- (रु. दो लाख पचपन हजार पांच सौ मात्र), **अनुबंध की अवधि:** 01 (एक) वर्ष, **निविदा प्रपत्र मूल्य:** ₹ 0 (शून्य)। **निविदा जमा करना:** निविदाओं के लिए बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल दिनांक **27.10.2025** के **11:00** बजे तक ही प्रस्तुत कर सकते है। इन निविदाओं के अंतर्गत मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है। ऐसे प्रस्तुत किए गए मैनुअल प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया जाएगा।। उपरोक्त निविदा सम्बंधित विवरण हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यशाला प्रबंधक,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,
मोतीबाग, नागपुर

FL/30-144

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति गोटेगांव जिला - नरसिंहपुर (म.प्र.)

क्र./मंडी/निर्माण/25-26/425 **अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना** गोटेगांव, दिनांक 11.10.2025

कृषि उपज मंडी समिति गोटेगांव द्वारा निम्नलिखित संरचना को एक बर्ष की कालावधि के लिये किराये पर दिये जाने हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्र.	संरचना का नाम	धरोहर राशि (डिमांड ड्राफ्ट द्वारा)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि (स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक द्वारा)
1	2	3	4	5	6
1	केन्टीन (कृषक भोजनालय सहित)	10000/-	100/-	16/10/2025 सायं 5:30 बजे तक	18/10/2025 सायं 3:00 बजे तक

निविदाएं दिनांक 18/10 /2025 को दोपहर 4 बजे कृषि उपज मंडी समिति गोटेगांव कार्यालय में खोली जावेगी। विस्तृत शर्तों एवं नियमों की जानकारी कार्यालयीन कार्य दिवसों में प्राप्त की जा सकती हैं।

सचिव
कृषि उपज मंडी समिति
गोटेगांव, जिला-नरसिंहपुर

कार्यालय वन मंडल अधिकारी, सामान्य वनमंडल कटनी

मो. 9424792725, Email: dfotkatn@mp.gov.in

महाराणा प्रताप वार्ड, राष्ट्रीय राजमार्ग क्र.- 7, जबलपुर रोड, झिंझरी कटनी (म.प्र.) 483501

सामग्री क्रय हेतु निविदा आमंत्रण सूचना
ई-निविदा विज्ञप्ति

कटनी वनमंडल के अंतर्गत वर्ष 2025-26 विभिन्न योजना अंतर्गत किये गये वृक्षारोपण क्षेत्रों में उपयोग हेतु **उपजाऊ मिट्टी** सामग्री क्रय करने के लिए प्रदायकताओं से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दस्तावेज मध्य प्रदेश के www.mptenders.gov.in में प्रकाशन दिनॉक से दिनॉक 29.10.2025 को सायं 05.00 बजे तक ऑनलाईन क्रय किये जा सकते है।

क्र.	विवरण	
1	निविदा प्रपत्र की उपलब्धता	निविदा प्रपत्र बेवसाइड www.mptenders.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
2	निविदा प्रपत्र का मूल्य	500/- रुपए (पांच सौ रुपए मात्र)
3	धरोहर राशि	50,000/- रुपए (पचास हजार रुपए मात्र)
4	निविदा प्रपत्र की ऑनलाईन उपलब्धता	www.mptenders.gov.in प्रकाशन दिनॉक से
5	प्री-बिड मीटिंग	दिनॉक 22.10.2025 को दोपहर 01.00 बजे से
6	ऑनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथी एवं समय	दिनॉक 29.10.2025 को सायं 05.00 बजे तक
7	निविदा खोलने की तिथी व समय	दिनॉक 30.10.2025 को सायं 05.00 बजे तक

(गौरव शर्मा) भा.व.से.
वन मंडल अधिकारी,
सामान्य वनमंडल कटनी

G-19862/25 "बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल"

कार्यालय वन मंडल अधिकारी, सामान्य वनमंडल कटनी

मो. 9424792725, Email: dfotkatn@mp.gov.in

महाराणा प्रताप वार्ड, राष्ट्रीय राजमार्ग क्र.- 7, जबलपुर रोड, झिंझरी कटनी (म.प्र.) 483501

सामग्री क्रय हेतु निविदा आमंत्रण सूचना
ई-निविदा विज्ञप्ति

कटनी वनमंडल के अंतर्गत वर्ष 2025-26 विभिन्न योजना अंतर्गत किये गये वृक्षारोपण क्षेत्रों में उपयोग हेतु **गोबर खाद** सामग्री क्रय करने के लिए प्रदायकताओं से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दस्तावेज मध्य प्रदेश के www.mptenders.gov.in में प्रकाशन दिनॉक से दिनॉक 29.10.2025 को सायं 05.00 बजे तक ऑनलाईन क्रय किये जा सकते है।

क्र.	विवरण	
1	निविदा प्रपत्र की उपलब्धता	निविदा प्रपत्र बेवसाइड www.mptenders.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
2	निविदा प्रपत्र का मूल्य	500/- रुपए (पांच सौ रुपए मात्र)
3	धरोहर राशि	50,000/- रुपए (पचास हजार रुपए मात्र)
4	निविदा प्रपत्र की ऑनलाईन उपलब्धता	www.mptenders.gov.in प्रकाशन दिनॉक से
5	प्री-बिड मीटिंग	दिनॉक 22.10.2025 को दोपहर 01.00 बजे से
6	ऑनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथी एवं समय	दिनॉक 29.10.2025 को सायं 05.00 बजे तक
7	निविदा खोलने की तिथी व समय	दिनॉक 30.10.2025 को सायं 05.00 बजे तक

(गौरव शर्मा) भा.व.से.
वन मंडल अधिकारी,
सामान्य वनमंडल कटनी

G-19845/25 "बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल"

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी के भारत दौरे ने पड़ोसी पाकिस्तान को जोर का झटका दिया है। भारत की इस रणनीति से पाकिस्तान इतना बौखलाया कि उसने विदेश मंत्री के भारत दौरे के बीच ही अफगानिस्तान पर एयर स्ट्राइक को अंजाम दे दिया। हालांकि पाक दावा कर रहा है कि उसने टीटीपी के आतंकियों पर हवाई प्रहार किया है, लेकिन सच यही है कि पाक सरकार अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी के भारत दौरे से इतनी घबराई है कि उसने अफगानिस्तान को चेताने के इरादे से ही हवाई हमले को अंजाम दिया है। भारत और अफगानिस्तान के कूटनीतिक तौर पर अत्यंत निकट आ जाने के पीछे विशिष्ट कारण रहा है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के ताल्लुकात बेहद खराब स्थिति में पहुंच गए हैं। इधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के प्रति शत्रुता पूर्ण रुख अख्तियार करके पाकिस्तान के प्रति अपनी मोहब्बत और दोस्ती का इजहार कर दिया है। अब सवाल यह है कि भारत ने कट्टर इस्लामी मुल्क अफगानिस्तान के साथ आखिरकार दोस्ती का हाथ क्यों बढ़ा दिया है? इसके पीछे रणनीति क्या है। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

अफगानिस्तान-हिंदुस्तान के नए रिश्ते

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

अफगानिस्तान में अगस्त वर्ष 2021 में तालिबान हुकूमत के सत्तासीन होने के पश्चात वहां के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने पहली दफा जिस मुल्क का कूटनीतिक दौरा अंजाम दिया है, वह मुल्क है हिंदुस्तान। उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी पर किसी भी विदेशी मुल्क की यात्रा करने पर प्रतिबंध आयद किया हुआ है, क्योंकि मुत्तकी संयुक्त राष्ट्र सिक्योरिटी काउंसिल द्वारा घोषित और प्रतिबंधित किए गए वैश्विक आतंकवादियों की लिस्ट में अभी तक शुमार हैं। भारत की कूटनीतिक पहल पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा 9 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक आमिर खान मुत्तकी को भारत का कूटनीतिक दौरा करने की विशेष अनुमति प्रदान की गई। हालांकि भारत द्वारा अभी तक अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत को बाकायदा मान्यता प्रदान नहीं की गई। विश्व पटल पर बॉयकाट मुल्क करार कर दिए गए अफगानिस्तान को भारत सरकार ने आखिरकार अपने गले से क्यों और कैसे लगा लिया है। वैश्विक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का मूल मंत्र रहा है कि दुश्मन का दुश्मन सदैव ही दोस्त हुआ करता है। वैश्विक कूटनीति के इसी मंत्र का जाप करते हुए भारतीय विदेश नीति ने अपनी करवट बदल ली है और अब अफगानिस्तान से प्रबल दोस्ती करने की ठान ली है।

भारत की कूटनीतिक पहल पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा 9 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक आमिर खान मुत्तकी को भारत का कूटनीतिक दौरा करने की विशेष अनुमति प्रदान की गई। हालांकि भारत द्वारा अभी तक अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत को बाकायदा मान्यता प्रदान नहीं की गई। अब तो अफगानिस्तान वस्तुतः भारत का प्रबल दोस्त बन जाने के कगार पर खड़ा है। भारत यकीनन दुनिया में किसी भी मुल्क से दुश्मनी नहीं चाहता। उम्मीद जगी है कि भारत और अफगानिस्तान की दोस्ती भारतीय महाद्वीप में संभवतः एक नया रंग ला पाएगी।

आतंक का गढ़ अफगानिस्तान

भारत और अफगानिस्तान के कूटनीतिक तौर पर अत्यंत निकट आ जाने के पीछे विशिष्ट कारण रहा है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के ताल्लुकात बेहद खराब स्थिति में पहुंच गए हैं। इधर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के प्रति शत्रुता पूर्ण रुख अख्तियार करके पाकिस्तान के प्रति अपनी जबरदस्त मोहब्बत और दोस्ती का इजहार कर दिया गया है। वैश्विक जेहादी आतंकवाद का पाकिस्तान के बाद सबसे बड़ा गढ़ करार दिए जाने वाले कट्टर इस्लामी मुल्क अफगानिस्तान से आखिरकार जनतांत्रिक भारत ने दोस्ती का हाथ क्यों बढ़ा दिया है? यक्ष प्रश्न है? जोकि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के अनेक जाने-माने जानकारों के दिलों दिमाग में कौंध रहा है? अगस्त वर्ष 2021 में तालिबान के दुर्दांत जेहादी लड़ाकों ने अमेरिकन हुकूमत द्वारा सैन्य रूप से समर्थित और पोषित अफगानिस्तान की अशरफ गनी और अब्दुल्ला सरकार को सत्ता से उखाड़ कर संपूर्ण अफगानिस्तान पर अपना सैन्य आधिपत्य स्थापित कर लिया। अफगानिस्तान से अमेरिकन सैनिकों को अपने आधुनिकतम हथियारों को छोड़कर उसी तरह से पलायन कर जाने पर विवश हो जाना पड़ा, जिस तरह से कभी वियतनाम से अमेरिकी सैनिक मैदान ए जंग को छोड़कर भाग खड़े हुए थे। तालिबान हुकूमत को दुनिया के किसी भी मुल्क ने उस वक्त मान्यता प्रदान नहीं की, यहां तक कि पाकिस्तान ने भी नहीं दी। भारत ने भी वर्ष 2021 में काबुल स्थित अपना दूतावास बंद कर दिया था।

रूस ने दी सबसे पहले मान्यता

4 जुलाई 2025 को सबसे पहले तालिबान हुकूमत को मान्यता प्रदान करने वाला मुल्क बना प्रेसिडेंट पुतिन का रूस। जबकि अफ़ग़ानिस्तान में वर्ष 1980 से 1990 तक अफगान मुजाहिद और रुस के सैनिक भीषण तौर पर युद्धरत रहे। कूटनीति के मैदान में कोई भी मुल्क सदैव के लिए दुश्मन और दोस्त नहीं हुआ करते हैं। उल्लेखनीय है कि पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और पोषित आतंकवादियों के नृशंस बर्बर आक्रमण के तत्पश्चात तालीबान हुकूमत ने जिस तरह की हार्दिक सहानुभूति और संवेदनशीलता भारत के प्रति प्रकट की थी, उसी के परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार का कूटनीतिक दृष्टिकोण अफगानिस्तान के प्रति परिवर्तित होना प्रारंभ हो गया था। कूटनीटिक परिवर्तन के तत्पश्चात दोनों देशों की कूटनीतिज्ञों के मध्य घनिष्ठ वार्ताएं प्रारंभ हुई। वर्ष 2021 के बाद समाप्त हो गए पारस्परिक व्यापारिक रिश्ते फिर से कायम हो गए। तालिबान हुकूमत के सत्ताशीन होने से पहले भारत ने मुखतलिफ प्रोजेक्टस में दस हजार करोड़ का आर्थिक सहायता निवेश अफगानिस्तान में अंजाम दिया था।

खनन कंपनियों को न्योता

सर्वविदित है कि अफगानिस्तान में खनिजों का एक बड़ा खजाना विद्यमान है। भारत की खनन कंपनियों को तालिबान हुकूमत ने अफगानिस्तान में खनन करने के लिए आमंत्रित किया है। वस्तुतः भारत भी रूस की तरह से ही अफगानिस्तान को कूटनीतिक मान्यता प्रदान करने की प्रक्रिया में संलग्न है। नई दिल्ली में 9 अक्टूबर को तालिबान हुकूमत के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी से द्विपक्षीय वार्ता के दौरान भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ऐलान कर दिया है कि भारत अपने टेक्निकल मिशन को अफगानिस्तान में भारतीय दूतावास के स्तर पर ले जाने का फैसला कर चुका है। औपचारिक तौर पर तो कदाचित नहीं, वरन् अनौपचारिक तौर से भारत ने अफगानिस्तान को मान्यता प्रदान कर ही दी है। आमिर खान मुत्तकी का दिनांक 9 अक्टूबर कूटनीतिक दौरा भारत में प्रारंभ हुआ, उसी रोज पाकिस्तान वायुसेना के बमवर्षक विमानों ने काबुल पर बमबारी अंजाम दी है। भारत की सरजमीं से अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने पाकिस्तान को सीधी सैन्य चुनौती देते हुए फरमाया कि पाकिस्तान हमारी कुव्वत और हिम्मत को परखने की कोशिश कदापि ना करें तथा किसी तरह से हिमाकत करने से पहले अमेरिका, ब्रिटेन और नाटो देशों से हमारी लड़ाकू शक्ति बारे में जाकर समुचित जानकारी तो ले ले। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने विशिष्ट ऐलान किया अफगानिस्तान में अब कोई आतंकवादी गिरोह शेष नहीं बचा है। हमारी अफ़ग़ान सरजमीं का एक भी इंच टुकड़ा भी आतंकवादियों के नियंत्रण में नहीं है। वर्ष 2021 में जिस अमेरिका परस्त अशरफ गनी हुकूमत के खिलाफ हमने मिलिटेंट ऑपरेशन अंजाम दिया था, तालिबान हुकूमत के तहत वो अफगानिस्तान अब पूरी तरह से परिवर्तित हो चुका है। उन्होंने साफ तौर पर बयान किया कि पाकिस्तान और अन्य देश भी आतंकवादियों के खिलाफ वैसा ही जबरदस्त कदम उठाएं जैसा कठोर कदम अफगानिस्तान ने शांति और अमन स्थापित करने के लिए उठाया है।

दोस्ती के रास्ते खुले

भारत यकीनन दुनिया में किसी भी मुल्क से दुश्मनी नहीं चाहता। भारत ने तो पाकिस्तान से भी दोस्ती करने के अनेक दफा गंभीर प्रयास किए, लेकिन कोई भी नतीजा नहीं निकला। अब तो अफगानिस्तान वस्तुतः भारत का प्रबल दोस्त बन जाने के कगार पर खड़ा है। उम्मीद जगी है कि भारत और अफगानिस्तान की दोस्ती भारतीय महाद्वीप में संभवतः एक नया रंग ला पाएगी।

बहुत गहरी हैं भारत-अफगान संबंधों की ऐतिहासिक जड़ें

उम्मीद

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ स्तंभकार

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मौलवी अमीर खान मुत्तकी की भारत यात्रा ने पुरानी दोस्ती में नई जान फूंक दी है। मुत्तकी बीते गुरुवार को राजधानी दिल्ली पहुंचे, जहां उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से विस्तृत चर्चा की। यह 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान के किसी वरिष्ठ नेता की पहली भारत यात्रा है। इस मुलाकात में भारत ने काबुल में अपने पूर्ण दूतावास को फिर से सक्रिय करने की घोषणा की, जो चार वर्षों के अंतराल के बाद एक बड़ा कूटनीतिक कदम है। मुत्तकी की यात्रा से एक उम्मीद बंधी है। विदेश मंत्री जयशंकर ने पाकिस्तान को 'साझा खतरा' बताया, जबकि तालिबान ने 2025 के पहलगाम हमले की निंदा की। भारत-अफगानिस्तान संबंध शताब्दियों की परीक्षा से गुजरे हैं। प्राचीन बौद्ध विरासत से आधुनिक बुनियादी ढांचे तक, ये बंधन लचीले साबित हुए। मुत्तकी की यात्रा मानवतावादी सहायता को कूटनीतिक संवाद में बदलने का अवसर है। जैसे अशोक के शिलालेख आज भी बोलते हैं। दोनों देशों को आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक विकास जैसे साझा मुद्दों पर एकजुट होना होगा। यह न केवल क्षेत्रीय शांति के लिए जरूरी है, बल्कि साझा इतिहास की मांग भी। लेकिन मुत्तकी की यह यात्रा केवल वर्तमान की राजनीति नहीं, बल्कि भारत-अफगानिस्तान के गहन ऐतिहासिक बंधनों की याद दिलाती है। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर आधुनिक विकास परियोजनाओं तक, ये संबंध सांस्कृतिक, आर्थिक और रणनीतिक धागों से बुने गए हैं। भारत और अफगानिस्तान के संबंध प्राचीन काल से ही गहरे हैं, जब ये क्षेत्र एक सांस्कृतिक निरंतरता का हिस्सा थे। सिंधु घाटी सभ्यता (लगभग 3300-1300 ईसा पूर्व) के अवशेष अफगानिस्तान के उत्तरी भागों में भी मिलते हैं, जो व्यापारिक मार्गों के माध्यम से जुड़े हुए थे। चंद्रगुप्त मौर्य के समय (305 ईसा पूर्व) यह संबंध औपचारिक रूप ले चुके थे। सेल्यूकस निकेटर ने अफगान क्षेत्र मौर्य साम्राज्य को सौंप दिया, बदले में 500 हाथी और वैवाहिक संबंध प्राप्त किए। सम्राट अशोक (268-232 ईसा पूर्व) ने अफगानिस्तान को बौद्ध धर्म का केंद्र बनाया। कंधार में उनके शिलालेख आज भी मौजूद हैं, जो धम्म के प्रचार की गवाही देते हैं। मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद भी, इंडो-ग्रीक और कुशान साम्राज्यों ने इस क्षेत्र को भारतीय उपमहाद्वीप से जोड़े रखा। कुषाण शासक कनिष्क (मध्य पहली शताब्दी) ने बौद्ध धर्म को पुनर्जीवित किया, जिसका प्रभाव गंधार कला में दिखता है। ये प्राचीन संबंध केवल राजनीतिक नहीं, सांस्कृतिक थे। अफगानिस्तान के बामियान बुद्ध (जो 2001 में तालिबान द्वारा नष्ट किए गए) भारतीय बौद्ध विरासत के प्रतीक थे। व्यापार मार्गों ने मसाले, रत्न और विचारों का आदान-प्रदान सुनिश्चित किया, जो आज भी दोनों देशों की साझा विरासत को दर्शाता है। मध्यकाल में अफगानिस्तान भारत के लिए अवसर और चुनौती दोनों रहा।

इस मुलाकात में भारत ने काबुल में अपने पूर्ण दूतावास को फिर से सक्रिय करने की घोषणा की, जो चार वर्षों के अंतराल के बाद एक बड़ा कूटनीतिक कदम है। मुत्तकी की यात्रा से एक उम्मीद बंधी है।

10वीं शताब्दी से गजनवी, गौरी, खिलजी, लोदी और मुगल जैसे अफगान मूल के वंशों ने उत्तरी भारत पर आक्रमण किए, जो राजनीतिक उथल-पुथल लाए लेकिन सांस्कृतिक समन्वय भी। महमूद गजनवी (998-1030) के आक्रमणों ने सोमनाथ मंदिर को लूटा, लेकिन इन्होंने फारसी साहित्य और वास्तुकला को भारत में रोपा। गौरी वंश (12वीं शताब्दी) ने दिल्ली सल्तनत की नींव रखी, जो अफगान शासकों द्वारा संचालित थी। मुगल काल (1526-1858) में यह संबंध और गहरा हुआ। बाबर, अफगान मूल का था। 18वीं शताब्दी में अहमद शाह दुर्रानी ने अफगान साम्राज्य स्थापित किया, जिसने पंजाब तक विस्तार किया, लेकिन महाराजा रणजीत सिंह के सिख साम्राज्य ने इसे रोका। इस काल में आर्थिक लेन-देन फला-फूला। अफगानिस्तान के सूखे मेवे, घोड़े और ऊनी वस्त्र भारत पहुंचे, जबकि भारतीय वस्त्र और मसाले अफगान बाजारों में बिके। सांस्कृतिक रूप से, सूफी संतों जैसे ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (अजमेर) ने दोनों क्षेत्रों को जोड़ा। हालांकि आक्रमणों ने तनाव पैदा किया, लेकिन ये संबंध विनाशकारी नहीं, बल्कि परिवर्तनकारी साबित हुए। 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश उपनिवेशवाद ने इन संबंधों को नया मोड़ दिया। अफगानिस्तान और ब्रिटिश भारत पड़ोसी थे, लेकिन 'ग्रेट गेम' में रूस के साथ ब्रिटेन की होड़ ने अफगानिस्तान को बफर राज्य बना दिया। भारत ने अफगानिस्तान के साथ 1950 में 'मैत्री संधि' पर हस्ताक्षर किए, जो शांति और राजनयिक संबंधों की गारंटी थी। 1973 में मोहम्मद दाऊद खान के गणतंत्र को मान्यता दी गई, लेकिन 1979 के सोवियत आक्रमण ने संबंधों को जटिल कर दिया।

अमेरिका समेत चीन व पाकिस्तान को संदेश

कूटनीति

डॉ. एन.के. सोमानी

स्वतंत्र पत्रकार

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी इन दिनों भारत के दौरे पर है। साल 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार आने के बाद यह पहला अवसर है जब तालिबान सरकार का कोई बड़ा मंत्री भारत के दौरे पर आया है। यात्रा के दौरान मुत्ताकी ने जिस तरह से भारत-अफगानिस्तान द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने की पहल की है, उससे अमेरिका, चीन और पाकिस्तान की बेचैनी बढ़ती दिख रही है। खासतौर से भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ वार्ता के दौरान मुत्ताकी ने भारत के खिलाफ अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देने व भारत में दुतावास शुरू करने की बात कही है, उससे पाकिस्तान सकते में आ गया है। मुत्ताकी ने कहा कि भारत ने हमेशा मुश्किल समय में अफगानिस्तान का साथ दिया है। हमारे संबंध केवल व्यापार तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि सुरक्षा, संस्कृति, खेल और अन्य संबंधों से भी जुड़े हैं। मुत्ताकी अमेरिका द्वारा बगराम एयरबैस की मांग की पृष्ठभूमि के बीच भारत के दौरे पर आए हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि तालिबान सरकार द्वारा अमेरिका को बगराम एयरबेस देने से इनकार के बाद उपजे हालातों के दृष्टिगत अफगानिस्तान के विदेशमंत्री किसी कूटनीतिक लक्ष्य को साधने के लिए भारत से संबंध सुधारने की पहल कर रहे हैं। यह आशंका इसलिए उठ रही है क्योंकि मुत्ताकी भारत आने से पहले रूस गए थे। रूस यात्रा के दौरान भी उन्होंने बगराम एयरबेस का मुद्दा उठाया था। रणनीतिक दृष्टि से बगराम एयरबेस ईरान, पाकिस्तान, चीन और मध्य एशिया के समीप होने के कारण अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण ठिकाना है। 2021 में अमेरिका ने इसी खाली कर दिया था। अब ट्रंप दोबारा सत्ता में आने के बाद इस पर फिर से कब्जा करना चाहते हैं। सत्ता में आने के बाद तालिबान ने पाकिस्तान को दरकिनार कर भारत के साथ संबंध बढाने षुरू कर दिए। भारत ने मुत्ताकी के दौरे को औपचारिक मान्यता नहीं बल्कि रणनीतिक संवाद का माध्यम बताया है। भारत यात्रा के दौरान मुत्ताकी ने विदेशमंत्री व अन्य अधिकारियों से राजनयिक, व्यापारिक और आर्थिक साझेदारियों को लेकर बात कर है, उससे जाहिर है कि अफगानिस्तान की राजनीति में भारत के लिए दरवाजे खुले हुए हैं।

मुत्ताकी ने जिस तरह से भारत-अफगानिस्तान द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने की पहल की है, उससे चीन अमेरिका और पाकिस्तान की बेचैनी बढ़ती दिख रही है

भारत की रणनीति ने पाकिस्तान को दिया जोर का झटका

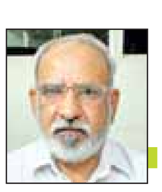

रणनीति

महेंद्र पंडित

वरिष्ठ पत्रकार

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी के भारत दौरे ने पड़ोसी पाकिस्तान को जोर का झटका दिया है। भारत की इस रणनीति से पाकिस्तान इतना बौखलाया कि उसने विदेश मंत्री के भारत दौरे के बीच ही अफगानिस्तान पर एयर स्ट्राइक को अंजाम दे दिया। हालांकि पाक दावा कर रहा है कि उसने टीटीपी के आतंकियों पर हवाई प्रहार किया है, लेकिन सच यही है कि पाक सरकार अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी के भारत दौरे से इतनी घबराई है कि उसने अफगानिस्तान को चेताने के इरादे से ही हवाई हमले को अंजाम दिया है। असल में जब अफगान में हामिद करजई की सरकार थी, उसके बारे में यही कहा जाता था कि वो काबुल के चेयरमैन हैं, उससे ज्यादा कुछ नहीं। वो पूरी तरह से विदेशी सहायता पर निर्भर थे। इसी के चलते पाकिस्तान को अफगान में दखल का मौका मिल रहा था। अब तालिबान सरकार पूरी तरह से एकजुट दिख रही है। इसके चलते पाक को दखल का मौका मिलना तो दूर अफगान से सीधा मुकाबला भी मिल रहा है। वो पहले से ही अफगान सरकार के तेवर से बेहद परेशान था। अब अगर तालिबान सरकार को भारत का भी साथ मिलता है तो पहले से ही कंगाली की हालत में पहुंचे पाकिस्तान को जोर का झटका लगना तय है। भारत ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को ऑफिशियली मान्यता भी नहीं दी है। हालांकि भारत लंबे वक्त से अफगानिस्तान के साथ बैकडोर डिप्लोमेसी करता रहा है। यही कारण रहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अफगानिस्तान भारत के पक्ष में खड़ा नजर आया। अब आमिर खान मुत्तकी की भारतीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर से मुलाकात के दौरान दोनों ओर से कमाल की गर्मजोशी दिखी। एस. जयशंकर ने मुत्तकी को न सिर्फ गर्मजोशी से गले लगाया, बल्कि काबुल में भारत के तकनीकी मिशन को पूर्ण दूतावास का दर्जा देने की घोषणा भी कर दी। भारत ने उसे सद्भावना के नाम पर पांच एम्बुलेंस सौंप दी हैं। भारत का अफगानिस्तान के प्रति प्यार नया नहीं है। दशकों से हमने स्वास्थ्य, शिक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर में करोड़ों रुपये झोंके हैं। कोविड वैक्सीन से लेकर गेहूं तक अफगानिस्तान को जब भी किसी सहायता की जरूरत महसूस हुई, भारत ने दी है।

आतंक का पोषक पाकिस्तान उम्मीद लगाए हुए था कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार भारत के खिलाफ उसके समर्थन में खड़ी होगी, लेकिन भारत की रणनीति ने उसे चारों खाने चित कर दिया। यही कारण है कि वह महज चार साल पहले अमेरिकी सेना के शिकंजे से आजाद हुए अफगानिस्तान पर हवाई हमले कर रहा है।

अफगानिस्तान पर कूटनीतिक जागरूकता और सजगता जरूरी

चौकसी

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र पत्रकार

वैश्विक राजनीति एवं कूटनीति को अपने-अपने देशों के हित में साधने के लिए भारत व अफगानिस्तान विशेष प्रयास कर रहे हैं। इसी उद्देश्य के साथ अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी गत 9 अक्टूबर को छह दिवसीय भारत यात्रा पर दिल्ली पहुंचे और अगले ही दिन दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की एक उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हुई। इसमें भारतीय मंत्री ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में पुनः दूतावास खोलने की बड़ी घोषणा की तथा अफगानिस्तानी मंत्री ने कहा कि उनका शासन अपनी भूमि से भारत विरोधी किसी भी आतंकी षड्यंत्र व गतिविधि को नहीं होने देगा।

इसी के साथ दोनों देशों के मंत्रियों ने पारस्परिक संप्रभुता एवं स्वायत्तता की सुरक्षा और द्विपक्षीय कूटनीतिक व व्यापारिक संबंधों की दृढ़ता के लिए भी महत्वपूर्ण संवाद किया है। अपनी यात्रावधि में अफगानी विदेश मंत्री भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा परामर्शक अजीत डोभाल के साथ भी भेंटवार्ता करेंगे। विश्व के प्रमुख देशों की भांति ही भारत ने भी तालिबानी शासन को आधिकारिक मान्यता तो नहीं दी है, किंतु अफगानिस्तान के साथ भारत सहित सभी देशों के व्यापारिक-आर्थिक संबंध पहले जैसे ही हैं। नब्बे के दशक से लेकर 2014 तक अफगानिस्तान, रूस व अमेरिका की पारस्परिक शत्रुता का प्रायोगिक क्षेत्र बना रहा। कभी वहां रूसी सेना तैनात हुई थी। उस समयावधि के बाद से लेकर 2021 तक अमेरिकी सेना की तैनाती ने उस देश में तालिबान आतंकवाद को फलने-फूलने का अवसर दिया। हालांकि तालिबानी गतिविधियों को आतंकी गतिविधियां भी अमेरिका ने ही बताया था, जबकि अफगानिस्तान की अधि जनसंख्या अशरफ गनी के शासनकाल में भी तालिबानगामी शासन की पक्षधर थी। पूरे एक दशक तक तालिबानी लड़ाकों एवं अमेरिकी सेना के मध्य सशस्त्र संघर्ष होता रहा। इस अवधि में संपूर्ण अफगानिस्तान बुरी तरह अस्थिर रहा। अमेरिका, रूस, पाकिस्तान, अफगानिस्तानी शासन व तालिबान समूह की कूटनीतियों के कारण यह देश निरंतर गृहयुद्ध व आत्मघात की स्थितियों-परिस्थितियों में पिसता रहा। इस स्थिति में भी भारत ने वहां के तत्कालीन शासन के सहयोग से उस देश में मूलभूत अवसंरचना के निर्माण सहित अनेक विकासपरक कार्य संपन्न किए, जिनका महत्व अब का तालिबानी शासन भी भलीभांति जानता-समझता है। वास्तव में अफगानिस्तान के तालिबानी शासन के विदेश मंत्री की भारत यात्रा का मुख्य उद्देश्य बगराम हवाई क्षेत्र पर अमेरिका की गिद्धदृष्टि के प्रतिरोध में वैश्विक दक्षिण के प्रमुख व शक्तिशाली देशों का प्रतिरोधपरक समर्थन प्राप्त करना है। चूंकि इस संदर्भ में रूस के मास्को में आमिर खान मुत्तकी को रूस, चीन, पाकिस्तान, ईरान इत्यादि देशों ने अपना-अपना समर्थन दे दिया है, अतः अब तालिबानी नेता की मंशा है कि भारत भी बगराम हवाई स्थल पर अमेरिकी कब्जे की इच्छा का दृढ़ विरोध करे। अमेरिका के संदर्भ में यह अतिविडंबना ही मानी जाएगी कि अपने प्रथम कार्यकाल में जहां ट्रंप ने अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों की तैनाती का विरोध किया, इसे धन-संसाधन की बर्बादी कहा, कार्यकाल के अंतिम दिनों में अमेरिकी सैनिकों की वापसी भी करवा दी तथा डेमोक्रेट्स के शासन में राष्ट्रपति जो. बाइडेन ने बगराम हवाई क्षेत्र में विद्यमान अंतिम अमेरिकी अवसंरचना हटा अफगानिस्तान को पूरी तरह अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप से मुक्त कर दिया था, वहां अब ट्रंप पुनः बगराम में एक प्रतीकात्मक अमेरिकी सैन्य शिविर की स्थापना करने को व्याकुल हैं। परिणामस्वरूप लोकतांत्रिक रूप में अस्थिर अनेक देशों में अमेरिका की ओर से सैन्य तैनातियां हुईं, सैन्य हस्तक्षेप बढ़ा, सामरिक संघर्ष हुआ तथा शासन विस्थापित हुए। दक्षिण एशिया में सन् 2014 तक अमेरिका ने जहां चीन एवं रूस के प्रतिरोध के लिए अफगानिस्तान, पाकिस्तान और भारत का उपयोग किया, वहीं अब चीन व रूस के अतिरिक्त भारत के प्रतिरोध हेतु भी वह अफगानिस्तान, पाकिस्तान सहित मध्य पूर्व के मुसलिम देशों का भी अपने सैन्य शिविरों के रूप में प्रयोग करना चाहता है।

भारत ने अफगानिस्तान में पुनः दूतावास खोलने की घोषणा की व अफगानिस्तानी मंत्री ने कहा कि उनका शासन अपनी भूमि से भारत विरोधी किसी भी आतंकी षड्यंत्र व गतिविधि को नहीं होने देगा।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के माध्यम से अमेरिका ने तालिबानी शासन पर अनेक स्तरीय प्रतिबंध आरोपित कर रखे हैं। इन्हीं प्रतिबंधों के कारण अब तक तालिबानी नेता विदेश यात्रा नहीं कर पा रहे थे। किंतु ज्यों ही सुरक्षा परिषद् ने प्रतिबंधों को सीमित किया, त्यों ही तालिबानी नेतृत्व अमेरिकी प्रयोग में फंसने से बचने हेतु प्रमुख रूप से रूस, भारत व चीन को साधने का प्रयास करने लगा है।

हमें तालिबानी शासन की मूल प्रवृत्ति को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से मुक्त शासन के अनुरूप देखना होगा, तब ही हम अफगानिस्तान के संदर्भ में एक सुरक्षित कूटनीतिक वातावरण निर्मित कर पाएंगे। अन्य देशों की भांति भारत के लिए भी वैश्विक कूटनीतियों के हल ढूंढना सुगम नहीं है। जब हम अमेरिका एवं चीन सहित विश्व के अधिसंख्य देशों पर आंख बंद करके विश्वास नहीं कर सकते हैं, तो फिर अफगानिस्तान के तालिबानी शासन के प्रति भी हमें कूटनीतिक रूप में अति जागरूक व सतर्क रहने की आवश्यकता है।

कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सराफा बाजार में हुई वारदात से बढ़ा आक्रोश

चोरों ने ज्वेलर्स दुकान से लाखों के जेवरात किये पार, कैमरे भी तोड़े

चोरी की बढ़ती वारदातों से सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहे सवाल, पुलिस ने किया मौका मुआयना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

जिले में आए दिन कहीं न कहीं चोर वारदातों को अंजाम दे रहे लेकिन पुलिस चोरो को पकड़ने में नाकाम साबित हो रही है। कोतवाली थाना अंतर्गत सराफा बाजार में चोरी की वारदात से सनसनी फैल गई। अज्ञात चोरों ने राधे ज्वेलर्स की दुकान में सेंध लगाकर डेढ़ किलो चांदी समेत लाखों के जेवरात पार कर लिए। घटना से व्यापारियों में भारी रोष है, वहीं पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

शहर और ग्रामीण इलाकों में चोरी की वारदातें लगातार बढ़ती जा रही हैं। अभी तीन दिन पूर्व ही बरही में 20 लाख रुपए की चोरी के बाद अब चोरों ने कटनी शहर के सराफा बाजार को निशाना बनाया है। शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने सराफा बाजार स्थित राधे ज्वेलर्स की दुकान में सेंध लगाकर करीब डेढ़ किलो चांदी सहित अन्य जेवरात पर हाथ साफ कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, दुकान संचालक राधेश्याम सोनी रोजाना की तरह शुक्रवार रात दुकान में ताला लगाकर घर चले गए थे। इसी बीच रात में अज्ञात चोरों ने घटना को अंजाम दिया। बताया जाता है कि वारदात को अंजाम देने से पहले चोरों ने आसपास की दुकानों के सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए, ताकि उनकी गतिविधियां रिकॉर्ड न हो सकें। इसके बाद बड़ी सावधानी से दुकान में घुसे और जेवरात चोरी कर ले गए।

शनिवार सुबह जब संचालक राधेश्याम सोनी दुकान पहुंचे तो टूटा ताला और बिखरा सामान देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और आसपास के इलाकों में लगे कैमरों की जांच की जा रही है। टीम को मौके पर भेजा गया है और संदिग्धों की तलाश की जा रही है। दीवाली और धनतेरस से पहले सराफा बाजार में हुई इस चोरी की घटना से व्यापारियों में भारी रोष है। व्यापारी संगठनों का कहना है कि लगातार हो रही वारदातों से पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस की लापरवाही अब भारी पड़ने लगी है। सिर्फ रात में गश्त और सड़कों पर मार्च कर देने से अपराध नहीं रुकते। पुलिस को बीट सिस्टम मजबूत करना होगा, अपराधियों पर लगातार नज़र रखनी होगी और हर वारदात के बाद अपनी कार्यप्रणाली का मूल्यांकन कर कमियों को दूर करना होगा।

पत्नी की हत्या के दोषी पति को आजीवन कारावास और अर्थदंड

सतना। न्यायालय सत्र न्यायाधीश,सतना की पीठासीन अधिकारी श्रीमती गीता सोलंकी ने थाना बरौंधा के एक हत्या के अपराध में आरोपी रामावतार गोंड पिता प्रेमलाल गोंड उम्र 34 वर्ष,पेशा मजदूरी, निवासी ग्राम शाहपुर,थाना बृजपुर,जिला पन्ना म.प्र.,वर्तमान निवास ग्राम बनसाकर,थाना बरौंधा,जिला सतना को अपराध प्रमाणित पाए जाने पर आजीवन कारावास एवं 5,000 (पाँच हजार) रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड अदा न करने पर अभियुक्त को एक वर्ष का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। मामले में राज्य की ओर से पैरवी करने वाले लोक अभियोजक/शासकीय अभिभाषक (जीपी) रमेश मिश्रा ने बताया कि अभियुक्त रामावतार गोंड के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 302 (हत्या) के अंतर्गत दंडनीय अपराध का आरोप था।

घटना का विवरण

लोक अभियोजक रमेश मिश्रा ने बताया कि अभियुक्त रामावतार गोंड पर पत्नी ममता गोंड को लोहे की बकिया (धारदार हथियार) से मारकर उसकी साशय व सज्ञान हत्या कारित करने का आरोप था। सूचनाकर्ता करन मवासी ने उसी दिन थाना बरौंधा में सूचना दी थी कि उसकी भतीजी ममता गोंड की शादी रामावतार गोंड से हुई थी और वे करीब दो वर्ष से बनसाकर में रह रहे थे। आरोपी ममता को यह कहकर जंगल ले गया था कि लकड़ी कटी रखी है,चलकर ले आते हैं। देर शाम तक जब दोनों वापस नहीं आए तो करन मवासी और कुछ अन्य लोग जंगल में उन्हें ढूंढ़ने गए। शाम करीब 7 बजे बगदरा के पीछे दौर घाट के रास्ते के पास झाड़ियों में ममता की लाश पड़ी मिली। उसके दाहिने हाथ की बांह और गर्दन में धारदार हथियार की चोट थी और सिर के पास खून पड़ा था। जाँच के पश्चात अपराध क्र.121/2023 धारा 302 भा.दं.वि.के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध की गई।

बचाव पक्ष का दावा

अभियुक्त रामावतार गोंड ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता,2023 की धारा 351 के अंतर्गत परीक्षण में यह व्यक्त किया कि वह गोंड समाज का है और उसने मवासी में शादी की है इसलिए लोग उससे जलते हैं। साथ ही,उसका करन मवासी से पैसे के लेन-देन का विवाद था,जिस कारण उसके विरुद्ध झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

न्यायालय का फैसला

विचारण के दौरान यह पाया गया कि रामावतार गोंड के द्वारा ही मृतिका ममता गोंड को धारदार बकिया से संघातिक चोटें पहुंचाई गईं,जिसके फलस्वरूप उसकी मृत्यु हुई,जो कि आपराधिक मानव वध की श्रेणी में है। न्यायालय ने साक्ष्य के आलोक में यह पाया कि अभियोजन पक्ष युक्तियुक्त संदेह से परे यह प्रमाणित करने में सफल रहा कि अभियुक्त रामावतार गोंड ने ही मृतिका ममता गोंड की मृत्यु कारित करने के आशय से लोहे की बकिया के द्वारा मल्टीपल चोटें पहुंचाकर उसकी हत्या की है।इसके आधार पर रामावतार गोंड को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के अपराध में आजीवन कारावास और अर्थदण्ड से दंडित किया गया।

बंडोल पुलिस ने किया जेवर चोरी करने वाली महिला गिरोह का पर्दाफाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

अधीक्षक सिवनी सुनिल कुमार मैहता द्वारा अवैध गतिविधियो के नियत्रंण व कार्यवाही हेतु सभी थाना प्रभारियो को निर्देशित किया है, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिवनी दीपक मिश्रा, एसडीओपी सिवनी श्रीमती पूजा पांडे के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी बंडोल के द्वारा लगातार थाना क्षेत्र मे सक्रियता के साथ कार्यवाही की जा रही है।

दिनांक 09/10/25 को प्रार्थी योगेन्द्र पिता विस्वेश्वर बघेल उम्र 52 साल निवासी लखनवाडा थाना लकनवाडा का थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट लेख कराया कि प्रार्थी की जेवर की दुकान से अज्ञात महिलाओ के द्वारा 03 जोडी सोने की कान की झुमकी कीमती 60,000/- एवं गणेश की दुकान से एक जोडी चांदी का पायल कीमती 10,000/- रूपये की चोरी की गई है कि रिपोर्ट पर थाना बंडोल में अप.क्र. 492/25 धारा 303(2) बी.एन.एस. का पंजीबद्व कर विवेचना में लिया गया।

मामला चोरी का होने से पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता को घटना से अवगत कराकर उचित मागदर्शन प्राप्त करते हुये एसडीओपी सिवनी श्रीमती पूजा पाण्डेय के नेतृत्व में थाना प्रभारी बंडोल द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए घटना स्थल के आसपास लगे हुये सी.सी.टी.व्ही. कैमरो को चैक किया गया जिसमे 03 संदिग्ध महिलाये घटना कारित हुये दिखाई देने पर तत्काल हमराह स्टाप के तकनीकी माध्यम से सर्चिंग प्रारम्भ की गई जो उक्त महिलाये के ग्राम गंगेरूआ हार पर छिपी हुई मिली जिनसे घटना कारित करने के संबंध में कडाई से पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार करते हुये घटना कारित करना बताई। आरोपिगण (1) श्रीमती श्यामबती पति संतराम अहिरवार उम्र 40 साल निवासी ग्राम विनेकी मरकावाडा थाना अमरवाडा (2) श्रीमति कस्तुरी पति सनपत अहिरवार उम्र 45 साल निवासी ग्राम मेहलोन थाना अमरवाडा (3) श्रीमति राजबती पति घनश्याम पीपले उम्र 25 साल निवासी ग्राम विनेकी मरकावाडा थाना अमरवाडा । जप्ती मे 03 जोडे सोने के कान के झुमके कीमती 60,000 रूपये, 01 नग चांदी की पायल कीमती 10,000 रूपये कीमती 70,000 रूपये।

उक्त कार्यवाही मे सउनि शिवेन्द्र वसूले, सउनि देवेन्द्र जायसवाल सायबर सेल प्र.आर.53 जयेन्द्र बघेल, प्र.आर.841 संदेश परतेती, आर. 446 संतोष डेहरिया, म. आर. 659 शानू नागरे शामिल रहे।

बीएससी छात्रा की संदिग्ध मौत से उपजे कई सवाल

हरिभूमि न्यूज बिजुरी। जिले में बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा सुलक्ष्मी सिंह गहरवार (आयु 20 वर्ष) की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। मृतका मूलतः ग्राम कोठी, थाना बिजुरी, तहसील कोतमा, जिला अनूपपुर की रहने वाली थी। वह पिछले कुछ वर्षों से शंभूनाथ कॉलेज शहडोल में बीएससी की पढ़ाई कर रही थी और कॉलेज के पास स्थित बिजली ऑफिस के समीप उदित पाण्डेय के मकान में किराए पर रहकर अध्ययन करती थी। 4 अक्टूबर की है, जब मृतका के परिवार को गांव कोठी निवासी अंजनी सिंह और उनकी पत्नी लतारानी सिंह ने आकर सूचित किया कि आपकी बेटी सुलक्ष्मी सिंह ने आत्महत्या कर ली है। पता चला कि सुलक्ष्मी का शव जिला चिकित्सालय शहडोल में रखा गया है। वहां पहुंचकर उन्होंने जब शव देखा तो उन्हें प्रथम दृष्टया यह घटना आत्महत्या नहीं बल्कि किसी प्रकार की साजिशन हत्या प्रतीत हुई। परिजनों ने बताया कि सुलक्ष्मी के पीठ पर नाखून के गहरे निशान, पैरों में नीले दाग, और शरीर पर चोट जैसे चिन्ह साफ देखे जा सकते थे।

एसपी ने 75 से अधिक बदमाशों की कराई परेड, हिदायत देकर भरवाए बांड

छतरपुर। जिले में अपराध पर सख्त नकेल कसने के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में शनिवार को पुलिस लाइन में गुंडों का मेला लगाया गया। इस दौरान सिटी कोतवाली, सिविल लाइन और ओरछा थाना क्षेत्र के 75 से अधिक बदमाशों को बुलाकर परेड कराई गई और सख्त हिदायत देकर उनसे बांड भरवाए गए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय अधिकारी, प्रभारी एएसपी रविन्द्र मिश्रा, सीएसपी, कोतवाली थाना प्रभारी, सिविल लाइन थाना प्रभारी और ओरछा रोड थाना प्रभारी सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा। परेड के दौरान टेबल लगाकर सभी अपराधियों का विवरण दर्ज किया गया। एसपी ने चेतावनी दी कि कोई भी व्यक्ति त्योहारों के दौरान शांति भंग करने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने बताया कि दिवाली के बाद जिले में रोजगार मेला भी लगाया जाएगा ताकि अपराध की राह पर चल रहे लोगों को मुख्यधारा में जोड़ा जा सके।

नहाते समय 14 वर्षीय बालक लापता, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

शहडोल।

जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र के नवलपुर सोन नदी में शनिवार को एक 14 वर्षीय बालक पिकनिक मनाते समय नदी के तेज बहाव में बह गया और लापता हो गया। लापता बालक अंश पनिका, जो बुढार के वार्ड नंबर एक का निवासी है, अपने दोस्तों के साथ नदी में नहा रहा था। इसी दौरान अचानक तेज बहाव ने उसे अपने साथ बहा लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत एसडीआरएफ टीम को बुलाया, जो बालक की तलाश में जुटी हुई है। सोहागपुर थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे ने बताया कि नदी का पानी अत्यधिक तेज बह रहा है, जिससे खोज कार्य में कठिनाइयाँ आ रही हैं। अंश के दोस्त घटना के गवाह हैं और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। परिवार वाले भी मौके पर आकर बालक की तलाश में जुट गए हैं और वे अत्यंत

व्यथित हैं। स्थानीय पुलिस और एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन कर रही है। प्रशासन द्वारा बचाव कार्य को प्राथमिकता दी गई है। स्थानीय लोग और परिवार वाले अंश की सुरक्षित वापसी की कामना कर रहे हैं। मामले की जांच और खोज जारी है।

घर से चंद दूरी पर खेत में मिली युवक की लाश, बैकुंठपुर थाना क्षेत्र बड़ी हरदी की घटना

रीवा। जिले बैकुंठपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बडी हरदी में एक युवक का घर से चंद दूरी पर खेप में पड़ा मिला। परिजनों ने युवक की हत्या का संदेह जताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। सूचना के बाद पुलिस ने युवक के शव का पीएम करवाया है। पुलिस की माने तो पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट होगे। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक युवक का शव खेत में पड़ा मिला था, जिसकी सूचना परिजनों द्वारा बैकुंठपुर पुलिस को दी गई। जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए बाबूलाल कोल निवासी बड़ी हरदी ने बताया कि उनका भांजा रामनरेश कोल उन्हीं के पास रहता था। शुक्रवार की सुबह के करीब 4 बजे उन्हें गांव के लोगों ने बताया कि रामनरेश खेत में पड़ा हुआ है।

जिसके बाद वह मौके पर पहुंचे तो पाया कि रामनरेश की मौत हो चुकी थी। इसके बाद परिजन बैकुंठपुर थाने पहुंचे और घटना की सूचना पुलिस को दी। परिजनों को अंदेशा है कि उनके भांजे की हत्या की गई है पुलिस थाना फिलहाल मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं पीएम रिपोर्ट और पुलिस की जांच के बाद ही युवक की मौत के कारणों का पता चल पाएगा। बाबूलाल ने बताया कि उसका भांजा रामनरेश रात में घर में ही सोया था पता नहीं कितनी देर वह घर से निकल गया। फिलहाल वैकुंठपुर पुलिस मर्ग कायम कर पूरी घटना की गंभीर से जांच कर रही है।

मासूम को परिजनों से मिलाया

कटनी। बड़वारा थाना क्षेत्र के ग्राम बरछेका निवासी एक व्यक्ति अपनी पत्नी एवं 5 वर्षीय पुत्री के साथ शासकीय अस्पताल कटनी में इलाज कराने आए थे। अस्पताल परिसर में अत्यधिक भीड़भाड़ होने के कारण उनकी पुत्री अचानक भीड़ में गुम हो गई। परिजनों ने अस्पताल परिसर में काफी तलाश किया मगर बच्ची कहीं पता नहीं चला। घटना की सूचना थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय को प्राप्त होते ही उन्होंने तत्परता दिखाते हुए पुलिस स्टाफ को तत्काल अस्पताल भेजा । कोतवाली पुलिस टीम द्वारा सर्च के दौरान शासकीय अस्पताल परिसर के बाहर बालिका को रोते हुए घूमते देखा गया। पूछताछ करने पर बालिका ने अपना नाम बताया। तत्पश्चात कोतवाली पुलिस ने परिजनों से संपर्क कर बालिका को सकुशल उनके सुपुर्द किया।

ब्लैकमेल करने वाला आरोपी जबलपुर से गिरफ्तार

शहडोल। जिले के सिंहपुर थाना क्षेत्र में महिला से अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और सोशल मीडिया पर वायरल करने का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि एक व्यक्ति ने व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से उसका अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया। वहीं परिचित महिला साबिया पिता मजीद, उसका भाई बबलू पिता मजीद और बिलाल पिता फुदहू मुसलमान ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर महिला से पैसों की मांग की और फेसबुक पर वीडियो अपलोड कर उसकी बदनामी की। सिंहपुर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए ढ्ढञ्ज एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया और तीनों आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। मामले में फरार चल रहा आरोपी हिमांशु कालवांडे पिता संजय कालवांडे, निवासी सरकारी कुआं, महाराणा प्रताप नगर, जबलपुर को पुलिस ने 10 अक्टूबर को दबोच लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

ड्रोन से भयभीत ग्रामीणों ने युवक को खंभे से बांधकर पीटा, पुलिस ने नहीं किया मामला पंजीबद्ध

करवा चौथ पर युवक रिश्तेदारी में घर आया था, रात में शौच के लिए बाहर गया ग्रामीणों ने शक के चलते युवक के साथ लात-घूंसों और डंडों से जमकर मारपीट की

मातगुवां। थाना क्षेत्र में करवा चौथ पर रिश्तेदारी में आया एक युवक ग्रामीणों के शक का शिकार हो गया। ड्रोन उडऩे की अफवाहों से डरे गांव के लोगों ने युवक को चोर समझकर न केवल पकड़ लिया बल्कि उसे खंभे से बांधकर बेरहमी से पीटा।

जानकारी के अनुसार फूल सिंह प्रजापति निवासी गुलाट थाना बिजावर जो पुणे में मजदूरी करता है, करवा चौथ पर अपनी छोटी बहन चंदा और बड़ी बहन कुसुम के घर मातगुवां आया था। रात में शौच के लिए बाहर गया तो मोबाइल की रोशनी देखकर ग्रामीणों को शक हुआ। गांव में बीते दिनों से ड्रोन उडऩे की घटनाओं के चलते लोग पहले से सतर्क थे। ग्रामीणों ने उसे अज्ञात व्यक्ति समझकर पकड़ लिया और राधे, सोनू, राजेश सहित करीब 50 लोगों ने युवक के साथ लात-घूंसों और

डंडों से जमकर मारपीट की। इसके बाद बिजली के खंभे से हाथ-पैर बांधकर पीटा गया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को थाने ले गई, लेकिन आश्चर्य की बात यह रही कि मारपीट की शिकायत दर्ज नहीं की गई। युवक की पीठ पर चोट के निशान साफ दिखाई दे रहे हैं। गांव के लोगों ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से रात में गांव के ऊपर ड्रोन उड़ते देखे जा रहे हैं। पुलिस भी जांच में जुटी है लेकिन अब तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला। इसी डर के कारण गांव के लोग रात में निगरानी कर रहे हैं। मोबाइल की रोशनी देखकर ग्रामीणों ने उसे ड्रोन या चोर समझ लिया और बिना कुछ सुने पिटाई कर दी। पीड़ित फूल सिंह ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर लिखित आवेदन दिया है और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

इनका कहना है -

पीड़ित युवक द्वारा कुछ लोगों के नाम बताए गए हैं। आरोपियों के खिलाफ मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज किया जा रहा है।

अंकुर चौबे
थाना प्रभारी, मातगुवां

नशे की हालत में चिकित्सक ने अस्पताल में मचाया उत्पात

रीवा ।

संभाग के सबसे बड़े संजय गांधी अस्पताल में बीती रात मेडिसिन विभाग में तैनात चिकित्सक ने नशे की हालत में जमकर हंगामा किया। चिकित्सक ने बार्ड में जमकर उत्पात मचाया जिसके बाद वह खुद को एक कमरे में बंद कर लिया। जब मामले की शिकायत वार्ड में मौजूद अन्य चिकित्सकों ने प्रबंधन से की तो अस्पताल प्रबंधन ने उसे पकड़कर अमहिया पुलिस को सौप दिया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक मेडिसिन विभाग के वार्ड नंबर 4 में मरीज अपना इलाज करवा रहे थे, इसी दौरान डॉ विवेक नशे का हालत में पहुंचा और हंगामा शुरू कर दिया। घटना को देख अस्पताल का स्टाफ सहित मरीज और उनके अटेंडर हतप्रभ रह गए। बताया गया कि उक्त चिकित्सक से परेशन होकर अन्य स्टाफ ने प्रबंधन से लिखित शिकायत की है। अस्पताल प्रबंधन ने सूचना मिलते ही पुलिस को सूचना दी,जिसके बाद अस्पताल में मौजूद सुरक्षा अर्मियों ने डाक्टर को बंद कमरे से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी गई। अस्पताल के उप अधीक्षकडॉक्टर यत्लेश त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि देर रात अस्पताल में ड्यूटी में तैनात मेडिसिन विभाग में नर्सिंग ऑफिसर विवेक द्वारा जमकर उत्पाद मचाए जाने की शिकायत आने के बाद कार्रवाई की जा रही है। डॉ विवेक की अनुशासनहीना को लेकर अब कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। डाक्टर यत्लेश त्रिपाठी ने माना कि नर्सिंग ऑफिसर द्वारा बार्ड में उत्पात मचाया जा रहा था और वार्ड के एक कमरे ने नर्सिंग ऑफिसर द्वारा खुद को बंद भी कर लिया गया था। बहरहाल अस्पताल के स्टाफ ही जब अस्पताल में इस तरह का कृत्य करेंगे तो मरीजों और अटेंडर का यहां क्या हाल होगा समझा जा सकता है। बहरहाल मामले को लेकर अस्पताल के अन्य स्टाफ के बयान के आधार पर अस्पताल चौकी पुलिस कार्रवाई कर रही है।

अग्नि दुर्घटना में करोड़ों का माल जलकर स्वाहा

गलगला मार्केट में भड़की आग, 9 दुकानें खाक

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर के व्यस्तम क्षेत्र गलगला में शनिवार के तड़के 4 बजे के लगभग एक मार्केट में आग लग गई। यहां 9 दुकानें आग से प्रभावित हो गई। सूत्रों की माने तो इस दुर्घटना स्थल से थोड़ी दूर पटाखे की दुकान का एक स्टॉक भी रखा था, जिससे लोगों में दहशत व्याप्त हो गई। आग लगने की घटना की सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड के वाहन मौके पर पहुंचे। चूंकि तड़के यह हादसा हुआ, लिहाजा दमकल वाहन को पहुंचने में कोई परेशानी नहीं हुई। यदि यही हादसा दोपहर या शाम को हुआ होता तो हाहाकार मच जाती। हादसे की वजह अभी सामने नहीं आई है फिलहाल शॉर्ट सर्किट की संभावना जताई जा रही है। इस हादसे में प्रारंभिक तौर पर एक से डेढ़ करोड़ के नुकसान होने का अनुमान है। मार्केट में सजावट और प्लास्टिक, क्राकरी की दुकानें थी। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन घटना ने क्षेत्र के व्यापारियों में हड़कंप मचा दिया है।

घटना की जानकारी मिलते ही दुकान संचालक हितेश टेहलानी मौके पर पहुंचे तो देखा कि पूरी दुकान आग की भयंकर लपटों में घिरी हुई है। बताया जा रहा है कि कुछ ही दिन पहले उन्होंने दीवाली के लिए भारी मात्रा में सजावट और जनरल आइटम्स का स्टॉक मंगवाया था। हर साल की तरह इस बार भी वे थोक और फुटकर व्यापार करने की तैयारी में थे, लेकिन उससे पहले ही यह हादसा हो गया।

फायर ब्रिगेड के सहायक फायर अधीक्षक राजेंद्र पटेल ने बताया कि आग पर काबू पाने में 25 से 30 ट्रिप पानी का इस्तेमाल हुआ। उन्होंने कहा, "प्लास्टिक और सजावटी सामान होने के कारण आग जल्दी फैल गई और बुझाने में भी समय लगा।" सुबह 11 बजे तक भी फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर मौजूद रहीं और कूलिंग ऑपरेशन चलाया जा रहा था, क्योंकि जलने के बाद भी प्लास्टिक और अन्य सामग्री से लगातार धुआं निकल रहा था।

संसाधनों की कमी ने बढ़ाई मुश्किलें

दुकान मालिक हितेश टेहलानी ने फायर ब्रिगेड की कार्यप्रणाली और संसाधनों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, "दमकल दल के पास हाईटेक उपकरण और ऊंची सीढ़ियां नहीं थीं, जिससे आग पर जल्दी काबू पाना मुश्किल हुआ। अगर समय पर प्रभावी कार्रवाई होती, तो बड़ा हिस्सा बचाया जा सकता था।" उन्होंने यह भी बताया कि जेसीबी से शटर तोड़कर दमकल कर्मियों को अंदर प्रवेश करना पड़ा, जिसके बाद आग बुझाने की प्रक्रिया शुरू हो सकी।

अन्य दुकानों को भी था खतरा

आग की भयावहता को देखते हुए आसपास के दुकानदार भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने अपनी दुकानों को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे अन्य दुकानें और आवासीय मकान चपेट में आने से बच गए। एक व्यापारी ने बताया, "अगर यह हादसा दिन में होता, जब मार्केट में भीड़ होती, तो स्थिति और ज्यादा खतरनाक हो सकती थी।"

पड़ताल कर रही पुलिस

कोतवाली सीएसपी रितेश कुमार शिव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रहा है, लेकिन फायर ब्रिगेड और पुलिस की संयुक्त टीम घटना की पुख्ता जांच कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और आसपास के लोग स्थानीय फायर सब स्टेशन की मांग तेज इस घटना के बाद गलगला-मुकादमगंज रोड क्षेत्र के व्यापारियों ने स्थानीय फायर सब स्टेशन की मांग फिर से उठाई है। व्यापारियों का कहना है कि शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों में फायर ब्रिगेड की पहुंच देर से होती है, जिससे नुकसान बढ़ जाता है। यदि पास में एक सब स्टेशन हो, तो ऐसी घटनाओं में त्वरित कार्रवाई संभव हो सकेगी।

प्रतुल श्रीवास्तव, प्रतिमा अखिलेश को मिलेगा डॉ. सुमित्र स्मृति सम्मान

जबलपुर। पाथेय साहित्य कला अकादमी द्वारा 25 अक्टूबर 2025 को अपरान्ह 3 बजे से आयोजित डॉ. राजकुमार सुमित्र स्मृति संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह में प्रतिष्ठित साहित्यकार प्रतुल श्रीवास्तव को डॉ. सुमित्र स्मृति सृजन सम्मान एवं प्रतिष्ठित कवयित्री, कथाकार प्रतिमा अखिलेश को डॉ. सुमित्र काव्य सम्मान से अलंकृत किया जायेगा। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में क्रियाशील 21 संस्थाओं को संस्थाश्री अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी पाथेय साहित्य कला अकादमी द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में अकादमी के महासचिव राजेश पाठक प्रवीण, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. तनूजा चौधरी ने दी। राजेश पाठक प्रवीण ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि डॉक्टर सुमित्र साहित्यिक एवं सांस्कृतिक चेतना के प्रतिनिधि थे, उन्होंने 35 से अधिक साहित्यिक कृतियों का सृजन किया है, उनकी स्मृति में सम्मानित होने वाले वरिष्ठ साहित्यकार प्रतुल श्रीवास्तव का सृजन सामाजिक चेतना का सृजन है, उन्होंने अनेक कृतियों की रचना की है। उनकी रचनाओं में सामाजिक विसंगतियों के उन्मूलन का संदेश है।

प्रतिमा अखिलेश ने कम उम्र में अपनी अनेक कृतियों के माध्यम से धर्म, अध्यात्म और समसामयिक परिस्थितियों को चित्रित किया है। डॉक्टर तनूजा चौधरी एवं ज्योति मिश्रा ने डॉक्टर सुमित्र के साहित्यिक अवदान पर प्रकाश डालते हुए 25 अक्टूबर को आयोजित समारोह में साहित्य अनुरागियों से उपस्थिति का आग्रह किया है। इस अवसर पर पत्रकार वार्ता में अकादमी से डॉ. हर्ष कुमार तिवारी, यशोवर्धन पाठक,ज योति मिश्रा, विजय जायसवाल भी उपस्थित थे।

हाईकोर्ट का निर्देश

सेवानिवृत्त कर्मी को दो समयमान वेतनमान का लाभ

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक जबलपुर को निर्देश दिए हैं कि सेवानिवृत्त कर्मी को नत्थूलाल वर्मा के प्रकरण में दिए दिशा-निर्देश के तहत समयमान वेतनमान का लाभ प्रदान करें। जस्टिस एमएस भट्टी की सिंगल बेंच ने इसके लिए 60 दिन की मोहलत दी है। कटनी निवासी शिव नाथ तिवारी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि याचिकाकर्ता वन विभाग से लेखा अधीक्षक के पद से सेवानिवृत्त हुए। पहले विभाग ने उन्हें समयमान वेतनमान का पात्र मानते हुए उसका लाभ दिया। सेवानिवृत्त होने के बाद यह दलील दी कि याचिकाकर्ता उक्त लाभ का पात्र नहीं था। अतिरिक्त भुगतान बताते हुए रिकवरी भी निकाल दी। दलील दी गई कि हाईकोर्ट द्वारा नत्थूलाल वर्मा के मामले में दिए गए विस्तृत दिशा निर्देशों के तहत याचिकाकर्ता भी उक्त लाभ पाने का हकदार है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर सेन्ट्रल जेल में जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 10 अक्टूबर के अवसर पर "मन महोत्सव" कार्यक्रम के अंतर्गत नेताजी सुभाष चंद्र बोस सेंट्रल जेल जबलपुर में जेल अधीक्षक अखिलेश तोमर के आदेशानुसार एवं उप जेल अधीक्षक मदन कमलेश के मार्गदर्शन में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, शांतम प्रज्ञा आश्रम, द कनेक्ट हट संस्था के संयुक्त तत्वावधान में बंदियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य एवं सकारात्मक सोच पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मनोचिकित्सक डॉ स्वप्निल अग्रवाल ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए सकारात्मक सोच जरूरी है। श्री अग्रवाल ने बताया कि शारीरिक बीमारी की तरह ही मानसिक बीमारी होती है और समय पर उपचार मिलने पर मरीज पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य जीवन जी सकता है। द कनेक्ट हट संस्था से परामर्शदाता सुश्री समृद्धि बघेल ने मानसिक स्वास्थ्य के लिए बंदियों को विस्तार से जानकारी दी, उन्होंने बताया कि हमारे मन का निर्माण हमारे विचारों से होता है, यदि हम अपने विचारों को सकारात्मक रखेंगे तो हमारा मन भी स्वस्थ रहेगा।

शांतम प्रज्ञा आश्रम नशा मुक्ति, मनोआरोग्य, दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के संचालक साइकोलॉजिस्ट मुकेश कुमार सेन ने बताया कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन एक सफल जीवन व्यतीत करने के लिए अति आवश्यक है, योग,ध्यान के साथ-साथ भजन को अपने दैनिक जीवन में अपनाकर हम अपने मन को शांत कर सकतें हैं और यदि किसी भी प्रकार से तनावग्रस्त होकर मानसिक रूप से अस्वस्थ हो गए हैं, तो मनोचिकित्सक से नियमित उपचार लेना चाहिए। कार्यक्रम में मंच संचालन मनोवैज्ञानिक तेजसिंह ठाकुर ने किया व कार्यक्रम में कल्याण अधिकारी सरिता धारू व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बच्चों को मिलेगी व्यवस्थित शिक्षा

मंत्री इन्दर सिंह परमार ने विधायक रोहाणी के साथ किया साइंस कॉलेज और खमरिया कॉलेज का निरीक्षण

जबलपुर। शनिवार को मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा मंत्री, तकनीकी शिक्षा मंत्री एवं आयुष विभाग मंत्री इन्दर सिंह परमार के द्वारा विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी के साथ साइंस कॉलेज और खमरिया कॉलेज का निरीक्षण किया गया जिसमें मंत्री ने साइंस कॉलेज और खमरिया कॉलेज की पूरी बिल्डिंग का निरीक्षण किया। साथ ही सभी कक्षाओं और लैब का भी निरीक्षण मंत्री द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान साइंस कॉलेज बिल्डिंग में जो भी कमियां दिखाई दीं उसे तत्काल ठीक करने के निर्देश मंत्री द्वारा दिए गए। साथ ही लैब में प्रैक्टिकल संबंधित उपकरण व्यवस्थित नहीं पाए जाने पर उसे भी ठीक करने का निर्देश दिया गया। उसके पश्चात खमरिया महाविद्यालय में निरीक्षण के दौरान पूरी बिल्डिंग क्षतिग्रस्त होने के कारण बिल्डिंग की स्थिति ठीक नहीं पाई गई, क्योंकि यह बिल्डिंग ऑर्डिनेंस फैक्ट्री खमरिया के अंतर्गत आती है जिसके कारण इसमें किसी भी प्रकार का सुधार कार्य नहीं किया जा सकता, इसके लिए विधायक अशोक रोहाणी का लंबे समय से यह प्रयास रहा है कि इस बिल्डिंग को गणेशगंज रांझी विद्यालय में शिफ्ट कराया जाए और वहां खमरिया कॉलेज की नई बिल्डिंग का निर्माण किया जाए जिसमें बच्चों को व्यवस्थित शिक्षा मिल सके, इसके लिए विधायक के प्रयासों के कारण आज उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने खमरिया महाविद्यालय की बिल्डिंग को गणेशगंज रांझी में शिफ्ट करने की अनुशंसा आज कर दी। इसके लिए 10 करोड़ रुपए की राशि भी स्वीकृत की है, इसके लिए रांझी और खमरिया के सभी क्षेत्रीयजनों की तरफ से मंत्री और विधायक को हृदय से धन्यवाद दिया गया। आज के इस निरीक्षण में कैंट विधायक अशोक रोहाणी, मंडल अध्यक्ष पुष्पराज सिंह सेंगर, मंडल अध्यक्ष आशीष राव, जन भागीदारी अध्यक्ष साइंस कालेज माइकल प्रदीप कपूर, डॉ कमल विश्वास, पार्षद श्याम कनोजिया, विधायक प्रतिनिधि अंकित फ्रांसिस, वार्ड पार्षद एवं एमआईसी सदस्य दामोदर सोनी, पार्षद अनुराग दहिया, पार्षद निशांत झरिया, पार्षद संतोषी ठाकुर, महामंत्री हेमराज सराटे, महामंत्री सुधीर बेन बंटी, वरिष्ठ भाजपा नेता पप्पू सोनकर एवं समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारतीय शैली कुश्ती संघ प्रदेश कार्यकारिणी की 21वीं बैठक संपन्न

जबलपुर। भारतीय शैली कुश्ती संघ प्रदेश की प्रदेश कार्यकारिणी एवं जिला अध्यक्ष/ सचिवों की आवश्यक बैठक 11 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे होटल बग्गा इन एलआईसी, मदन महल के पास, जबलपुर में रखी गई। इस बैठक का शुभारंभ जबलपुर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू द्वारा किया गया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष कपिल मलैया, मन्तो पहलवान, वरि. प्रांतीय उपाध्यक्ष संतोष तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद कछवाहा, प्रांतीय महासचिव अर्जुन यादव, जिला उपाध्यक्ष अजय नीलकंठ असैया (अजय पहलवान) सम्मिलित हुये।

स्ट्रेंग्थ लिफ्टिंग, इन्क्लाइन बेंच प्रेस व नेशनल चयन ट्रायल आज

जबलपुर। मध्यप्रदेश स्ट्रेंग्थ लिफ्टिंग एवं इनक्लाइन बेंच प्रेस चैम्पियनशिप एवं नेशनल में भाग लेने के लिए चयन ट्रायल 12 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे ऊँ सांई पैलेस सैनिक सोसायटी मदन में आयोजित है। इसमें प्रदेश के सब जूनियर, जूनियर, सीनियर, मास्टर एवं डिसेबिल्ड महिला एवं पुरुष खिलाड़ी भाग लेंगे। चयनित खिलाड़ी गंगटोक सिक्किम में 10 से 13 नवम्बर तक होने वाली 35वीं राष्ट्रीय स्ट्रेंग्थ लिफ्टिंग एवं इनक्लाइन बेंच प्रेस चैम्पियनशिप में मध्यप्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

संत रविदास विचार मंच की सभा 19 को

जबलपुर। संत रविदास विचार मंच के सलाहकार मंत्री मोहन लाल चौधरी ने बताया कि 19 अक्टूबर को मध्यान्ह 12.30 बजे से रामसिंह चौधरी के निवास पर मंच की सभा आयोजित की गई है। यह सभा मदन महल स्टेशन रोड स्थित बढ़ई मोहल्ला सामुदायिक भवन में आयोजित है। सभा के मुख्य अतिथि अध्यक्ष शारदा प्रसाद चौधरी होंगे, अध्यक्षता रामसिपाही सेठ करेंगे। मंच के तुलसीराम चौधरी, मनोज कुमार, बृजलाल चौधरी, डॉ. मानिकलाल जाटव, श्यामलाल चौधरी, महिला प्रकोष्ठ से सियाबाई, रामकली, चंदाबाई, रामबाई, सीताबाई, मीना चौधरी मीना चक्रवर्ती आदि ने सभा में उपस्थिति की अपील की है।

प्रदेश में ओल्ड पेंशन स्कीम लागू की जाए

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष - रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि केंद्र सरकार द्वारा कर्मचारियों के लिए न्यू पेंशन स्कीम तथा यूनिफाइड पेंशन स्कीम लाई गई है जब यह पेंशन योजना इतनी ही अच्छी है तो माननीयों पर भी ट्रॉयल किया जाना चाहिए, क्योंकि जनता नेताओं को देशहित के लिए चुनती है। अतः मुख्यमंत्री से अनुरोध है कि प्रदेश में ओल्ड पेंशन स्कीम लागू की जाए। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, हेमन्त ठाकरे, मीनूकांत शर्मा, राजेश सहारिया, राकेश श्रीवास, रऊफ खान, दिनेश गोंड, गुडविन चार्ल्स, शहीर मुमताज़, राजकुमार यादव, दीपेश जैन, एनोस विक्टर, आदि ने मुख्यमंत्री से मांग की है।

पीएम धन धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ

सौ आकांक्षी जिलों में कृषि को सशक्त बनाया जाएगा

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 अक्टूबर, 2025 को तीन ऐतिहासिक पहलों — प्रधान मंत्री धन धान्य कृषि योजना, दलहन आत्मनिर्भरता मिशन, तथा राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन का शुभारंभ सहित नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में 1100 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र के समग्र विकास, विशेष रूप से 100 चयनित आकांक्षी जिलों में कृषि को सशक्त बनाने के लिए 42 हजार करोड़ रुपये का आवंटन किया। इन पहलों का उद्देश्य भारतीय कृषि को मजबूत बनाना, उत्पादकता बढ़ाने, आधारभूत ढांचे में सुधार करने, और सतत खेती को प्रोत्साहित करना है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने पिछले 11 वर्षों में कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुई महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की कृषि अब नवाचार, आत्मनिर्भरता और सतत विकास के नए युग में प्रवेश कर रही है। इन पहलों के माध्यम से हमारे किसान न केवल देश का पेट भरेंगे, बल्कि देश को समृद्धि की दिशा में अग्रसर भी करेंगे। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह, कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं राज्य कृषि मंत्रीगण, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रतिनिधि, राज्य कृषि विभागों के अधिकारी, तथा देशभर के लाखों किसान प्रत्यक्ष और आभासी रूप से इस कार्यक्रम में शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने भाषण में किसानों और कृषि क्षेत्र के समर्थन हेतु जीएसटी 2.0 के लाभों का उल्लेख किया। वहीं मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने अपने संबोधन में इन क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। कार्यक्रम के दौरान शुरू किया गया दलहन आत्मनिर्भरता मिशन भारत को अरहर, उड़द और मसूर जैसी प्रमुख दालों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखना है। यह मिशन उच्च गुणवत्ता वाले बीज वितरण, क्लस्टर आधारित खेती, जलवायु सहनशील नवाचारों और आधुनिक फसलोपरांत अवसंरचना पर केंद्रित है। इस कार्यक्रम के तहत आईसीएआर-खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर में लगभग 303 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें निकटवर्ती गांवों के किसान, निर्देशालय के वैज्ञानिक एवं अन्य कर्मचारी शामिल थे। कुल प्रतिभागियों में से 104 महिलाएं थीं और 3 सरपंचों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर वैज्ञानिकों द्वारा प्राकृतिक खेती, दलहन मिशन, और फसल में खरपतवार प्रबंधन पर संक्षिप्त व्याख्यान भी प्रस्तुत किए गए। उपरोक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता, निदेशालय के निदेशक डॉ जे एस मिश्र, ने की तथा प्रतिभागियों को संबोधित किया, डॉ पीके सिंह, प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम संयोजक ने उपरोक्त मिशन की महत्ता बताई।

चौराहों पर ट्रेफिक स्टेंड बनाए जाने का सुझाव

दीवाली के ट्रेफिक में ई रिक्शों ने मुश्किलें बढ़ाई

जबलपुर। दीपावली त्यौहार में सड़कों पर ट्रेफिक बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन रुट परमिटों से छूट मिलने का लाभ उठाकर सड़कों पर कही भी चलने या रुकने से ई रिक्शों ने यातायात मुश्किलें बढ़ा दी है। अतः जिला प्रशासन तत्काल दीपावली त्यौहार विशेष ट्रेफिक प्लान बनाए, जिसमें ट्रेफिक स्टेंड बनाए जाए। यह सुझाव नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने जिला प्रशासन को पत्र भेजा तथा शनिवार को अतिरिक्त एसपी (ट्रेफिक) अंजना तिवारी से भी चर्चा की। डॉ.पीजी नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने बताया कि मोटरयान अधिनियम 1988 के तहत ट्रेफिक स्टेंड बनाने का प्रावधान है, अतः नगर निगम से समन्वय कर कुछ चौराहों पर जगहों का नाप लेकर ट्रेफिक स्टेंड बनाए जाए, यदि इन स्टेंडस में ई रिक्शों हेतु स्टॉपेज के निर्देश दिए जायेंगे, तो गैर कानूनी नहीं होगा। इससे ई रिक्शों पर नियंत्रण होगा। अतिरिक्त एसपी ट्रेफिक अंजना तिवारी ने बताया कि यह सुझाव विचार योग्य है, अतः इसे विचारार्थ लिया जाएगा।

पोल शिफ्टिंग के दौरान हुआ हादसा

जबलपुर। शनिवार शाम पनागर के अंतर्गत रैपुरा गांव में पोल शिफ्टिंग के दौरान हुए हादसे में बिजली लाईनमेन की मृत्यु की खबर है। खंबे पर ही करैंट लगने से उसके शरीर तारों में लटककर आग में झुलस गया। एक राहगीर की बांस से तार हटाकर उसे बचाने की कोशिश काम नहीं आई, बाकी लोग मोबाइल पर रील बनाने में लगे रहे।

CHANGE OF NAME AND DATE OF BIRTH
I, RANI DEVI W/O SURESH SINGH R/O VILL-GALETHA, PO-GALETHA, TEH-JOURA, PS-BAGCHINI, DISTT-MORENA (MP)-476219 I, have changed of my name and date of birth from name SUNEETA DEVI and date of birth 04/02/1969 (Name and date of birth as per my SON, 15715961X RANK HAV NAME SONU SINGH of unit 2 TTR HQ 1 STC, JABALPUR Army service records) to name RANI DEVI and date of birth 01/01/1970 (name and date of birth as per my AADHAR CARD) vide affidavit dated 11/10/2025 formerly before Public Notary MP Public Notary MP HIGH COURT, JABALPUR
CORRECT NAME
RANI DEVI
CORRECT DATE OF BIRTH
01/01/1970
INCORRECT NAME
SUNEETA DEVI
INCORRECT DATE OF BIRTH 04/02/1969

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 1 गढ़ा, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्र/संभा.अधि./01/गढ़ा2025/एम/242(2025-2026)
दिनांक :- 07/10/2025
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती गीता कोरी पति श्री विजय कुमार कोरी ने भूखंड क्र. 05 पिन नं. 1004348197 वार्ड क्र. 03 वार्ड त्रिपुरी के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ट अनुसार) श्रीमती प्रियांशी चौरसिया पति रोहित चौरसिया के स्थान पर क्षेत्रफल प्लाट भूतल 963 वर्ग विक्रयपत्र/दानपत्र/सहमतिशपथ पत्र/मृत्यु प्रमाणपत्र/वसीयतनामा/त्यागपत्र/रिलीजडीड/बंटवारा नामा/चुकतानामा/अपंजीकृत विक्रय पत्र/पारिवारिक व्यवस्था पत्र/विक्रय अनुबंध के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-01 गढ़ा में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जावेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।
संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.01 गढ़ा
नगर निगम, जबलपुर

आइलैंड पर रहने की नौकरी, 200 भेड़ों-25 गायों की करनी होगी देखभाल

लंदन। बहुत से लोगों को शहरों में रहकर नौकरी करना पसंद है, वहीं कई लोग एकांत पसंद करते हैं। शहरी नौकरियां को आपको काफी मिल जाएंगी, मगर एकांत वाली जॉब मिलना मुश्किल है। अब एक आइलैंड पर ऐसी ही नौकरी उपलब्ध है। यहां 200 भेड़ों और 25 गायों की देखभाल करनी है। ये काम उन लोगों के लिए बहुत अच्छा होगा जो शांत जगहों पर रहना पसंद करते हैं। पर परेशानी की बात ये है कि यहां पर न बिजली है, न गाड़ियां और न ही दुकानें।

पूरी तरह प्राकृतिक जीवन पर आधारित है द्वीप

ब्रिटेन के तट से दूर स्थित एक रहस्यमय द्वीप एन्ली द्वीप (जिसे बार्डसे आइलैंड भी कहा जाता है) पर अब एक परिवार या जोड़े की तलाश की जा रही है, जो इस द्वीप पर रहकर वहां के 200 भेड़ों और 25 वेल्श ब्लैक गायों की देखभाल करे। यह द्वीप उत्तर वेल्स के ल्लिन प्रायद्वीप के पास स्थित है और अपनी प्राकृतिक सुंदरता, आध्यात्मिक महत्व और एकांत जीवनशैली के लिए प्रसिद्ध है। लगभग 20 वर्षों में पहली बार, इस द्वीप के मालिकों ने एक नए परिवार या जोड़े को यहां बसने और खेती संभालने का मौका दिया है। यह अवसर 'जिंदगी का सबसे अनोखा मौका कहा जा रहा है। द्वीप पूरी तरह प्राकृतिक जीवन पर आधारित है- यहां न बिजली है, न गाड़ियां, न दुकानें, न ही स्कूल।

न बिजली, न गाड़ियां और न ही हैं दुकानें!

एकांत भरा जीवन जीने वालों के लिए है ये काम

द्वीप का प्रबंधन बार्डसे आइलैंड ट्रस्ट के पास है, जो यहां संरक्षण और खेती दोनों को संतुलित रखता है। ट्रस्ट ने बताया कि यह काम 'प्रकृति-प्रेमी' परिवारों के लिए है जो एकांत, सादगी और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा जीवन जीना चाहते हैं। यह संरक्षण खेती की भूमिका होगी, जहां पशुपालन के साथ-साथ द्वीप की पारिस्थितिकी और विरासत को भी सुरक्षित रखना होगा। वर्तमान में यहां के खेतों की देखरेख गैरेथ रॉबर्ट्स कर रहे हैं, जो 1973 से इस द्वीप से जुड़े हैं और 2007 से यहां खेती कर रहे हैं। वे अब 2026 में रिटायर होंगे, जिसके बाद नए परिवार को मौका मिलेगा। गैरेथ नए निवासियों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देंगे, ताकि वे इस विशेष जीवनशैली में ढल सकें।

तंत्र-मंत्र नहीं, इस ताकत की बदौलत चलते हैं रोमानिया के रहस्यमयी पत्थर

बुकेरेस्ट। कोई निर्जीव वस्तु अपनी जगह बदलकर किसी दूसरी जगह चली जाए, ऐसी बात कोई सपने में भी नहीं सोंच सकता है। दरअसल, ऐसा होना प्रकृति के सिद्धांत के विपरीत है। लेकिन, हम अगर आपको कहें कि ऐसा हो सकता है तो क्या आपको यकीन होगा? जाहिर सी बात है आपको ये बात अटपटी लग सकती है। हालांकि, ये पूरी तरह सच है। दरअसल, एक ऐसा देश है जहां पर मामूली से दिखने वाले पत्थर अपनी जगह बदल लेते हैं और अलगे दिन आपको दूसरी जगह पर मिलते हैं।

इस देश में होती है ये घटना : दरअसल, जिस घटना के बारे में हम बात कर रहे हैं वो रहस्यों के देश रोमानिया में घटती है। इस घटना को देखने और समझने के लिए यहां हर साल लाखों की संख्या में टूरिस्ट आते हैं। लेकिन, 99% लोगों को ये नहीं पता होता है कि आखिर ये घटना होती कैसे है और आखिर निर्जीव पत्थर किस ताकत या एनर्जी की बदौलत खुद ही चलने लगते हैं।

पौराणिक किदवंतियां

लोगों का मानना है कि ये अजीबो-गरीब घटना भूतिया रहस्यों से जुड़ी हुई है। इनसे जुड़ी कई पौराणिक किदवंतियां आज भी वहां के लोगों के बीच चलती हैं। रोमानिया में एक छोटा-सा शहर कोस्टेस्टी है जो अपने अजूबे पत्थरों के लिए हमेशा चर्चा में रहता है। इन रहस्यमयी पत्थरों को ट्रोवेन्ट कहा जाता है। ट्रोवेन्ट का मतलब है 'बढ़ते पत्थर', जिससे ये समझा जा सकता है कि ये पत्थर अपनी जगह पर चलते हैं, जिसकी वजह से इन्हें ये खास नाम दिया गया है।

चलते पत्थरों को देखना खौफनाक

ट्रोवेन्ट पत्थर अलग-अलग में मौजूद हैं, जो ज्यादातर चिकने और किसी पंछी के अंडे की तरह नजर आते हैं। कई बार पत्थर 15 फीट के भी होते हैं, वहीं छोटे ट्रोवेन्ट कुछ ग्राम के हो सकते हैं। ये देखना बेहद ही हैरान करने वाला होता है कि ये पत्थर अपनी जगह से आगे बढ़ते रहते हैं और इन्हें धीरे-धीरे आगे बढ़ता हुआ देखना किसी को भी हैरान कर सकता है। कुछ लोग तो इतना डर जाते हैं कि इनके पास भी जाने से कतराते हैं।

क्या है पत्थरों के चलने का कारण

इन पत्थरों को लिविंग स्टोन्स के नाम से भी जाना जाता है। ये पत्थर भूतिया हैं इन आशंकाओं के चलते लंबे समय तक जगह के आसपास कोई आबादी नहीं बस सकी। यहां के ज्यादातर लोग इन पत्थरों को भूतिया ही मानते हैं, लेकिन असलियत कुछ और है। दरअसल, रोमानियाई ट्रोवेंट पत्थर खनिज संचय और विस्तार की एक प्रक्रिया के कारण 'बढ़ते' और अपना आकार बदलते हुए दिखाई देते हैं। यह प्रक्रिया बारिश के पानी की वजह से शुरू होती है। जब बारिश का पानी इन पत्थरों के रेतीले खोल के अंदर जाता है तो ये दबाव और आंतरिक वृद्धि उत्पन्न करता है, इसी की वजह से पत्थर चलते प्रतीत होते हैं।

समुद्र में रहने वाले एंसिएंट सी स्पंज थे पृथ्वी पर सबसे पहले जानवर

वॉशिंगटन। पृथ्वी पर सबसे पहला जानवर कौन सा था? इस सवाल पर लोगों के पास कई तरह के जवाब होते हैं। लेकिन, अब इस सवाल का जवाब एमआईटी (मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) के वैज्ञानिकों ने खोजने की कोशिश की है। एमआईटी के वैज्ञानिकों की नई खोज के अनुसार ये पता चला है कि पृथ्वी पर सबसे पहले जानवर समुद्र में रहने वाले एंसिएंट सी स्पंज थे। इस जीवों की पहचान 541 मिलियन साल पुराने चट्टानों में मिले केमिकल अवशेषों से हुई। पहले ऐसा माना जाता था कि कॉम्प्लेक्स लाइफ की शुरुआत कैंब्रियन पीरियड से हुई थी, लेकिन इस खोज की माने तो, इससे पहले भी स्पंज जैसे जीव का अस्तित्व था।

चट्टानों में छिपे थे स्पंज के जीवन के केमिकल ट्रेसेस

साइंटिस्ट की माने तो, वेस्टर्न इंडिया और साइबेरिया की चट्टानों के रिसर्च करने पर ये बात सामने आई। इसके अनुसार इन चट्टानों में स्टेरेन नाम के ऐसे केमिकल मिले, जो कि जीवों के सेल्स में पाए जाते हैं। खासकर इनमें सी30 और सी31 स्टेरेन मिले, जो केवल डेमोस्पंज नाम के स्पंजों में ही बन सकते हैं। ऐसे में ये साबित करता है कि करोड़ों साल पहले समुद्र में ऐसे जीव रहा करते थे।

एमआईटी के साइंटिस्ट ने किया चौंकाने वाला खुलासा

फ्यूचर रिसर्च में मदद

अब जब ये साबित हो गया है कि ये केमिकल ट्रेस प्राचीन जीवों से आए हैं, तो साइंटिस्ट अब दूसरे जगहों की चट्टानों में भी इसी तरह के मॉलिक्यूल्स की खोज कर रहे हैं। इससे यह साफ होगा कि पृथ्वी पर पहले जीव कब और कैसे विकसित हुए। एमआईटी प्रोफेसर रॉजर समंस कहते हैं कि अब हमारे पर प्रमाण है कि स्पंज पृथ्वी के सबसे पहले जानवरों में से एक था।

इवोल्यूशन में स्पंजों का बड़ा योगदान

आपको बता दें, ऐसे में स्पंज बड़े ही साधारण जीव होते हैं, लेकिन इनका पृथ्वी के इवोल्यूशन में बड़ा हाथ है। ये पानी से पोषक तत्व छानकर खाते हैं और समुद्र के ऑक्सीजन लेवल को बढ़ाने का काम करते हैं। ऐसे करने से इनकी मदद से दूसरे जटिल जीवों के ग्रोथ का रास्ता खुलता है। यह प्रोसेस लाखों सालों में कैंब्रियन विस्फोट का कारण भी बनी है, जब पृथ्वी में जीवन तेजी से विकसित हो रहा था।

इन देशों में पानी नहीं, बल्कि बीयर से नहाते हैं लोग

बर्लिन। दुनिया भर में कई अजीबोगरीब ट्रेंड देखने को मिलते हैं। दुनिया के कुछ देशों में एक अनोखा चलन है, जो लोगों को हैरान करता है। यहां लोग नहाने के लिए पानी का नहीं, बल्कि बियर का इस्तेमाल करते हैं। यह जानकर अजीबोगरीब लग रहा होगा, लेकिन इसे हेल्थ ट्रीटमेंट माना जाता है। यूरोप के कई देशों में बीयर स्पा लोकप्रिय है। यहां पर लोग झागदार बियर से भरे टब में घंटों आराम करते हैं और इसे शरीर और दिमाग के लिए फायदेमंद बताया जाता है। इन देशों में बियर सिर्फ पीने के लिए, बल्कि नहाने के लिए भी इस्तेमाल होता है। यूरोप में इस परंपरा को कई सौ साल पुराना माना जाता है। कहा जाता है कि मध्यकाल में लोगों को मानना था कि बियर में मौजूद खमीर और हॉप्स त्वचा को साफ करने और शरीर को ताजगी देने में मदद करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बीयर स्पा चलाने विशेषज्ञ दावा करते हैं बियर से नहाने से शरीर को कई तरह से फायदे होते हैं, जैसे कि बियर में मौजूद यीस्ट और विटामिन बी त्वचा को स्मूद और ग्लोइंग बनाने का काम करते हैं। झागदार टब में बैठकर लोग खुद को रिलैक्स महसूस करते हैं।

रहस्यमयी व्हेल द्वीप के दिल में छिपा है पाताल लोक

लंदन। बेलीज में मौजूद लाइटहाउस रीफ नाम की जगह ने खोज करने वालों और वैज्ञानिकों दोनों को लंबे समय से आकर्षित किया है। अंतरिक्ष से देखने पर यह द्वीप एक व्हेल मछली के आकार का दिखता है और यह ग्रेट ब्लू होल का घर है, जो पृथ्वी के सबसे मशहूर समुद्री चमत्कारों में से एक है। एक रिपोर्ट के अनुसार यह द्वीप समूह ना सिर्फ अपने अनोखे आकार के कारण, बल्कि अपने पानी में छिपे गहरे रहस्यों के कारण भी लोगों का ध्यान खींच रहा है। अंतरिक्ष से देखने पर इस द्वीप का आकार बहुत सुंदर और रहस्यमय दोनों लगता है।

वैज्ञानिकों को मिला डेढ़ लाख साल पुराना सबूत

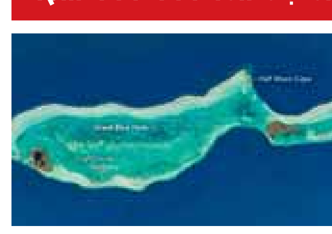

कितना बड़ा है ये आईलैंड?

यह द्वीप समूह 60 वर्ग मील में फैला हुआ है और यह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल बेलीज बैरियर रीफ रिजर्व सिस्टम का हिस्सा है। ऊपर से देखने पर यह अद्भुत मूंगा संरचना ना केवल व्हेल जैसी दिखने की वजह से बल्कि इसके चारों ओर मौजूद चमकीले नीले-हरे पानी के कारण भी ध्यान खींचती है।

कहां है ये जगह?

बेलीज के तट से लगभग 50 मील दूर एक सुंदर द्वीप समूह है, जिसका नाम है लाइटहाउस रीफ। यह एक आकर्षक द्वीप समूह एटोल है, जिसके बीच में एक गहरा और अंधेरा पानी का छेद या सिंकहोल है और उसके चारों ओर उथली मूंगा चट्टानें हैं। इसका आकार तुरंत ही ध्यान खींचता है, यह ऐसा लगता है मानो एक व्हेल मछली समुद्र से बाहर निकल रही हो और ग्रेट ब्लू होल उसका ब्लोहोल हो।

कुछ महीने के बच्चे ने ऐसे पढ़ी एबीसीडी, देखकर चौंक गए लोग

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर बच्चों के काफी क्यूट- क्यूट वीडियो वायरल होते हैं, वहीं उनमें से कुछ वीडियो तो ऐसे होते हैं, जिन्हें देखने के बाद हम सभी हैरान हो जाते हैं। ऐसा ही एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक बहुत ही छोटा सा बच्चा पढ़ाई-लिखाई कर रहा है। यकीनन बच्चे को पढ़ता देख आप यकीन नहीं कर पाएंगे। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में देख सकते हैं, एक छोटा बच्चा, जिसकी उम्र 1 से डेढ़ साल के आसपास लग रही है, वह एबीसीडी को आसानी से पढ़ पा रहा है। उस छोटे बच्चे के बगल में एक और बच्चा बैठा है, जो उसे इंग्लिश के अल्फाबेट लिख कर दिखा रहा है और छोटा बच्चा लिखे गए अल्फाबेट को पढ़ रहा है। पहले छोटा बच्चा ए पढ़ता है, फिर सी, ओ, एम को पढ़ने लगता है। बच्चा काफी ध्यान से हर एक अल्फाबेट को देखता है। , समझता है और फिर उसे पढ़ता है। बता दें, जहां 1 से डेढ़ साल के बच्चे आसानी से बोल नहीं पाते हैं, वहीं यह बच्चा पढ़ रहा है। जो सच में काफी अनोखी बात है। एक यूजर ने लिखा, 'कहीं ये खान सर का बेटा तो नहीं', दूसरे यूजर ने लिखा, 'लगता है इसकी मम्मी एसएससी की तैयारी कर रही थी जब पेट में था', तीसरे यूजर ने लिखा, ' बच्चे ने आज का कंपटीशन देखते हुए अभी से पढ़ना शुरू कर दिया है'।

राशिफल

मेष: कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष: मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

मिथुन: परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

कर्क: आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह: बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या: नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला: भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक: जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

धनु: व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर: परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

कुंभ: मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन: तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

वफादार कुत्ते ने बचाई 86 साल की बुजुर्ग महिला की जान

न्यूयार्क। जानवरों में सबसे बड़ा वफादार डॉग होता है। इंसानों के दिल के सबसे करीब अगर कोई जानवर है, तो वो डॉग है। अब इसका एक जीता-जागता उदाहरण फ्लोरिडा से आया है, जहां एक कुत्ते ने साबित कर दिया है कि वफादारी कुत्तों के सबसे खास गुणों में से एक क्यों है। दरअसल, देर रात सड़क पर गश्त लगाने वाले पुलिस अधिकारियों ने दिल को छू लेने वाला एक बॉडी कॉम फुटेज जारी किया है, जिसमें ईयोर नाम का एक वफादार कुत्ता डेस्टिन में डिप्टी डेवोन मिलर को अपनी 86 साल की लापता दादी के पास ले जाता हुआ दिखाई दे रहा है। बुजुर्ग महिला 25 सितंबर को रात करीब 10:30 बजे ईयोर के साथ टहलते समय गिरकर घायल हो गई थी। जब वह घर नहीं लौटी तो उसके पति ने उसके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। ओकलूसा काउंटी शेरिफ ऑफिस ने सोमवार को फेसबुक पर यह वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें पति डरी हुई आवाज में बोल रहा है। उसने कहा, 'वह बस उस कुत्ते को ले जाती है , लेकिन 10 या 15 मिनट में वापस आ जाती है, अब लगभग एक घंटा हो गया है'। वीडियो में पुलिस अधिकारी को कार से लौटते हुए देखा जा रहा है। रास्ते में उन्होंने कुत्ते को देखा।

'गोल्डन पिलर्स' को किया सम्मानित

इंदौर। पीआर एजेंसी पीआर 24x7 ने 'गोल्डन पिलर्स' यानी 10 वर्षों से अधिक समय से संगठन के साथ जुड़े समर्पित कर्मचारियों को विशेष सम्मान प्रदान किया। यह समारोह 'पीआर 24x7 2.0' के रूप में एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक साबित हुआ। इस अवसर पर कंपनी ने पैन-इंडिया स्तर पर अपनी सेवाओं का विस्तार करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य घोषित किया है, जो रीजनल मीडिया नेटवर्क की ताकत को राष्ट्रीय पटल पर ले जाने की दिशा में एक ठोस कदम है। इस समारोह में गोल्डन पिलर्स उज्जैन सिंह चौहान, विकास राजोरा, परिणीता नागरकर खेले, संसृति मिश्रा, नेहा गौर, दीपक चड्ढा, मीना बिसेन और विनीत भट्ट को न केवल उनके दशकों लंबे योगदान के लिए सम्मानित किया गया, बल्कि उन्हें नई जिम्मेदारियाँ भी सौंपी गईं।

इस मौके पर फाउंडर डॉ. अतुल मलिकराम ने कहा, ये गोल्डन पिलर्स कंपनी के स्तंभ हैं, जिनकी निष्ठा और विशेषज्ञता ने पीआर 24x7 को भारत की सबसे विश्वसनीय रीजनल पीआर एजेंसी के रूप में स्थापित किया है।" उन्होंने कहा, ये हमारे गोल्डन पिलर्स न केवल कर्मचारी हैं, बल्कि परिवार के वे सदस्य हैं जिन्होंने पिछले एक दशक से अधिक समय में हर उतार-चढ़ाव में साथ निभाया। उनका समर्पण ही हमें पीआर 24x7 2.0 की ओर ले जा रहा है, जहां हम डिजिटल और इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग को मजबूत कर पैन-इंडिया विस्तार करेंगे। यह सम्मान उनकी निष्ठा का प्रतीक है, जो हमें नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में सहयोगी रहेगा।

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
बंगाली 47 वर्ष
स्वयं का व्यापार
वर हेतु सुन्दर,
सुशिक्षित वधु चाहिए
जाति बंधन नहीं
सन्तान सहित
भी स्वीकार
मैरिज ब्यूरो क्षमा करें
सम्पर्क करें
6268373521

वधु चाहिए

वधु चाहिए-सरयूपारी ब्राह्मण पुत्र जन्मतिथि 04.07.1990, रायपुर हाइट 5' 10" सॉफ्टवेयर इंजीनियर, प्रथम श्रेणी, सीएस बीटीयू भिलाई से, व्यवसाय-बिजनेस हॉबीज, म्यूजिक, ऑटोमोबाइल, पिता रिटायर्ड गजटेड ऑफिसर, माता गजटेड क्लास वन ऑफिसर। सभी जातियों से ब्राह्मण संपर्क करें। -9826430448. (6736)

शब्द पहेली - 6016

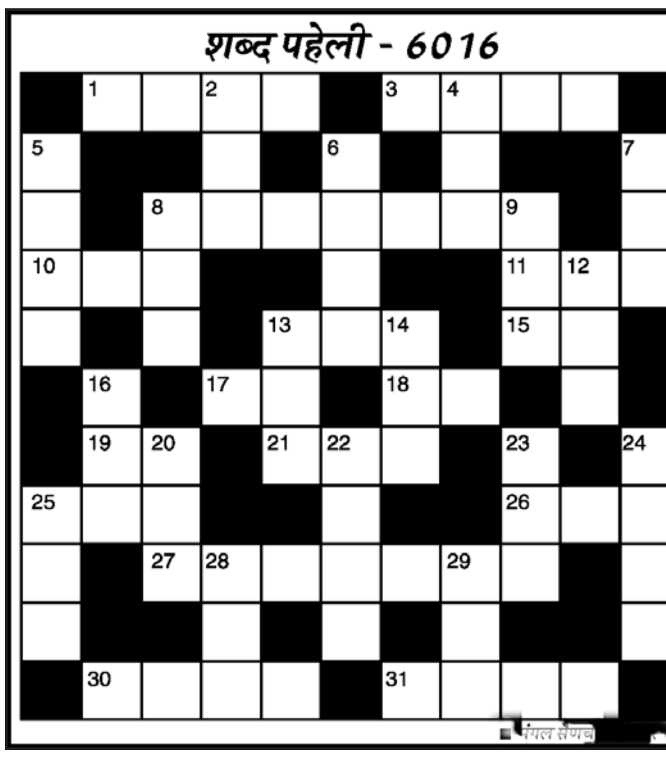

बाएँसेदाएं

1. बादलों की गड़गड़ाहट-4
3. नीरस, रस विहीन-4
8. नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10. कंठस्थ करना-3
11. जुड़वा-3
13. उक्ति,काव्य कृति-3
15. आने वाला दिन-2
17. पर,पराया,दूसरा-2
18. हाथ-2
19. कविता लिखने वाल-2
21. बजाने वाला-3
25. कक्ष,रूम-3
26. ठिकाना,नीड़-3
27. हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30. अभिप्राय-4
31. आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2. तरुणाई,लड़कपन-3
4. सहायता,आधार-3
5. बीताना,यापन करना-4
6. दिखावा,पाखंड-4
7. जरुरत,स्वार्थ-3
8. राजी करना-3
9. योग्य-3
12. मसलना-3
13. इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14. सुगंध,लास-3
16. रोकड़ राशि-3
20. रुकना, स्थिर होना-3
22. विजय दशमी -4
23. भोर,सवेरा-3
24. सना हुआ,तर-4
25. छल,धोखा-3
28. अनुकृति-3
29. श्रंगार -3

शब्द पहेली - 6015 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क	■	का	रा	बा	स
ज	ल	■	र	■	म	छ	ली	■	र	मा
र	■	अ	दा	का	र	■	न	र	■	था
अ	र	मा	न	■	बं	द	■	ज	मी	न
म	■	न	■	म	द	म	स्त	■	रा	■
र	ज	त	प	ट	■	क	र	म	ज	ला
■	प	■	ट	क	रा	ना	■	स	■	ल
मु	ना	दी	■	ना	ग	■	द	ल	ह	न
ला	■	प	री	■	गा	ड़ी	वा	न	■	पा
का	का	■	त	न	य	■	घ	■	न	ल
त	र	सा	ना	■	न	ग	र	भ	व	न

सूडोकु नवताल - 6026

मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

MANGAL SEMACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6025 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

दीपावली सदियों से धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व के रूप में मनाई जा रही है। लेकिन अब इसका स्वरूप राष्ट्रीय, आर्थिक और भावनात्मक एकता का रूप ले चुका है। दीपावली की चमक अब केवल तेल के दीयों में नहीं रही बल्कि डिजिटल स्क्रीन, वैश्विक समारोहों, आर्थिक गतिविधियों में भी हर जगह भारत की सांस्कृतिक शक्ति के रूप में झिलमिलाती है।

धर्म-संस्कृति-आस्था के साथ अर्थव्यवस्था का महापर्व दीपावली

आवरण कथा
शैलेंद्र सिंह

दीपावली अगर पहले के दौर में केवल दीप और पूजा का पर्व था, तो आज यह डिजिटल भारत की संपन्नता और सशक्ति का प्रतीक बन चुकी है। आज हर राज्य, हर भाषा और हर वर्ग के लोग अलग-अलग तरीके से दीपावली को जोरदार तरीके से सेलिब्रेट कर रहे हैं। यह भारत के किसी भी अखिल भारतीय उत्सव का सबसे बड़ा सिंबल है। एक जमाना था, जब गांवों में मिट्टी के दीयों से रोशनी की कतार झिलमिलाती थी। आज उत्तर हो या दक्षिण, पूर्व हो या पश्चिम, देश के सभी शहरों में एलईडी की इंद्रधनुषी झालरें दीपावली के मौके पर संपन्नता की अठखेलियां करती हैं। साथ ही ऑनलाइन दुनिया में डिजिटल ग्रीटिंग्स की भरमार है। दरअसल, दिवाली अब हमारे आर्थिक, सांस्कृतिक वजूद का इंजन बन चुकी है।

होगी कई लाख करोड़ की खरीदारी

दीपावली अब केवल आस्था का त्योहार नहीं बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का महापर्व है। यकीन न आए तो कुछ आंकड़ों पर गौर कर सकते हैं। साल 2024 की दीपावली तिमाही में खरीदारी तकरीबन 4.5 लाख करोड़ तक पहुंच गई थी। इस साल अनुमान है कि यह आंकड़ा 6 लाख करोड़ तक पहुंचेगा। मतलब बिहार जैसे राज्य के लगभग दो सालों का समूचा सालाना बजट के बराबर दिवाली के मौके पर खरीदारी में खर्च हो जाएगा। अकेले ई-कॉमर्स सेक्टर में ही दीपावली के आस-पास अब तक 90 हजार करोड़ की ऑनलाइन बिक्री हो चुकी है। उम्मीद है कि यह तकरीबन पौने दो से दो लाख करोड़ तक पहुंचेगी। ऑटो मोबाइल्स, रियल एस्टेट, इलेक्ट्रॉनिक और ज्वेलरी जैसे क्षेत्र में इस सीजन बिक्री के नए मानदंड रचे जाने हैं। मतलब यह कि दिवाली अब भारतीय अर्थव्यवस्था की धड़कती नब्ज बन चुकी है।

डिजिटल कंपनियों को भी रहता है इंतजार

यह त्योहार अब केवल धार्मिक नहीं, आर्थिक और सांस्कृतिक एकता का भी बड़ा अवसर बन चुका है। आज दीपावली एक किसान से लेकर स्टार्टअप फाउंडर तक के लिए आर्थिक रोशनी की नई उम्मीद बनकर आती है। इस डिजिटल युग में दीपावली सिर्फ घरों या मंदिरों तक नहीं सीमित बल्कि सोशल मीडिया, डिजिटल क्रिएटिविटी और तकनीकी नवाचार का त्योहार बन गई है। 'हैप्पी दीपावली' कहना या लिखना, हर साल दुनियाभर के ट्रेंडिंग टॉपिक्स में शामिल रहने वाला सबसे हॉट विषय होता है। गूगल और एप्पल जैसी कंपनियां दीपावली का महीनों पहले से इंतजार करती हैं। इस मौके पर विशेष डूडल और थीम्स जारी करती हैं। डिजिटल आर्टिस्ट और कंटेंट क्रिएटर्स दीपावली को भारतीय पहचान का वैश्विक प्रतीक मानते हैं। भारत के स्टार्टअप इस मौके पर विशेष फेस्टिव कैंपेन लांच करते हैं जैसे- मेड इन इंडिया जिसमें एक नया संदेश छिपा होता है। कहने का मतलब यह कि दीपावली अब घर-घर की नहीं बल्कि स्क्रीन-स्क्रीन की रोशनी बन चुकी है और पूरे भारत को एक डिजिटल सांस्कृतिक धारा में जोड़ रही है।

बन चुका है ऑल इंडिया फेस्टिवल

आज दीपावली भाषा और क्षेत्र की सीमाओं से परे जा चुकी है। जहां पहले लोग कहते थे कि हर राज्य अपने-अपने तरीके से दीपावली मनाता है, वहीं अब देखा जा रहा है कि यह संपूर्ण भारत का एक साझी रंगत वाला त्योहार बन चुका है। मॉल्स, कालोनियां, ऑफिसेस, हाउसिंग सोसायटी आदि सब जगह दीपावली के अखिल भारतीय सेलिब्रेशन के दर्शन होते हैं। आज दिवाली भाषा, धर्म, क्षेत्र और वर्ग की सीमाओं को लांघकर अखिल भारतीय उत्सव बन चुकी है, जो सभी भारतीयों को एक साझा पहचान देती है।

विदेशों में भी जगमगाती दीपावली

आज दुनिया में ब्रांड इंडिया की चमक का एक हिस्सा जगमग दीपावली भी है। भारत को वैश्विक ब्रांड के रूप में देखें तो दीपावली उसकी सिग्नेचर इमोशन बन चुकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्यूयॉर्क, लंदन, दुबई और सिंगापुर में इंडियन दिवाली नाइट आयोजित होती हैं। बुर्ज खलीफा पर भारतीय दिवाली की लाइट शो अब हर साल की परंपरा है। व्हाइट हाउस, ब्रिटिश पार्लियामेंट और कनाडा में, लेजिसलेचर और दीपावली के दीये जलाना अब ग्लोबल सॉफ्टपावर का प्रतीक है। जरा गौर कीजिए इन आयोजनों के केंद्र में सिर्फ धार्मिकता नहीं होती बल्कि भारतीय आधुनिकता, बहुलता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास के दर्शन होते हैं। यह वही आत्मविश्वास है, जो बताता है कि भारत अपनी परंपरा को 21वीं सदी के फ्रेम में फिट करने में सक्षम है।

आधुनिकता-आर्थिक संपन्नता का प्रतीक

देश के हर क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों की चरम स्थिति, छोटे दुकान से लेकर ई-कॉमर्स के दिग्गज तक दीपावली को अपनी ताकत से जोड़ते हैं। इस तरह यह एक फेस्टिवल टेक्नोलॉजीकरण भी है। डिजिटल पेमेंट, ई-गिफ्ट और सोशल मीडिया ने त्योहार को एक साझा राष्ट्रीय अनुभव बना दिया है। इसलिए दीपावली अब भारत का कल्चरल एक्सपोर्ट बन चुकी है, जो भारतीय प्रवासियों के माध्यम से विश्व स्तर पर मनायी जाती है। कुल मिलाकर दीपावली अब महज एक धार्मिक या सांस्कृतिक त्योहार भर नहीं बल्कि यह भारत की आर्थिक ताकत और आधुनिकता का सबसे सशक्त प्रतीक बन चुका है। *

देश का पावरफुल कल्चरल सुपर ब्रांड

आज के दौर में दीपावली आधुनिक भारत का सबसे पावरफुल सुपर ब्रांड बन चुकी है। हर सफल आधुनिक राष्ट्र के पास एक साझा भावनात्मक प्रतीक होता है। जैसे अमेरिका के पास थैंक्स गिविंग, चीन के पास स्प्रिंग फेस्टिवल, जापान के पास चेरी ब्लॉसम फेस्ट, उसी तरह भारत के पास दीपावली जैसा पर्व है। यह त्योहार भारत की सांस्कृतिक निरंतरता और आधुनिक आकांक्षाओं को भी बहुत करीब से व्यक्त करता है। दीपावली आज महज एक सालाना पर्व नहीं है बल्कि यह भारतीय संस्कृति की गहराई, हमारी तकनीकी उन्नति की चमक, व्यापार की मजबूती, उसकी सक्रियता और सामाजिक एकता की प्रतीक भी बन चुकी है यानी, दिवाली अब केवल धार्मिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय सांस्कृतिक गतिविधि है, जो भारत को परंपरा से प्रगति तक जोड़ने वाला पुल बनाती है। दीपावली आज अखिल भारतीय आधुनिक संस्कृति की धुरी है। हर भारतीय समुदाय हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख अपने-अपने अर्थों में इसे अपनी विरासत का जीवंत हिस्सा मानते हैं।

एक समय तक दीपावली के मौके पर परिवार, मित्रों, रिश्तेदारों के साथ खेल के तौर पर जुआ खेलने की परंपरा रही। लेकिन हाल के वर्षों में ऑनलाइन गेमिंग के जरिए गैंबलिंग की लत ने बड़ा सामाजिक-आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। इस बारे में अवेयर रहने की जरूरत है।

भारी नुकसान दे सकती है ऑनलाइन गेमिंग की लत

अवेयरनेस
एन.के. अरोड़ा

शगुन और परंपरा के नाम पर जिस तरह से हाल के सालों में लोगों द्वारा दीपावली के मौके पर ऑनलाइन जुए का ट्रेंड बढ़ा है, उसके कारण गैंबलिंग की लत दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। यह न केवल व्यक्तिगत बल्कि सामाजिक चिंता का भी विषय है। परंपरा के नाम पर आजमाई जा रही इस खतरनाक आदत के कारण लोगों की जिंदगी ही आर्थिक संकट से घिर गई है।

परंपरा के नाम पर ऑनलाइन गेमिंग: यह मान्यता है कि दीपावली के अवसर पर जुआ खेलना शुभ होता है। इसलिए लोग परंपरा के नाम पर आमतौर पर दीपावली के मौके पर आपस में जुए की गतिविधियों पर हाथ आजमाते हैं। लेकिन कई बार इसके जरिए दीपावली जैसे रोशनी, मेलजोल और खुशियों के त्योहार को परेशानियों का सबब बना लेते हैं। नतीजतन रोशनी के इस त्योहार के ऐन मौके पर उनके घरों में परेशानियों का अंधेरा छा जाता है।

बुरा एडिक्शन है ऑनलाइन गेमिंग: दीपावली की रात ही नहीं ऑनलाइन गैंबलिंग ऐसा एडिक्शन बन गया है, जो सामान्य दिनों में भी लोगों की बर्बादी का कारण बन रहा है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि पुलिस भी इस बुराई पर चाहकर भी प्रभावी प्रतिबंध नहीं लगा पाती, क्योंकि यह सारी गतिविधि एक स्मार्टफोन की स्क्रीन या किसी डिजिटल एप्स तक सिमटकर रह गई है, जो एक क्लिक के साथ ही हमारी पकड़ से बहुत दूर जा चुकी होती है।

क्यों-कैसे फंस जाते हैं इस दुष्चक्र में: पहले जुआ खेलने के लिए ऐसी कोई खास सुरक्षित जगह ढूंढ़नी पड़ती थी, जहां तक पुलिस और समाज पर नैतिक दबाव बनाने वाले लोगों की पहुंच न हो या इन लोगों को यहां तक पहुंचने में मुश्किल हो। लेकिन आज की तारीख में ऑनलाइन गेमिंग या मोबाइल के स्क्रीन पर संपन्न होने वाला जुआ इतना आसान हो गया है कि हम जब चाहें और जहां से चाहें, इसे खेल सकते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि करोड़ों, अरबों के आर्थिक आधार वाली बड़ी-बड़ी कंपनियां इसके लिए हमें बोनस और विज्ञापन के जरिए ललचाती हैं। साथ ही लोगों को डिजिटल गतिविधियों के जरिए ललचाकर फंसाने वाली कंपनियां 'दिवाली ऑफर', 'लकी स्पिन', 'कैश बोनस', जैसी रसीली बातों से हमें फांसते हैं और देखते ही देखते हम इन पैसे चूसने वाली स्कीमों के चक्कर में फंस जाते हैं। बस एक जीत के जरिए जिंदगी को मालामाल करने की तमन्ना से हम अपने पास जो भी होता है, सब कुछ बड़ी आसानी से गंवा देते हैं और इस तरह धोखे-धोखे में लाखों, करोड़ों लोग ऑनलाइन गेमिंग में फैले गैंबलिंग के खेल से कंगाल हो जाते हैं।

गंवा देते हैं हजारों करोड़: हर साल लाखों लोगों की बर्बाद कहानियों के बावजूद, लोग इनसे सबक लेने की बजाय अगली बर्बाद कहानियों का हिस्सा बनने के लिए हर समय तैयार रहते हैं। एक अनुमान के मुताबिक पिछले पांच सालों से हर साल दीपावली के मौके पर अनुमानतः आम लोग 15 से 20 हजार करोड़ रुपए तक इस ऑनलाइन जुए में गंवा बैठते हैं, जो उनकी जिंदगीभर की गाढ़ी कमाई होती है। यही कारण है कि आजकल रोशनी के इस पर्व में हर साल लाखों लोगों की जिंदगी में हमेशा-हमेशा के लिए अंधकार भर जाता है।

कानूनी स्थिति: हालांकि पब्लिक गैंबलिंग एक्ट 1867 के तहत जुआ एक सार्वजनिक सामाजिक अपराध है। लेकिन दुर्भाग्य से हमारी हथेली में अटके मोबाइल की स्क्रीन पर धूम-धड़ाके से चलने वाली जुए की महफिलों पर कानून नहीं लागू होता था। हालांकि इस सबके बावजूद तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश में ऑनलाइन गेमिंग के कई रूपों पर प्रतिबंध लगाया है, बावजूद इसके दिवाली की रात जुए के लिए बेकरार करोड़ों लोगों को यह आंशिक प्रतिबंध बर्बाद होने से नहीं बचा पाते। यही वजह है कि जोर-शोर से लाखों लोग ऑनलाइन गेमिंग पर हर तरह से प्रतिबंध लगाने की बात करते हैं। लेकिन आजादी और लोकतंत्र के नाम पर उतने ही लोग इसे रेगुलेट करने की वकालत करते हैं। यही कारण है कि हर साल लाखों लोगों के ऑनलाइन गेमिंग के जरिए बर्बाद हो जाने के बावजूद इस पर प्रतिबंध नहीं लग रहा। हालांकि 1 अक्टूबर से देश भर में ऑनलाइन गेमिंग विधेयक 2025 लागू हो गया है। इसमें रियल मनी गेमिंग संचालित करने वाली कुछ कंपनियों और एप्स पर बैन लगा दिया गया है। इसका प्रचार करने वालों पर भी कड़े दंड का प्रावधान है।

दूर रहने का लें संकल्प: दीपावली की रोशनी तभी हमारे लिए सार्थक होगी, जब वह हमारे परिवारजनों के चेहरों पर खुशियों का उजास फैलाए, न कि ऑनलाइन गेमिंग के जरिए बर्बादी का अंधेरा छाए। इसलिए इस साल ऑनलाइन गेमिंग से दूरी बनाने के लिए संकल्प लें। *

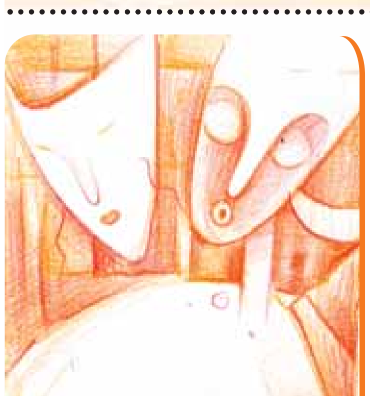

गजल
अब्दुल कलाम

मन के फेर हैं बाबा

इधर देखो जिधर देखो मचा अंधेर है बाबा
सलामत दिन निकल जाए तो समझो खैर है बाबा

कोई सूरत तो फिर निकले कि सच का बोल-बाला हो
मगर निकले भी कैसे झूठ इतना दिलेर है बाबा

आग की जद में शहर जो आ गया तो फिर
बचेगा कुछ नहीं हिजरत में फिर क्यों देर है बाबा

मिटाने हम चले हैं देश की फिरका परस्ती को
जहां पर खून के रिश्तों में देखे बैर है बाबा

यहां सर पे कफन हमने ही बांधा वक्त जब आया
वो कहते हैं कि हम उनके लिए अब गैर हैं बाबा

फाइलों में दब के रह जाती है अब फरियाद भी
कोर्ट-कचहरी न्याय सब मन के फेर हैं बाबा

लघुकथाएं

अनमोल लम्हे

रिटायरमेंट के बाद निर्माण नगर में ही रहना विनीत। सभी दोस्त साथ में मस्ती करेंगे।' शैलेंद्र ने विनीत से कहा, जब वह किसी काम से निर्माण नगर आया हुआ था।

'हां! देखता हूं।' विनीत ने कहा। पर मन ही मन वह सोच रहा था कि क्या है इस शहर में? दिल्ली में जिस सोसाइटी में वह रहता है, वहां कितना अच्छा पार्क है, जिम है, स्विमिंग पूल है। हर अवसर पर कुछ न कुछ बढ़िया कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। अच्छा जीवन कटेगा वहां। यही सब सोचकर रिटायरमेंट के बाद विनीत निर्माण नगर के बजाय दिल्ली में ही बस गया। सुबह मॉर्निंग वॉक, फिर जिम और उसके बाद स्विमिंग। बीच-बीच में सोसायटी की मीटिंग और अकसर तरह-तरह के कार्यक्रमों में शामिल होना। विनीत का यही रूटीन हो गया था। वह सोचने लगा कि जीवन का पूरा मजा वह ले रहा है।

कुछ समय बाद उसे किसी काम से फिर निर्माण नगर जाने का मौका मिला। तब तक उसके अधिकांश दोस्त रिटायर हो चुके थे। उसने देखा कि सुबह-सुबह कई दोस्त मॉर्निंग वॉक पर इकट्ठे होते हैं। फिर शुरू होती हैं बचपन की बातें और हंसी-ठहाके। कोई अपने टीचर के नकल उतारने वाली हरकत के बारे में बताता तो कोई एक-दूसरे के साथ की जाने वाली शैतानियों के किस्से सुनाता। और भी कई तरह-तरह की बातें वे सब आपस में करते हैं। इसी तरह शाम को भी सारे दोस्त इकट्ठे हो जाते और फिर शुरू हो जाता ठहाकों का दौर। दिल खोल कर हंसते थे सभी दोस्त। ऐसा लगता मानो फिर से वे बचपन की मस्ती का आनंद लेने लगे हों।

अपने दोस्तों के मस्ती भरे अंदाज को देखकर विनीत सोचने लगा वैसे तो दिल्ली में जीवनशैली और सुख-सुविधाएं यहां से बेहतर हैं, पर बचपन के दोस्तों के साथ यह मौज-मस्ती वहां नहीं मिल पाती है। विनीत ने मन ही मन खुद से कहा, 'सच में ये आनंद भरे पल अनमोल हैं।' *

-विनय कुमार पाठक

फॉलोवर्स

आदित्य ने सुबह नींद से जगते ही अपना इंस्टा अकाउंट चेक किया। 'बधाई हो! आपके फॉलोवर्स की संख्या एक लाख हो गई है।' मोबाइल पर नोटिफिकेशन था। आदित्य जोश में आ गया। मुट्ठियां बंद कर हाथों को झटकते हुए कहा, 'यस!' वह काफी दिनों से अपने इंस्टा अकाउंट पर फॉलोवर्स की संख्या बढ़ाने की कोशिश में लगा हुआ था। आदित्य मुंबई में रहता है। उसका टू बीएचके फ्लैट है। कुछ वर्ष पहले उसके मम्मी-पापा की एक दुर्घटना में मौत हो गई थी। वह उनकी अकेली संतान है। बस उसके दादाजी हैं, जो मुंबई से दूर एक गांव में रहते हैं। जब तक मम्मी -पापा रहे तब तक वह उनसे मिलने जाता था। उसके बाद वह कभी गांव नहीं गया। अभी वह अपना मोबाइल देख ही रहा था कि दरवाजे की घंटी बजी। उसने जाकर दरवाजा खोला। सामने एक बुजुर्ग आदमी थे।

'जी कहिए..।'

'तुम निशिकांत के पोते आदित्य हो?'

'जी, आप कौन?'

'मैं दयाल! निशिकांत ने मुझे भेजा है। उसकी तबीयत बहुत खराब है। शायद अब ज्यादा जीवित न रहे। मरने से पहले तुमको देखना चाहता है। मेरे साथ अभी गांव चलो।'

'अभी! एकदम से?'

'हां, नहीं तो शायद तुम अपने दादाजी को आखिरी बार भी ना देख सको।'

'देखिए, अभी मेरे पास बहुत सारे जरूरी काम पेंडिंग हैं। ऐसा करिए, आप जाकर उनसे कह दीजिएगा, मैं रविवार को आऊंगा। हां मेरा मोबाइल नंबर भी लेते जाइए। मुझे फोन पर दादाजी से बात करा दीजिएगा।'

दयाल निराश होकर वापस लौट गए। आदित्य चंद मिनटों तक दादाजी के बारे में सोचता रहा। जैसे ही उसे फॉलोअर्स का ख्याल आया वह उन्हें भूल गया। उसके हाथ तेजी से मोबाइल पर चलने लगे। अगले दिन सुबह-सुबह उसके पास फोन आया, 'तुम्हारे दादाजी नहीं रहे।' दयाल की ही आवाज थी।

'ओह! मैं आता हूं।' आदित्य ने कहा। उसने फौरन अपने बैग में दो जोड़ी कपड़े लिए और गांव के लिए रवाना हो गया। करीब पांच-छह घंटे का रास्ता था। मगर जिस ट्रेन में वह बैठा था, वह जगह-जगह रुक रही थी। छह घंटों में वह आधे रास्ते भी न पहुंच सका। अगले स्टेशन पर पहुंचकर वह ट्रेन से उतर गया और गांव जाने वाली बस पकड़ ली। मगर दुर्भाग्य कि बीच में सड़क धंसने से बस आगे न जा सकी। गांव अब भी तीस किलोमीटर दूर था। वह बाइक सवारों से लिफ्ट लेता हुआ किसी तरह गांव पहुंचा। तब तक काफी देर हो चुकी थी। सूरज ढल चुका था। अंधेरा हो रहा था। हर ओर सूनापन फैल रहा था। दादाजी के घर के दरवाजे पर कुछ महिलाएं खड़ी थीं। उसने उनसे दादाजी के बारे में पूछा।

'हमें लगा अब तुम नहीं आओगे। इसलिए गांव वाले उनको श्मशान घाट ले गए।' वह श्मशान घाट की ओर दौड़ा। उसके दादाजी का शव चार लोग अपने कंधे पर उठाए चले जा रहे थे। पीछे-पीछे ढेर सारे गांव वाले थे। वह वहीं ठिठक गया। उसे तो लगा था, उसके बिना दादाजी को भला कौन कंधा देगा। मगर यहां तो पूरा गांव है दादाजी के पीछे। गांव वालों ने चिता सजाई और दादाजी का शव अग्नि को समर्पित कर दिया। आदित्य भीड़ के पीछे ही ठिठका रहा, आगे नहीं आया। तभी उसके मोबाइल पर नोटिफिकेशन आया 'बधाई हो! आपके फॉलोवर्स की संख्या एक लाख दस हजार हो गई है।' *

-सरस्वती रमेश

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

जिंदगी@मगनपुर इस्टेट

वरिष्ठ कथाकार गोविंद उपाध्याय का तीसरा उपन्यास 'जिंदगी@मगनपुर इस्टेट' हाल में ही प्रकाशित होकर आया है। इस नॉस्टेल्जिक उपन्यास का मुख्य पात्र एक बुजुर्ग शख्स विमान भौमिक है, जो मगनपुर इस्टेट में बिताए अपनी किशोरावस्था के दिनों को याद करता है। लेकिन उसमें कहीं भी भावुकता का अतिरेक या पुराने दिनों के प्रति मोह की सांद्रता नजर नहीं आती है। वो खिलंदड़े अंदाज में बीती हुई घटनाओं को याद करता है। पिछली सदी के सातवें-आठवें दशक के बीच की पृष्ठभूमि पर रचा गया यह उपन्यास, उस दौर के मध्यवर्गीय परिवार के किशोरों की जीवनशैली, उनके सपने, उनकी बचकानी हरकतें और छोटी-छोटी खुशियों को भी बटोर लेने की उनकी ललक को बहुत रोचक तरीके से सामने लाता है। हालांकि इस उपन्यास का कथानक और उसमें उपस्थित सभी पात्र काल्पनिक हैं लेकिन जो भी लोग लेखक को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं, वो सहज ही इस उपन्यास के कथा-तंतुओं से वास्तविक छवि को बुन सकते हैं। लेखक के किस्सागोई के अंदाज में पाठक को बांधे रखने का जादुई सामर्थ्य है। *

पुस्तक: जिंदगी@मगनपुर इस्टेट (उपन्यास)
लेखक: गोविंद उपाध्याय, **मूल्य:** 299 रुपए,
प्रकाशक: सर्वभाषा ट्रस्ट, दिल्ली

महिला वनडे वर्ल्ड कप में 47 साल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत को मिली सिर्फ तीन जीत

एजेंसी ▶▶| विशाखापत्तनम

भारतीय टीम महिला वनडे विश्व कप में पदार्पण के बाद से पिछले 47 साल में सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलियाई टीम को महज तीन बार हरा सकी है और आखिरी बार 2017 में इंग्लैंड में हुए टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मिली जीत की सूत्रधार 171 रन बनाने वाली हरमनप्रीत कौर थी, जिनका बल्ला इस बार अभी तक खामोश है।

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच एक दिवसीय महिला विश्व कप में अब तक बारह मुकाबले खेले गए हैं जिनमे से नौ बार आस्ट्रेलिया (1978, 1982 में दो मैच, 1993, 1997, 2000, 2005, 2017 ,2022) ने जीत दर्ज की है जबकि भारत तीन बार (2009 में दो बार और 2017) ही जीत सका है।

भारतीय टीम ने पहली बार विश्व कप में आस्ट्रेलिया को 2009 में हराया था

भारतीय महिला टीम ने पहली बार विश्व कप में आस्ट्रेलिया को 2009 में हराया और वह भी उसकी ही धरती पर। पहले सुपर सिक्स चरण में और फिर तीसरे स्थान के मुकाबले में। अंजुम चोपड़ा ने सुपर सिक्स मैच में 137 गेंद में 76 रन बनाए जबकि गौहर सुल्ताना और रीमा मल्होत्रा ने दो दो विकेट लिए। इसके बाद तीसरे स्थान के प्लेआफ मुकाबले में भी सिडनी में भारत ने आस्ट्रेलिया का तिलिस्म फिर तोड़ा जब कप्तान झूलन और प्रियंका रॉय के दो दो विकेट की मदद से भारत ने तीन विकेट से जीत दर्ज की।

महिला वनडे विश्व कप भारत ने 1978 में किया था पदार्पण

महिला वनडे विश्व कप की शुरुआत यूं तो 1973 में हुई लेकिन भारत ने पदार्पण 1978 में किया और आस्ट्रेलिया की टक्कर पहली बार इसी विश्व कप में पटना के मोईनुल हक स्टेडियम में हुई। यह विश्व कप दक्षिण अफ्रीका में होना था लेकिन रंगभेद के चलते उसके बहिष्कार के कारण भारत को इसकी मेजबानी मिली। भारत, आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की भागीदारी के बीच खेले गए टूर्नामेंट में मार्गरेट जेनिंग्स की कप्तानी वाली आस्ट्रेलियाई टीम ने और डायना एडुल्जी की भारतीय टीम को 71 रन से हराया था। फिर 1982 में शांता रंगास्वामी की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड में बदले हुए प्रारुप (राउंड रॉबिन और फाइनल) में खेले गए विश्व कप में राउंड रॉबिन चरण में बारह में से चार मैच जीते लेकिन उसे आस्ट्रेलिया के हाथों तीनों मैचों में पराजय का सामना करना पड़ा।

1988 में भारत को नाम वापिस लेना पड़ा था

अगला महिला विश्व कप छह साल बाद 1988 में आस्ट्रेलिया में खेला गया । भारत को अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट परिषद की ओर से कराए गए इस विश्व कप में खेलने का न्योता मिला था लेकिन प्रायोजकों से पर्याप्त धनराशि जुटाने में असमर्थ रहने के कारण भारत को नाम वापिस लेना पड़ा। इंग्लैंड में 1993 में हुए विश्व कप में रिकॉर्ड आठ टीमों ने भाग लिया और एडुल्जी की कप्तानी में भारत का प्रदर्शन ग्राफ बेहतर रहा। भारत ने ग्रुप चरण के सात मैचों में से चार जीते और तीन गंवाए। पहले ही मैच में वेस्टइंडीज को 63 रन से हराकर शानदार शुरुआत की लेकिन आस्ट्रेलिया के सामने फिर आसानी से घुटने टेक दिए। भारत को 58.4 ओवर में 108 रन पर आउट करने के बाद आस्ट्रेलिया ने 38.3 ओवर में तीन विकेट पर 114 रन बनाए। भारत के लिये संध्या अग्रवाल और कप्तान एडुल्जी का प्रदर्शन टूर्नामेंट में शानदार रहा। संध्या सात मैचों में 229 रन बनाकर बल्लेबाजी में और एडुल्जी 14 विकेट लेकर गेंदबाजों में चौथे स्थान पर रही।

1997 में भारत पहली बार सेमीफाइनल तक पहुंचा था

भारत में 1997 में हुए विश्व कप में 11 टीमों ने भाग लिया और प्रमिला भट्ट की कप्तानी में मेजबान भारत पहली बार सेमीफाइनल तक पहुंचा। इस बार भारत की टक्कर आस्ट्रेलिया से दिल्ली में खेले गए सेमीफाइनल में हुई और कैथरीन फ्रिट्जपैट्रिक ने सात ओवर में 18 रन देकर तीन विकेट चटकाते हुए भारत की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। खराब रोशनी के कारण मैच 32 ओवर का कर दिया गया, जिसमें आस्ट्रेलिया ने सात विकेट पर 123 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 30 ओवर में नौ विकेट पर 104 रन ही बना सकी। धीमी ओवरगति के कारण भारत के दो ओवर कम किए गए थे। आस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को हराकर एक बार फिर खिताब अपने नाम किया।

खबर संक्षेप

फेनेस्टा ओपन : पार्थसारथी और तविश ने जीता खिताब

नई दिल्ली। शीर्ष वरीयता प्राप्त पार्थसारथी मुंधे और आठवीं वरीयता प्राप्त तविश पाहवा शनिवार को फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप में क्रमशः लड़कियों और लड़कों के अंडर-16 वर्ग में चैंपियन बने। इन दोनों खिलाड़ियों ने युगल वर्ग में भी अपनी जोडियों के साथ जीत दर्ज की। लड़कियों के अंडर-16 एकल फाइनल में पार्थसारथी ने श्रीनिति चौधरी की कड़ी चुनौती से पार पाते हुए तीन सेटों के मुकाबले में 6-0, 3-6, 6-4 से जीत दर्ज की। तविश ने लड़कों के अंडर-16 एकल फाइनल में दमदार प्रदर्शन करते हुए मन्नान अशोक अग्रवाल को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हराया। तविश ने इसके बाद लडकों के युगल में प्रकाश सारन के साथ जोड़ी बनाकर दोहरी सफलता हासिल की। इस जोड़ी ने तीसरी वरीयता प्राप्त मन्नान अशोक अग्रवाल और ओम रमेश पटेल को रोमांचक मुकाबले में 1-6, 7-5, 10-6 से हराया।

एस्पाना गोल्फ टूर्नामेंट में शुभंकर ने बनाई कट में जगह

मैड्रिड। शुभंकर शर्मा ने दूसरे दौर में दो अंडर 69 का स्कोर बनाया, जिससे वह ओपन डी एस्पाना गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह बनाने में सफल रहे। शर्मा के 36 होल के संयुक्त कुल स्कोर ने उन्हें मार्च 2025 में हीरो इंडियन ओपन के बाद पहली बार किसी 72 होल की प्रतियोगिता में अपना पहला कट हासिल करने में मदद की। यह 29 वर्षीय खिलाड़ी अगले सप्ताह डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में भारत के शीर्ष दावेदारों में से एक होगा। वह अभी 61वें स्थान पर हैं। शर्मा ने अपना दूसरा राउंड पहले होल से शुरू किया लेकिन उन्होंने दूसरे होल में ही एक शॉट गंवा दिया।

आईसीसी ने लगाई मलाबा को फटकार

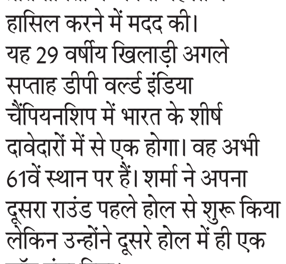

विशाखापत्तनम। दक्षिण अफ्रीका की स्पिनर नॉनकुलुलेको मलाबा को भारत के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप मैच के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई गई और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया। दक्षिण अफ्रीका ने गुरुवार को भारत को तीन विकेट से हराया था। आईसीसी ने कहा, 'मलाबा को खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता की धारा 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है, जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज के आउट होने पर अपमानजनक भाषा, कार्य या हावभाव का प्रयोग करने या आक्रामक प्रतिक्रिया से संबंधित है।'

भारत ने पहली पारी 5 विकेट पर 518 रन पर की घोषित, वेस्टइंडीज 4 विकेट पर 140 रन

वेस्टइंडीज बैकफुट, टीम इंडिया ने खेली 500 प्लस की पारी, शुभमन का शतक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कप्तान शुभमन गिल के करियर के दसवें टेस्ट शतक और रविंद्र जडेजा की शानदार गेंदबाजी की मदद से भारत ने वेस्टइंडीज को बैकफुट पर भेजकर दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन शनिवार को यहां एक और बड़ी जीत की उम्मीद जगा दी। भारत ने अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 518 रन पर समाप्त घोषित की। इसके जवाब में वेस्टइंडीज ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट पर 140 रन बनाए हैं और वह भारत से अभी 378 रन पीछे है। भारत ने अहमदाबाद में खेला गया पहला टेस्ट मैच पारी और 140 रन से जीता था और अगर यहां उसे फॉलोऑन देने का मौका मिलता है तो वह इससे नहीं हिचकिचाएगा।

गिल पारी समाप्ति की घोषणा करके पहले ही संकेत दे चुके हैं कि वह जल्द से जल्द मैच समाप्त करना चाहते हैं। भारत की पारी के आकर्षण यशस्वी जायसवाल (258 गेंदों पर 175 रन) और कप्तान शुभमन गिल (196 गेंदों पर नाबाद 129 रन) के शतक रहे। इन दोनों के अलावा साई सुदर्शन (87) ने अर्धशतक बनाया। वेस्टइंडीज की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वारिकन (98 रन देकर तीन विकेट) सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे।

गिल ने ब्रेडमैन को पीछे छोड़ा

गिल ने दिल्ली के मैदान पर इंडीज के खिलाफ पहली पारी में अपना शतक 177 गेंदों पर पूरा किया। गिल ने पहली पारी में 129 रन बनाए और नाबाद रहे। ये उनके टेस्ट क्रिकेट करियर का 10वां साथ ही इंडीज के खिलाफ पहला शतक रहा। अपने इस शतक के दम पर गिल ने डॉन ब्रेडमैन को पीछे छोड़ दिया। दरअसल गिल ने बतौर कप्तान अपना 5वां टेस्ट शतक लगाया और वो सबसे कम पारियों में कप्तान के तौर पर ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बने। गिल ने ये कमाल सिर्फ 12 पारियों में किया जबकि ब्रेडमैन ने ऐसा 13 पारियों में किया था।

कोहली के बराबर पहुंचे शुभमन

गिल ने भारतीय कप्तान के रूप में एक कैलेंडर साल में 5 टेस्ट शतक लगाने का कमाल किया और विराट कोहली की बराबरी कर ली। कोहली ने टेस्ट प्रारूप में भारतीय कप्तान के रूप में दो बार एक कैलेंडर वर्ष में 5 शतक लगाने का कमाल किया था। कोहली ने ऐसा साल 2017 और 2018 में किया था। शुभमन गिल अब इस मामले में कोहली की बराबरी पर आ गए। गिल ने अपनी कप्तानी के पहले ही साल में टेस्ट में 5 शतक लगाने का कमाल किया और ऐसा करने वाले पहले भारतीय भी बने।

जडेजा ने आखिरी सेशन में भारत को किया हावी

रविंद्र जडेजा ने ही भारत को दूसरी सफलता दिलाई। उन्होंने चंद्रपॉल (34) के बल्ले का बाहरी किनारा हासिल किया और पहली स्लिप में केएल राहुल के हाथों कैच कराया। कुछ देर बाद कुलदीप की गेंद पर आक्रामक शॉट खेलने की कोशिश करते हुए अथानजे मिडविकेट पर जडेजा को आसान सा कैच दे बैठे। अगले ओवर में विंडीज कप्तान रोस्टन चेज बिना खाता खोले लौट गए। जडेजा ने उन्हें अपनी ही गेंद पर लपक लिया।

भारत ने टेस्ट क्रिकेट में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

दिल्ली टेस्ट मैच में जहां जायसवाल ने 175 रनों की पारी खेली तो वहीं कप्तान शुभमन गिल 129 रनों की नाबाद पारी खेली। टीम इंडिया ने जब दिल्ली टेस्ट मैच के दूसरे दिन के खेल में अपनी पहली पारी 518 रनों के स्कोर पर घोषित की तो उसी के साथ 7 साल पुराना एक बड़ा रिकॉर्ड भी चकनाचूर हो गया। भारतीय टीम की पहली पारी के दौरान एक भी लेग बाई और बाई का रन नहीं आया और टेस्ट क्रिकेट में ये बिना इस अतिरिक्त रन के एक पारी में सर्वाधिक रन हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड बांग्लादेश और श्रीलंका की टीम के बीच साल 2018 में चट्टोग्राम के मैदान पर खेले गए टेस्ट मैच में बांग्लादेश के नाम था, जिन्होंने 513 रन अपनी पारी में बिना लेग बाई और बाई के बनाए थे। भारतीय टीम की दिल्ली टेस्ट मैच की पहली पारी को देखा जाए तो उसमें सिर्फ 2 अतिरिक्त रन देखने को मिले, जो वाइड से आए थे। टेस्ट क्रिकेट में ये 500 प्लस स्कोर की पारी में अब तक सिर्फ दूसरे सबसे कम एक्सट्रा रन देने का रिकॉर्ड है।

रोहित का रिकॉर्ड ब्रेक

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इंडीज के खिलाफ अपने टेस्ट क्रिकेट करियर का 10वां शतक लगाया और ये डब्ल्यूटीसी में भी उनका 10वां शतक ही रहा। इस टेस्ट शतक के साथ गिल ने रोहित शर्मा का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया, जो इससे पहले डब्ल्यूटीसी में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बैटर थे और इसकी संख्या 9 थी। गिल अब रोहित को पीछे छोड़कर डब्ल्यूटीसी में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बैटर बन गए।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
जायसवाल रन आउट	175	258	22	0
राहुल स्टं इमलाच बो वारिकन	38	54	5	1
सुदर्शन एलबीडब्ल्यू बो वारिकन	87	165	12	0
शुभमन गिल नाबाद	129	196	16	2
रेड्डी कॉ जेडेन सील्स बो वारिकन	43	54	4	2
जुरेल बो रोस्टन चेज	44	79	5	0

अतिरिक्त: 02, कुल: 134.2 ओवर में 518/5 रन

गेंदबाजी : जेडन सील्स 22-2-88-0, एंडरसन फिलिप 17-2-71-0, जस्टिन ग्रीव्स 14-1-58-0, खैरी पियरे 30-2-120-0, जोमेल वारिकन 34-6-98-3, रोस्टन चेज 17.2-0-83-1

वेस्टइंडीज पहली पारी	रन	गेंद	4	6
कैंपबेल का सुदर्शन बो जडेजा	10	25	2	0
चंद्रपाल का राहुल बो जडेजा	34	67	4	0
अथांजे का जडेजा बो कुलदीप	41	84	5	1
शाई होप नाबाद	31	46	5	0
चेज का एवं बो जडेजा	00	7	0	0
इमलाच नाबाद	14	31	2	0

अतिरिक्त 10, कुल योग: 43 ओवर में 140/4 रन

गेंदबाजी : बुमराह 6-3-18-0, सिराज 4-0-9-0, जडेजा 14-3-37-3, कुलदीप 12-3-45-1, वाशिंगटन 7-1-23-0

क्लच शतरंज लीजेंड्स : कास्पारोव ने दोहराया इतिहास, दो गेम शेष रहते आनंद को हराया

एजेंसी ▶▶| सेंट लुई

गैरी कास्परोव ने क्लच शतरंज लीजेंड्स प्रतियोगिता के 10वें गेम में विश्वनाथन आनंद को हराकर दो गेम शेष रहते मैच जीतकर 30 साल पहले का इतिहास दोहराया। वह 10 अक्टूबर 1995 का दिन था जब आनंद ने न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की 107वीं मंजिल पर कास्पारोव के खिलाफ 20 गेम वाले क्लासिकल विश्व चैंपियनशिप मैच में 18वें गेम में ड्रॉ खेला और 7.5-10.5 से हार गए।

वर्तमान टूर्नामेंट में नियमों के अनुसार अंतिम दो बाजियां ब्लिट्ज टाइम कंट्रोल के तहत खेली गईं और आनंद ने दो जीत हासिल कीं, लेकिन

तब तक बहुत देर हो चुकी थी और रूस के खिलाड़ी ने पहले ही अपनी जीत पक्की कर दी थी। आखिर में स्कोर 13-11 से कास्पारोव के पक्ष में रहा। उन्होंने इस तरह से 78,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि जीती, जबकि आनंद ने 1,44,000 डॉलर के मुकाबले में 66,000 डॉलर अपने नाम किए।

मैच के अंतिम दिन से पहले कास्पारोव ने पांच अंक की बढ़त ले रखी थी। आनंद के पास वापसी का मौका था, क्योंकि अंतिम दिन 12 अंक दांव पर लगे थे और प्रत्येक जीत तीन अंकों की थी। आनंद ने दिन की शुरुआत कड़े मुकाबले में ड्रॉ से की लेकिन अगला गेम हार गए। इससे कास्पारोव ने मैच अपने नाम कर लिया था, जबकि दो ब्लिट्ज गेम अभी भी बचे हुए थे। आनंद ने इन दोनों गेम में जीत हासिल की लेकिन इससे वह हार का अंतर ही कम कर पाए।

जोहोर कप: भारत की शानदार शुरुआत, ब्रिटेन को हराया

जोहोर बाहरु। कप्तान रोहित के दो गोल की मदद से भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को ग्रेट ब्रिटेन पर 3-2 से जीत के साथ सुल्तान जोहोर कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। रोहित (45वें और 52वें मिनट') और रवनीत सिंह (23) ने भारत के लिए गोल किए जबकि माइकल रॉयडेन (26) और कैडेन ड्रेसी (46) ने ग्रेट ब्रिटेन के लिए गोल किए। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने अंत तक रोमांचक हॉकी का प्रदर्शन किया लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। भारत को 13वें मिनट में दिन का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन ग्रेट ब्रिटेन ने यह खतरा टाल दिया। भारत ने गोल करने के अच्छे प्रयासों के साथ शानदार आक्रामक रुख दिखाया, लेकिन ग्रेट ब्रिटेन ने भी अपनी रक्षापंक्ति में मजबूती दिखाई। भारत को 16वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन ग्रेट ब्रिटेन के गोलकीपर ने बड़ी बहादुरी से उसे भी बचा दिया। भारत 22वें मिनट में गोल करने के करीब पहुंच गया था, लेकिन मनमीत सिंह के शॉट को ग्रेट ब्रिटेन के डिफेंस ने रोक दिया। भारत ने आखिरकार अगले ही मिनट में अपना पहला गोल कर दिया।

आर्टिक ओपन

18 साल की अनमोल ने दी विश्व चैंपियन को चुनौती

एजेंसी ▶▶| वंता (फिनलैंड)

■ खरब सेमीफाइनल में यामागुची से हारी

उभरती हुई भारतीय खिलाड़ी अनमोल खरब का आर्टिक ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार सफर शनिवार को सेमीफाइनल में तीन बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची से हार के साथ खत्म हुआ। एशियाई टीम चैंपियनशिप 2024 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही फरीदाबाद की 18 साल की इस खिलाड़ी ने दोनों गेम की शुरुआत में जापान की दिग्गज खिलाड़ी को चुनौती दी लेकिन ज्यादा देर तक लय बरकरार नहीं रख सकी। यामागुची ने 29 मिनट तक चले मैच को आसानी से 21-10, 21-10 से जीता।

अनमोल का सेमीफाइनल में पहुंचना बड़ी उपलब्धि

खरब के लिए हालांकि सुपर 500 स्तर के टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने अपने अभियान के दौरान वेन ची ह्सू (विश्व रैंकिंग 32) और छठी वरीयता प्राप्त लिन ह्सियांग टी (विश्व नंबर 21) जैसी अनुभवी खिलाड़ियों को हराने के बाद डेनमार्क की एमिली शुल्ज को 21-15, 21-14 से हराकर अपने पहले सुपर 500 स्तर के टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज जापान की खिलाड़ी ने पहले गेम में 7-3 की बढ़त के साथ मजबूत शुरुआत की लेकिन खरब ने इस अंतर को 7-6 तक कम किया और फिर ब्रेक तक टक्कर देते हुए स्कोर को 11-9 रखा । यामागुची ने ब्रेक के बाद अगले 11 में ये 10 अंक जीत कर अपना दबदबा कायम किया। यामागुची ने दूसरे गेम में 7-3 की बढ़त के साथ मजबूत शुरुआत की लेकिन खरब ने इस अंतर को 11-9 तक कम किया। खरब 12-14 के स्कोर के साथ मुकाबले में बनी हुई थी लेकिन वह वापसी के लिए ज्यादा जोर लगाने के चक्कर में कई गलतियां कर बैठी और मुकाबला उनके हाथ से निकल गया। खरब इस वर्ष के शुरू में कैमरून इंटरनेशनल में उपविजेता रही थीं। उन्होंने बेल्जियम और पोलैंड में इंटरनेशनल चैलेंजर्स में भी जीत हासिल की थी। वह जापान की इस स्टार खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबले से काफी सबक लेंगी।

विश्व कप क्वालीफाइंग में फ्रांस ने अजरबैजान को 3-0 से हराया

चोट से उभरकर एमबाप्पे ने दिखाया जलवा, दिलाई फ्रांस को जीत

एजेंसी ▶▶| पेरिस

काइलियन एम्बाप्पे ने हाल ही में लगी टखने की चोट से उबरते हुए फ्रांस की विश्व कप क्वालीफाइंग में अजरबैजान पर 3-0 से जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस स्टार फुटबॉलर ने एक गोल किया तथा एक अन्य गोल करने में मदद की, जिससे फ्रांस ने यूरोपीय क्वालीफाइंग में लगातार तीसरा मैच जीत कर अपना शानदार रिकार्ड बरकरार रखा।

एमबाप्पे ने इस तरह से फ्रांस की तरफ से 53 गोल कर लिए हैं और वह अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उन्हें ओलिवियर

गिरौड को पछाड़कर नंबर एक स्थान पर पहुंचने के लिए पांच गोल और करने की जरूरत है। एमबाप्पे को हालांकि मैच के अंतिम समय में विरोधी खिलाड़ी से टकराने के कारण लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर जाना पड़ा। एक अन्य मैच में जर्मनी ने लक्जमबर्ग पर 4-0 से जीत हासिल कर वापसी की।

फुटबॉल शिविर में शामिल हुए सीनियर डिफेंडर बोस और मिडफील्डर राल्टे

मडगांव। सीनियर डिफेंडर सुभाशीष बोस और मिडफील्डर लालेंगमाविया राल्टे एशियाई कप क्वालीफायर में सिंगापुर के खिलाफ दूसरे चरण के अहम मैच से पहले शनिवार को भारतीय फुटबॉल टीम के शिविर में शामिल हुए। सिंगापुर में पहला चरण का मुकाबला 1-1 से ड्रा रहा था। भारत दूसरे चरण की मेजबानी गोवा में करेगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा , 'सुभाशीष बोस और लालेंगमाविया राल्टे सिंगापुर के खिलाफ एएफसी एशियाई कप सऊदी अरब 2027 क्वालीफायर के अंतिम दौर के मैच से पहले गोवा में राष्ट्रीय शिविर में शामिल हो रहे हैं और आज से ट्रेनिंग शुरू करेंगे।' 'भारत अपने पहले दो मैचों (इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ और हांगकांग से 0-1 से हार) में सिर्फ एक अंक हासिल करने के बाद सिंगापुर के खिलाफ 'डबल हेडर' मुकाबला खेल रहा है और यह क्वालीफिकेशन के लिए देश का भाग्य तय कर सकता है। भारत पिछले महीने सीएएफए नेशंस कप में कांस्य पदक जीतने के बाद सिंगापुर के खिलाफ मुकाबला खेल रहा है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240